जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

बीकानेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

बीकानेर, रविवार 5 मई, 2024

GROW WITH INDIA
INVEST WITH KEDIA

4 जून से देश में होगी
स्वर्णिम युग की शुरुआत

10 लाख तक
बढ़ेगी कीमत

केडिया रचेगा इतिहास !

इस ऐतिहासिक दिन पर केडिया अपने सभी प्रोजेक्ट्स में एक साथ कीमतों में 10 लाख तक की वृद्धि करके एक नया कीर्तिमान स्थापित करेगा। इस सुनहरे भविष्य का हिस्सा बनिए केडिया के साथ !

FIXED PRICE GUARANTEED
ASSET GROWTH GUARANTEED
NO MIDDLE-MEN

KEDIA सेजस्थान KOTHI & WALK-UP APARTMENT अजमेर रोड़, जयपुर
Kedia's THE KOTHI भव्य•उत्कृष्ट•श्रेष्ठ
Kedia's THE PALM A RETREAT FOR THE ELITE
A Project By Kedia THE KUNBA
KEDIA'S THE OXYGEN Rhythmic Blend of Nature & Architecture
KEDIA'S Corporate Club RESIDENTIAL APARTMENTS
KEDIA'S CORRIDOR AN INTEGRATED TOWNSHIP
Ganesh Vihar EXTENSION A GRAND RESIDENTIAL SCHEME
KEDIA'S KINGDOM AN INTEGRATED TOWNSHIP
KEDIA'S CAPITAL An Integrated Township

KEDIA®
1800-120-2323
78770-72737
info@kedia.com www.kedia.com
www.rera.rajasthan.gov.in
RAJ/P/2023/2387 | RAJ/P/2021/1523 | RAJ/P/2021/1526
RAJ/P/2022/1900 | RAJ/P/2020/1274 | RAJ/P/2019/1075
RAJ/P/2019/1132 | RAJ/P/2017/178 | RAJ/P/2017/165
*T&C Apply

विचार बिन्दु

गरीबी दैवीय अभिशाप नहीं, मानवीय सृष्टि है। –महात्मा गाँधी

गरीबी से बड़ा कोई अभिशाप नहीं, और इससे मुक्ति दिलाने में शिक्षा, स्वास्थ्य, शांति और पर्यावरण से बेहतर कोई उपाय नहीं

मेरा जीवन एक साधारण गाँव में शुरू हुआ, जहाँ अकूत गरीबी थी। मेरे पिता प्राथमिक विद्यालय में शिक्षक थे और मैं प्राय: उनको इस संघर्ष में देखता था कि कैसे वे एक ओर अपने विद्यार्थियों को आगे बढने के लिए प्रेरित करते थे और दूसरी ओर सरकारी अफसरों और नेताओं से हाथ जोड़कर अपने पदस्थापन स्थान के विकास के लिए याचना करते थे। मैंने तब इस बात को स्वयं जिया कि कैसे गरीबी न केवल जीवन की गुणवत्ता को कम करती है, बल्कि यह व्यक्ति की आत्मा को भी छलनी कर देती है। इस अभिशाप से मुक्ति पाने की छटपटाहट में मैंने शिक्षा, स्वास्थ्य, शांति और पर्यावरण के महत्व को आत्मसात और क्रियान्वित किया।

शिक्षा ने मेरे लिए विश्व के बंद दरवाजे खोले। शिक्षा मेरे लिए ज्ञान की वह रोशनी लेकर आई, जिसने मुझे अपनी स्थितियों को समझने और उन्हें बदलने की रणनीति और शक्ति दी। स्वास्थ्य ने मुझे यह सिखाया कि एक स्वस्थ शरीर में ही एक स्वस्थ और निर्मल मन निवास करता है, और यही निर्मल मन व्यक्ति के समग्र कल्याण का बीज है। शांति ने मुझे आंतरिक संतुलन और सामंजस्य के चमत्कारी प्रभाव को समझाया, जो हमारे भीतर सहयोग और सद्भावना को बढ़ाता है। हमारे आसपास का पर्यावरण और उसको बेहतर रखने के प्रति सचेत रहने से मुझे यह समझ पाना सुलभ हुआ कि प्राकृतिक संसाधन हमारे जीवन केमूल आधार हैं, और इनकी सुरक्षा करना हमारी असल में हमारी अपनी भलाई के लिए अनिवार्य है।

इस प्रकार, मेरी कहानी आपको यह सिखा सकती है कि गरीबी से लड़ने और विजय पाने हेतु शिक्षा, स्वास्थ्य, शांति, और पर्यावरण को साथ लेकर चलना होगा। ये चारों स्तंभ व्यक्तिगत जीवन के साथ ही समग्र समाज में भी सकारात्मक परिवर्तन ला सकते हैं। जब हम इन स्तंभों को सशक्त बनाते हैं, तो हम न केवल गरीबी के विरुद्ध एक प्रबल लड़ाई लड़ सकते हैं, बल्कि एक ऐसे समाज की नींव रख सकते हैं जो अधिक समृद्ध, स्वस्थ, और शांतिपूर्ण हो।

अपनी जीवन यात्रा में मैंने यह भी सीखा कि जब समाज एक साथ मिलकर काम करता है, तो बदलाव लाना तुलनात्मक रूप से शीघ्रतापूर्वक संभव हो पाता है। शिक्षा के माध्यम से युवाओं को सशक्त बनाना, स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाना, शांति की दिशा में काम करना, और पर्यावरण की रक्षा करना–ये सभी कार्य तब और अधिक प्रभावी होते हैं जब हम सभी इसमें साझा प्रयत्न करते हैं। मेरी कहानी यह भी दर्शाती है कि गरीबी एक बड़ी चुनौती है, लेकिन इसे पराजित करने के लिए हमारे पास शक्तिशाली रणनीतियाँ उपलब्ध हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य, शांति, और पर्यावरण के माध्यम से हम व्यक्तिगत जीवन को बेहतर बना सकते हैं, और साथ ही पूरे समाज और राष्ट्र को भी उन्नति की ओर ले जा सकते हैं। इस दिशा में मिलजुल कर किया गया कार्य एक ऐसे भविष्य की ओर ले जा सकता है जहाँ गरीबी मात्र इतिहास का हिस्सा बन कर रह जाए।

शिक्षा का महत्व तो जगजाहिर है। यह व्यक्ति को न केवल ज्ञान प्रदान करती है, बल्कि उसे आत्मनिर्भर बनाने में भी सहायक होती है। एक अनपढ़ व्यक्ति जो अपने अधिकारों से अनभिज्ञ होता है, उसे प्राय: शोषण का सामना करना पड़ता है। जब वही व्यक्ति शिक्षित हो जाता है, तो वह न केवल अपने अधिकारों की रक्षा कर सकता है, बल्कि अपने जीवन की बेहतरी हेतु सही निर्णय ले सकता है। उदाहरण के लिए, एक छोटे गाँव की एक युवती जिसने शिक्षा प्राप्त की और अपने गाँव में एक स्कूल खोला, उसने अपना जीवन तो बदला ही साथ ही अपने गाँव के बच्चों को भी शिक्षित करने का मार्ग प्रशस्त किया।

शिक्षा के साथ ही स्वास्थ्य भी गरीबी से मुक्ति का एक अनिवार्य साधन है। बीमारियों से मुक्त एक स्वस्थ व्यक्ति अपने कार्य में अधिक सक्षम होता है और तुलनात्मक रूप से अधिक आय अर्जित कर सकता है। इसके उलट, एक बीमार व्यक्ति अपनी क्षमता का पूर्ण उपयोग नहीं कर सकता, जिससे उसकी आर्थिक स्थिति दुष्प्रभावित होती है। स्वास्थ्य सेवाओं का सुलभ होना और उनकी गुणवत्ता दोनों ही महत्वपूर्ण है। एक स्वस्थ समाज ही एक समृद्ध और सुखी समाज की नींव रख सकता है। एक छोटे गाँव में, जहाँ पहले स्वास्थ्य सेवाएं नहीं थीं, वहाँ एक स्वास्थ्य केंद्र की स्थापना से न केवल बीमारियों का बेहतर प्रबंधन हुआ, बल्कि लोगों की जीवन गुणवत्ता में भी सुधार हुआ।

शिक्षा के साथ ही स्वास्थ्य भी गरीबी से मुक्ति का एक अनिवार्य साधन है। बीमारियों से मुक्त एक स्वस्थ व्यक्ति अपने कार्य में अधिक सक्षम होता है और तुलनात्मक रूप से अधिक आय अर्जित कर सकता है। इसके उलट, एक बीमार व्यक्ति अपनी क्षमता का पूर्ण उपयोग नहीं कर सकता, जिससे उसकी आर्थिक स्थिति दुष्प्रभावित होती है।

शिक्षा और स्वास्थ्य के साथ ही शांति भी गरीबी से मुक्ति का एक अनिवार्य घटक है। एक शांतिपूर्ण समाज में, व्यक्तियों, परिवारों और समाज को अपनी क्षमताओं को विकसित करने और आर्थिक अवसरों का लाभ उठाने के बेहतर अवसर प्राप्त होता है। जिस समाज में हिंसा और अशांति होती है उसमें सतत विकास की संभावनाएं घट जाती हैं और गरीबी बढ़ती जाती है। फलत:, शांति को बढ़ावा देना और आपसी संघर्षों को कम करना गरीबी से मुक्ति के लिए अनिवार्य है।

गरीबी को मिटाने के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, और शांति के साथ-साथ पर्यावरण का संरक्षण भी अत्यंत आवश्यक है। पर्यावरणीय स्थिरता से हमारे संसाधन सुरक्षित रहते हैं, जो कि सतत आर्थिक, सामाजिक और पारिस्थितिकीय विकास और लोगों के कल्याण में मौलिक भूमिका निभाते हैं। जब पर्यावरण संरक्षित होता है, तो यह खाद्य सुरक्षा में योगदान देता है, प्राकृतिक आपदाओं के प्रभाव को कम करता है, और स्वच्छ जल, वायु और मृदाप्रदान करता है। इस प्रकार, पर्यावरणीय स्थिरता प्राकृतिक पारिस्थितिकीय तंत्रों के साथ ही मानव समाज के स्वास्थ्य और आर्थिक स्थिरता के लिए भी अनिवार्य है। इसलिए गरीबी उन्मूलन की हमारी रणनीतियों में पर्यावरणीय संरक्षण को भी प्रमुख स्थान देना चाहिए। प्राकृतिक जलवायु समाधान जिसमें कार्बन पृथक्करण और संचय, जैव-विविधता का संरक्षण, और आजीविका में सुधार शामिल हैं, एक ऐसा रास्ता देते हैं जो गरीबी उन्मूलन के लिए आवश्यक संसाधनों का सुदृढीकरण भी करते हैं।

इन चारों स्तंभों – शिक्षा, स्वास्थ्य, शांति और पर्यावरण – को सुदृढ़ करने से ही गरीबी के चक्र को तोड़ा जा सकता है और एक समृद्ध समाज की नींव रखी जा सकती है। इसके लिए आवश्यक है कि सरकारें और समाज के सभी वर्ग इन क्षेत्रों में प्राथमिकता से निवेश करें। इन मूलभूत कारकों को सम्हाली बिना गरीबी के विरुद्ध एक प्रभावी और निर्णायक लड़ाई नहीं लड़ी जा सकती।

यदि एक देश अपने बच्चों और नागरिकों को उच्चकोटि की शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, पर्यावरणीय सुरक्षा, और शांतिपूर्ण जीवन नहीं दे सकता, तो वास्तव में उसके पास देने के लिए और क्या बचता है? ये सभी तत्व न केवल एक समृद्ध समाज की नींव हैं, बल्कि ये हर व्यक्ति के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण हैं। एक व्यक्ति, परिवार, समाज और राष्ट्र के रूप में हमारी प्राथमिकता यह होनी चाहिए कि हम इन मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करें और अपने नागरिकों को एक सुरक्षित, स्वस्थ, और शिक्षित भविष्य प्रदान करें।

इसी विश्वास के साथ हम एक श्रृंखलाबद्ध विश्लेषण प्रारम्भ कर रहे हैं कि यह ज्ञान व्यक्तियों, परिवारों समाज और सरकारों को गरीबी उन्मूलन के लिए एक नवाचारी और प्रमाण-आधारित दिशा प्रदान करेगा। यदि हमारा देश अपने नागरिकों को उच्चकोटि की शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, पर्यावरणीय सुरक्षा और शांतिपूर्ण जीवन प्रदान करने में सफल होता है, तो यह व्यक्तिगत जीवन की गुणवत्ता को तो बढ़ाएगा ही साथ ही समाज के समग्र विकास को भी सुनिश्चित करेगा। इन मूलभूत कारकों को ध्यान रखकर तय की गई प्राथमिकता ही वह आधार है जिस पर एक समृद्ध राष्ट्र का निर्माण होता है।

इस विश्लेषण में हम आने वाले समय में यह स्पष्ट करेंगे कि कैसे शिक्षा नागरिकों को नई तकनीकें और विचार सीखने में मदद कर सकती है, स्वास्थ्य सेवाएं कैसे उन्हें अधिक उत्पादक बना सकती हैं, पर्यावरणीय संरक्षण कैसे संसाधनों की रक्षा कर सकता है, और शांति कैसे हमारे समाज को अधिक सहयोगी और सद्भावपूर्ण बना सकती है। हम उम्मीद करते हैं कि इस विश्लेषण के माध्यम से प्राप्त निष्कर्ष समाज और सरकारों को इन क्षेत्रों में नीतियाँ और कार्यक्रम विकसित करने के लिए प्रेरित करेंगे, जिससे गरीबी कम होने के साथ ही देश की समग्र प्रगति भी सुनिश्चित होगी।

हम इस श्रृंखलाबद्ध विश्लेषण को इस आशा और विश्वास के साथ प्रस्तुत कर रहे हैं कि यह ज्ञान, गरीबी को मिटाने के लिए समाज और सरकारों को एक नई दिशा देगा। जब एक देश अपने बच्चों और नागरिकों को उच्चकोटि की शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, पर्यावरणीय सुरक्षा, और शांतिपूर्ण जीवन प्रदान करने में सफल होता है, तो यह न केवल व्यक्तिगत जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाता है बल्कि समाज के समग्र विकास को भी सुनिश्चित करता है। ये सभी तत्व एक समृद्ध समाज की नींव हैं और हर व्यक्ति के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण हैं। इससे न केवल हमारे देश की समग्र उन्नति सुनिश्चित होगी, बल्कि यह हमारे नागरिकों को विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी और सक्षम बनाने में भी मदद करेगा। यह आवश्यक है कि हम शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, और शांति के क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा दें और इन्हें अपनी राष्ट्रीय नीतियों का केंद्र बिंदु बनाएं। इस प्रकार, हम एक ऐसे भविष्य की ओर अग्रसर होंगे जहाँ हर नागरिक के पास अपनी पूर्ण क्षमता को प्राप्त करने का अवसर होगा।

हम इस बात को समझते हैं कि गरीबी एक जटिल समस्या है जिसका समाधान एक क्षेत्र में कार्य करने से नहीं, अपितु एक समन्वित और समग्र दृष्टिकोण से ही हो सकता है। इसलिए हमारी श्रृंखला विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों के विचारों और अनुभवों को साझा करेगी, और शोध-आधारित विचारों को आगे लायेगी, जिससे नवाचार और सुधार के लिए प्रेरणा मिल सके। अंत में, हम आशा करते हैं कि यह श्रृंखला न केवल जागरूकता बढ़ाएगी बल्कि समाज और सरकारों को उन नीतियों और कार्यक्रमों को अपनाने के लिए प्रेरित करेगी जो वास्तव में गरीबी को कम करने और हमारे देश को एक समृद्ध भविष्य की ओर ले जाने में सहायक होंगे।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(इंडियन फारेस्ट सर्विस से सेवानिवृत्त, वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान सहित अनेक विश्वविद्यालयों में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं।)

गुढ़ा में जल जीवन मिशन योजना के तहत टंकियों का निर्माण कार्य अधूरा

सांभरझील, (निसं)। निकटवर्ती जाब्दीनगर व गुढ़ासाल्ट में जल जीवन मिशन योजना के तहत बनाई गई पेयजल टंकियां लंबे समय से शॉ-पीस बनी हुई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार करोड़ों रूपए खर्च करने के बावजूद भी पानी की सप्लाई घरों तक नहीं पहुंच पाई। इस लचर सिस्टम के चलते गर्मी के सीजन में भी लोगों के कंठ तर नहीं हो पा रहे हैं। नहर का मीठा पानी पीने के लिए ग्रामीणों को आज भी इंतजार करना पड रहा है। ग्रामीण बताते हैं कि हर घर नल कनेक्शन योजना के तहत पुरानी लाईन को तो हटा दिया गया लेकिन अभी तक नई लाईन नहीं डालने से काम अटका पड़ा है।

टंकी निर्माण और हर घर जल योजना को अभी साकार होने में कितना वक्त लगेगा इस बारे में कोई स्पष्ट संकेत नहीं मिल रहे हैं। दूसरी ओर लोगों का कहना है कि प्यास बुझाने के लिए चार सौ रूपए टैंकर मंगवाकर आर्थिक बोझ उठाना पड़ रहा है। इतना पैसा खर्च करने के बावजूद भी तीन दिन पहले बुकिंग करानी पड़ती है तब जाकर टैंकर घरों तक पहुंचता है। कुएं, नलकूप आदि का जलस्तर इतना नीचे चला गया है कि पेयजल की समस्या लगातार और बढ़ती जा रही है। यहां तक की कुओं का पानी भी खारा हो गया है। फ्लोराइड युक्त पानी पीने की मजबूरी हो गई है। लोगों को हाथ पैरों में दर्द रहने लगा है। संक्रामक बीमारियों खतरा हो सकता है। ग्रामीण बताते हैं कि पीने योग्य पानी नहीं होने के बावजूद ऐसे पानी का इस्तेमाल करने से एसिडिटी, गैस, अपच आदि बीमारियां बढ़ ने लगी है।

गुढ़ा में टंकी निर्माण कार्य लंबे समय से अटका पड़ा है।

■ पेयजल योजना के इंतजार में ग्रामीणों की आंखें पथराई

मीठे पानी की आस में लोगों ने लगभग दो वर्ष पहले ग्राम पंचायत में एक हजार तीन सौ रूपए की राशि का नगद भुगतान कर दिया था लेकिन कोई हल नहीं निकल सका है। जाब्दीनगर में टंकी की सीढियां नहीं बन सकी तो वहीं गुढासाल्ट में अभी फाउण्डेशन और पिलर ही खड़े हो सके हैं। बता दें कि योजना को मूर्त रूप देने के लिए पानी के स्टॉक और सप्लाई के लिए टेंक ही नहीं बने हैं। गुढ़ा में लगभग एक साल से काम बंद पड़ा है।

इधर, सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार विभाग की ओर से इतने दिनों में संवेदक को नोटिस भी जारी किया गया लेकिन कभी लेबर दूसरी जगह काम कर रही है, तो कही पर्याप्त कार्मिक नहीं होने या मौसम प्रतिकूल बढ़कर फर्म काम नहीं करने की बात कह कर रही है। गौरतलब है कि टंकी परियोजना तथा कई निर्माण कार्यों की लागत, दिनांक आदि का ब्यौरा तथा संबधित बोर्ड आदि की सूचना चस्पा नहीं की गई जिस वजह से निर्माण कार्य के प्रारंभ व समाप्ति की तारीख कब होगी कोई जानकारी नही है। इस बारे में कर सहायक अभियंता बच्चू सिंह का कहना है कि फर्म काम नहीं कर रहीं है, वर्तमान संवेदक कार्य करेगा या नहीं इसकी जानकारी उच्चाधिकारयों को जयपुर भेजी हुई हैं। टंकी निर्माण कार्य बहुत जल्द शुरू कराने की कोशिश हमारे स्तर से की जाएगी।

सिमारा गांव में चीता के आने से दहशत फैली

चीता को पकड़कर वापस मध्यप्रदेश के जंगलों में पहुंचाया

करौली, (निसं)। करणपुर के सिमारा गांव में शनिवार प्रात: एक चीता के घुसने से क्षेत्र में दहशत फैल गई। सूचना पर वन विभाग और पुलिस की टीम सिमारा गांव पहुंची। वन विभाग और पुलिस ने कड़ी मशक्त करते हुए देर शाम चीता को ट्रैंकूलाईज कर वापस मध्य प्रदेश के जंगलों में भेजा।

चीता के मध्य प्रदेश स्थित कूनो सफारी पार्क से करौली पहुंचने की सूचना मिली थी वन विभाग के अधिकारियों का कहना था कि चीता को पकड़कर वापस कूनो पहुंचाया गया है। सिमारा गांव निवासी केदार मीणा ने बताया कि प्रात: जब कुछ ग्रामीण खेतों पर जा रहे थे तो उन्होंने एक जंगली जानवर को देखा। जंगली जानवर को देखकर वो डरकर वापस गांव में आ गए और अन्य ग्रामीणों को भी जानकारी। इसके बाद मौके पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जमा हो गई। ग्रामीणों ने वन विभाग और पुलिस को भी जंगली जानवर के क्षेत्र में आने की सूचना दी। सूचना पर वन विभाग करौली और मध्य प्रदेश की टीम तथा पुलिस दल भी सिमरा गांव पहुंचा पुलिस ग्रामीणों को चीता से पर्याप्त दूरी बनाए रखने में दिन भर जुटी रही। वहीं देर शाम वन विभाग की टीम ने चीता को ट्रेंकुलाइज कर वापस कूनो पहुंचाया है। करौली वाइल्डलाइफ उपवन संरक्षक पीयूष शर्मा ने बताया कि किसी जानवर के सिमारा गांव में पहुंचने की सूचना मिली थी। सूचना पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची जानवर की पहचान नर चीता के रूप में हुई।

करौली के निकट सिमारा गांव में आये चीता को टेकूलाईज कर वापस मध्य प्रदेश भेजा।

कैचमेन्ट एरिया में अतिक्रमण से पानी की आवक में आई कमी

जैसलमेर, (नि.सं.)। पाकिस्तान भारत एक था उसी दौरान जैसलमेर रियासत में अपना व्यवसाय चलाने वाले माहेश्वरी डांगरा परिवार बद्रीप्रसाद, नन्दकिशोर और अचलदास डांगरा के पूर्वजों द्वारा 209 वर्ष पूर्व चेत्र शुक्ला त्रयोदशी संवत 1872 में बांधा में गिरधारी की तलायी का निर्माण करवाया गया। पिछले 209 वर्ष से बांधा एरिया के रहवासियों और मवेशी के जल पीकर प्यास बुझाने का स्त्रोत्र गिरधारी की तलाई है। तलाई का घाट 2014 में मनरेगा के अंतर्गत बांधा पंचायत द्वारा बनवाया जा चुका है तलाई के मध्य खेजड़ी के दो विशाल पेड़ है। पिछले कुछ वर्षों से गिरधारी तलाई के कैचमेन्ट एरिया में अतिक्रमण बढ़ ने से बरसाती पानी का मार्ग बंद होने लगा है उसी वजह से वर्तमान में तलाई में पानी की कमी है। सरहद पर बसे शाहगढ़, बांधा, खुईयाला की मवेशी को पेयजल की समस्या होने लगी है। उपनिवेशन विभाग और जिला प्रशासन को गिरधारी तलाई के कैचमेन्ट एरिया में हो रहे अतिक्रमण को हटाने की कार्यवाही करनी चाहिये ताकि एरिया में पानी की समस्या से 365 दिन निजात मिल सके।

रेगिस्तान में कमरे को बना दिया कश्मीर, खिला दिए केसर के फूल

बीकानेर में एक युवा किसान सुनील जाजड़ा ने अनोखा प्रयोग कर फसल उगाई

बीकानेर, (कासं)। कश्मीर जैसे ठंडे प्रदेश की फसल केसर अब यहां भी उगने लगी है। दरअसल बीकानेर में एक युवा किसान सुनील जाजड़ा ने अनोखा प्रयोग कर केसर की फसल को उगाया। अब वे लाखों रुपए का मुनाफा कमा रहे हैं। उन्होंने एयरोपोनिक्स तकनीक से तैयार किए गए एक कमरे में ही केसर को उगा दिया।

सुनील ने बताया कि उन्होंने करीब 6 लाख रुपए का निवेश किया था। हालांकि ये सभी निवेश स्थाई सामान पर था। ऐसे में अब उन्हें और खर्ची करने की जरूरत नहीं रही। उन्होंने बताया कि पहली बार बीज खरीदकर लाने पड़े थे। अब वे भी नहीं लाने पड़ेंगे, बल्कि कई गुना बीज हर साल तैयार होते रहेंगे। अब सिर्फ एयरोपोनिक्क तकनीक के तैयार किए कक्ष में तापमान और आवश्यक नमी मेंटेन रखने और फूलों को खिलने के लिए जरूरी यूवी (अल्ट्रावॉयलेट) रोशनी पर खर्च होने वाली बिजली ही लगेगी। ऐसे में एक कमरे में सालाना करीब दस लाख रुपए तक आय होने लगी।

स्नातकोत्तर तक शिक्षित और किसान के बेटे सुनील जाजड़ा बीकानेर के चोपड़ाबाड़ी, गंगाशहर क्षेत्र में रहते हैं। अप्रेल 2020 में लॉकडाउन के दौरान उनका टायरों का शोरूम बंद हो गया, तब एक वीडियो देख केसर की खेती करने का विचार आया। साल 2021 में श्रीनगर गए। वहां केसर की खेती देखी और कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से बात की। फिर चार-पांच बार श्रीनगर जाकर किसानों से केसर की खेती के लिए तापमान और नमी की जानकारी जुटाई और बीकानेर आकर खेती शुरू की।

सुनील ने आईटी एक्सपर्ट सुनील पाणेचा की मदद से कमरे में श्रीनगर जैसा क्लाइमेट तैयार किया। चिंलिंग प्लांट, दीवारों पर थर्माकोल लगाकर कक्ष में लकड़ी के फ्रेम बनाए। इस तरह तीन साल की पूरी तैयारी के बाद अगस्त 2023 में कश्मीर से केसर के पौधे की बल्बनुमा जड़ यहां लाकर कक्ष में रखी। इसके बाद इनकी कपोल पर फूल खिलने के साथ केसर प्राप्त होनी शुरू हो गई। यह लहसुन और प्याज की तरह उग रहे हैं। सुनील अगस्त महीने में इनको निकालेंगे और एयरोपोनिक तकनीक से तैयार वातानुकूलित कक्ष में ट्रे में रख देंगे। जहां फूलों को खिलाने के लिए यूवी रोशनी के लिए एलईडी भी लगी है। कक्ष में सितम्बर और अक्टूबर में रहने के बाद नवम्बर में केसर के फूल खिल जाएंगे।

राशिफल रविवार 5 मई, 2024

पंडित अनिल शर्मा

वैशाख मास, कृष्ण पक्ष, द्वादशी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2081, उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र रात्रि 7:57 तक, वैद्यृति योग प्रात: 7:36 तक, कौलव करण प्रात: 7:10 तक, चन्द्रमा आज मीन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मेष, चन्द्रमा-मीन, मंगल-मीन, बुध-मीन, गुरू-वृष, शुक्र-मेष, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज राजयोग सूर्योदय से सांय 5:42 तक है। सर्वार्थ सिद्धि योग सूर्योदय से रात्रि 7:57 तक है। आज प्रदोष व्रत, वैद्यृति पूण्यं, पंचक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 7:28 से 9:06 तक, लाभ-अमृत 9:06 से 12:23 तक, शुभ 2:02 से 3:40 तक।

राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 5:49, सूर्यास्त 6:58

मेष
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण बाहर जाना पड़ सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

सिंह
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा में परेशानी हो सकती है।

धनु
घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है। पारिवारिक खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी।

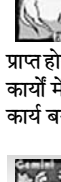

वृष
आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। महत्वपूर्ण कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। यात्रा शुभ रहेगी।

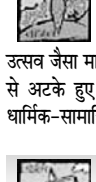

कन्या
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिजनों के सहयोग से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

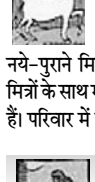

मकर
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज नये-पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। मित्रों के साथ मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। परिवार में शुभ कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

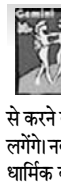

मिथुन
अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्यों को उचित सफलता मिलेगी। धार्मिक कार्यों पर धन खर्च हो सकता है।

तुला
अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। स्वास्थ्य में सुधार होगा। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

कुंभ
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता से मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आज परिवार में धार्मिक-मांगलिक आयोजन हो सकते हैं।

कर्क
धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। महत्वपूर्ण कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी।

वृश्चिक
परिजनों के व्यवहार के कारण दु:ख हो सकता है। आवश्यक कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

मीन
महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या से राहत मिल सकती है। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

बीकानेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 45 संख्याः 283 प्रभात बीकानेर, रविवार 5 मई, 2024 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रू.

ऐतिहासिक वृत्तांतों में, अब विलुप्त हो चुके कैलिफोर्निया ग्रिज़ली भालुओं को अक्सर, ऐसे विशालकाय व खून के प्यासे जंगली जानवरों की तरह दर्शाया जाता था, जो हमेशा मनुष्य व मवेशियों पर हमला करने को तत्पर रहते थे। लेकिन, वैज्ञानिकों का कहना है कि, वास्तविकता शायद इतनी नाटकीय नहीं थी। प्रोसीडिंग्स ऑफ द रॉयल सोसाइटी जर्नल में प्रकाशित एक पेपर के अनुसार, ग्रिज़ली भालू अधिकतर वैजिटेरियन डाइट खाते थे और जितना बताया जाता है, उससे साइज़ में काफी छोटे थे। एक समय कैलिफोर्निया में बड़ी संख्या में पाए जाने वाले ग्रिज़ली भालू उस समय संकट में आये जब यूरोप और फिर अमेरिका से लोगों ने यहाँ बसना शुरु किया। इन लोगों ने भालुओं के प्राकृतिक आवास क्षेत्रों को खत्म करना और विखंडित करना शुरु कर दिया। साथ ही ये लोग अक्सर भालुओं का शिकार करते और इन्हें ट्रैप करते थे। क्योंकि उन्हें डर था कि, भालू उनके मवेशियों को खा जाएंगे। समय के साथ, इन्सानी गतिविधियों के कारण, कैलिफोर्निया ग्रिज़ली भालुओं की आबादी में भारी कमी आ गई। आखिरी बार कैलिफोर्निया ग्रिज़ली भालू सौ साल पहले, वर्ष 1924 में नज़र आया था और उसके कुछ समय बाद ये पूरी तरह गायब हो गए। शोधकर्ता इन भालुओं की विलुप्ती के कारणों के साथ-साथ इनके व्यवहार, साइज़ और डाइट के बारे में जानना चाहते थे। इसके लिए उन्होंने अभिलेखीय दस्तावेजों के साथ-साथ नैचुरल हिस्ट्री कलैक्शन के ग्रिज़ली नमूनों का अध्ययन किया। भालुओं के शरीर के आकार का अंदाज़ लगाने के लिए इनकी खोपड़ी और दांतों को नापा तथा रसायनिक तत्वों का पता लगाने के लिए इनकी हड्डियों व खाल का विश्लेषण किया। रसायनिक अध्ययन से वैज्ञानिक भालुओं की डाइट के बारे में पता लगाना चाहते थे। अध्ययन में सामने आया कि सौ साल पहले के कैलिफोर्निया ग्रिज़ली भालू का साइज़ आज के भालुओं जैसा ही था, ये लगभग 400 पाउण्ड के थे, जो कि उस समय के वृतांतों के 2000 पाउण्ड से बहुत कम हैं। साथ ही, इनकी हड्डियों व खाल की रासायनिक जांच से सामने आया कि, ये जानवर, 1542 में यूरोपियन्स के आने से पहले व बाद में, मुख्य रुप से पौधे खाते थे। यह बात भी उस धारणा के विपरीत है कि, सौ साल पहले कैलिफोर्निया ग्रिज़ली भालू भयावह और मांसभक्षी थे।

स्पैशल इन्वैस्टिगेशन टीम ने पहली गिरफ्तारी की कर्नाटक सीरियल रेप प्रकरण में

सीरियल रेपिस्ट प्रज्वल रैवन्ना के पिता एच.डी. रैवन्ना को उनके पिता पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा के घर से स्पैशल इन्वैस्टिगेशन टीम (एस.आई.टी.) ने गिरफ्तार किया

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 मई। हासन लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के प्रत्याशी प्रज्वल के पिता एच.डी. रैवन्ना की एक रेप पीड़िता के अपहरण में कथित संलिप्तता के आरोप में आज शाम गिरफ्तारी हुई। केन्द्र में सत्तारूढ़ भाजपा के लिए गिरफ्तारी का इससे बुरा कोई समय नहीं हो सकता, क्योंकि कर्नाटक की शेष 14 लोकसभा सीटों के लिए 7 मई को वोटिंग है। बताया जाता है कि, कथित सीरियल रेपिस्ट प्रज्वल रैवन्ना जर्मनी भाग गया है। एक स्थानीय कोर्ट द्वारा उनके पिता एच.डी. रैवन्ना की अग्रिम जमानत याचिका निरस्त किए जाने के कुछ मिनट बाद उन्हें उनके पिता एवं पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा के आवास से गिरफ्तार कर लिया गया।

- **एक 20 वर्षीय युवक ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि, उसकी मां, जो रैवन्ना के निवास पर, आया का काम करती थी, अचानक गायब हो गयी थी तथा उस युवक का मानना था कि, उसकी मां का अपहरण किया है।**
- **जैसा कि विदित ही है, कर्नाटक में द्वितीय चरण के मतदान से ठीक पहले प्रज्वल रैवन्ना द्वारा कई महिलाओं का यौन शोषण करने व उनका दुष्कर्म करने के वीडियो उजागर होना जद (एस) व भाजपा को भारी पड़ सकता है, कर्नाटक में ही नहीं बल्कि पूरे देश में।**
- **प्र.मंत्री मोदी द्वारा प्रज्वल रैवन्ना के चुनावी मंच से यह कहने, कि रैवन्ना को वोट देकर आप मुझे मजबूत करें, का वीडियो भी वायरल हो रहा है। भाजपा की स्थिति काफी अटपटी हो गयी है तभा भाजपा द्वारा इस रेप के मुताल्लिक, कोई स्पष्टीकरण देना कुछ मायने नहीं रखता।**

जद (एस) के विधायक एच.डी. रैवन्ना को पुलिस की स्पेशल इन्वैस्टिगेशन टीम ने उनके विरूद्ध दर्ज अपहरण के एक केस में गिरफ्तार किया।

एच.डी. रैवन्ना को जिस केस में गिरफ्तार किया गया है, वह एक 20 वर्षीय युवा की मां के कथित अपहरण से संबंधित है। इस युवा ने पुलिस में शिकायत की थी कि, रैवन्ना परिवार के फार्म हाउस में एक हाउस मेड के रूप में कार्य करने वाली उसकी मां लापता है। सीनियर रैवन्ना का संकट बढ़ता जा रहा है क्योंकि जो केस दर्ज किया गया है वह भारतीय दण्ड संहिता की धारा 364 ए (अपहरण) और धारा 365 (जबरन बंधक बनाना) के तहत दर्ज किया गया है और ये दोनों ही धाराएं गैर ज़मानती हैं।

रैवन्ना व अन्य द्वारा विभिन्न आयु वर्ग की अनेक महिलाओं के कथित बलात्कार व हमलों का खौफनाक व चौंकाने वाले केस का विस्फोट लोकसभा चुनावों के बीचों बीच हुआ है। और केवल कर्नाटक ही नहीं बल्कि देश भर में यह जद (एस) व भाजपा को भी जद (एस) से संबंध होने के कारण अवश्य ही झुलजाएगा। क्योंकि, सोशल मीडिया ने इस भयानक केस को देश के कोने-कोने में पहुँचा दिया है।

सत्तारूढ़ भाजपा के लिए एक भारी समस्या यह साबित हो रही है कि, वो कांग्रेस पर इसका दोष नहीं मढ़ पा रही है। भाजपा का कहना है कि, कांग्रेस को भी इन वीडियो के बारे में पता था और उसने इस पर कोई कार्यवाही नहीं की। लेकिन भाजपा की यह बात उसे इस बात से बरी नहीं करती है कि, रैवन्ना जैसे अपराधी से उसका निकट संबंध था।

भाजपा ने ना केवल बलात्कार के मामलों और सभी वीडियो की मौजूदगी को नज़रअंदाज किया बल्कि अपने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अपना मुस्लिम वोट बैंक खिसकता देख ममता बनर्जी बौखलायीं

ममता बनर्जी ने संदेशखाली प्रकरण को भाजपा द्वारा रचित व प्रस्तुत नाटिका बताया

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 मई। हर तरफ से घिरी हुई, तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी ने अब चुनावी लाभ उठाने के लिए "स्कैण्डल" गढ़ने शुरु कर दिए हैं। वो आरोप लगा रही हैं कि, संदेशखाली में हुई नीचतापूर्ण घटनाएं, सब ड्रामा थीं, जिन्हें सोच समझकर रचा गया था।

एक बार फिर, अचानक ही राज भवन की एक महिला कर्मचारी ने आरोप लगाया कि, राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस ने उसका यौन शोषण किया है। राज्य पुलिस की एक टीम शीघ्रता से बिना समय गंवाए आरोपों की जाँच करने राजभवन पहुँच गई।

महिला कर्मचारी ने दावा किया कि, उसे राज्यपाल के खिलाफ हज़ारों शिकायतें मिली हैं। उसने कहा कि, राज्यपाल चुनावी क्षेत्रों के दौरे कर रहे हैं और नौकरी से हटाए गए शिक्षकों की तरफदारी कर रहे हैं।

- **और अब अचानक ही राजभवन में कार्यरत महिला कर्मचारी ने राज्यपाल आनंद बोस पर यौन उत्पीड़न का मामला दर्ज कराया।**
- **तथा आनन-फानन में पुलिस की एक टीम तत्परता से राजभवन पहुंच गई, यौन उत्पीड़न के मामले की तहकीकात करने।**
- **राज्यपाल की शायद गल्ती यह थी कि, उन्होंने संदेशखाली व अन्य स्थानों पर चुनाव क्षेत्र की यात्रा की और जमीनी हालत की जानकारी लेने का प्रयास किया।**

ममता बनर्जी ने अब दावा किया है कि, संदेशखाली की संपूर्ण घटना भाजपा द्वारा लिखी गई पटकथा के अनुसार घटी थीं। उन्होंने इस बात से इन्कार किया है कि, इस क्षेत्र में उनकी पार्टी के लोगों ने कोई गलत काम किया है। उनका कहना है कि, भाजपा के लोगों ने जमीनें हथियाने और महिलाओं के उत्पीड़न के बारे में बातें फैलाई हैं।

ममता आने वाले समय में बिगड़ते हुए राजनीतिक माहौल को महसूस कर रही हैं और भविष्य की संभावनाओं के संकेत समझते हुए वे मतदाताओं को धमकाए जाने तथा कम मतदान आदि की शिकायत कर रही हैं। उन्होंने चुनाव आयोग की मिली भगत का आरोप भी लगाया था।

जमीनी वास्तविकता यह है कि, मुस्लिम मतदाताओं का उनका वफादार वोट बैंक अब उनके खिलाफ हो गया है। मुसलमान अब खुले आम यह कहकर तृणमूल सुप्रीमो की आलोचना कर रहे हैं कि, उन्होंने अल्पसंख्यकों को "फुटबॉल" की तरह इस्तेमाल किया है। ममता द्वारा मुसलमानों जैसे कपड़े पहनने और मुसलमानों की सभा में कुछ मुस्लिम आयतें पढ़ने जैसे उनके व्यवहार की मुसलमान खुले आम आलोचना कर रहे हैं, क्योंकि, साथ-साथ ही वे मुस्लिम लड़कों को जेल और मौत की तरफ धकेल रही हैं।

अल्पसंख्यकों के वोट बंटने के कारण ममता बनर्जी डांवाडोल स्थिति में हैं और बचाव की मुद्रा में आ गयी हैं। ऐसा लगता है कि, विभिन्न खतरे सामने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रायबरेली में राहुल के मुकाबले दिनेश प्रताप सिंह

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 मई। भाजपा ने रायबरेली से राहुल गांधी से मुकाबले के लिए उत्तर प्रदेश के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह को चुनाव मैदान में उतारा है। उन्होंने वर्ष 2019 में सोनिया गांधी के खिलाफ रायबरेली से लोकसभा चुनाव

- **भाजपा ने राहुल गांधी के सामने दिनेश प्रताप सिंह को मैदान में उतारा है, जो पूर्व कांग्रेसी हैं।**

लड़ा था, जिसमें वह सोनिया गांधी की जीत के वोटों का अन्तर कम करने में सफल रहे थे।

दिनेश रायबरेली निर्वाचन क्षेत्र के कांग्रेसी सदस्यों से भली भांति परिचित हैं क्योंकि वह वर्ष 2018 तक स्वयं कांग्रेस में थे। वह उत्तर प्रदेश विधान परिषद में लगातार तीसरी बार सदस्य बने हैं। वर्ष 2019 में उन्हें 39.36 प्रतिशत वोट मिले थे जबकि सोनिया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

तीसरे चरण की वोटिंग, आज अयोध्या के राम मंदिर जायेंगे मोदी

2019 के आम चुनाव की प्रक्रिया के बाद प्र.मंत्री मोदी की यह छठी यात्रा होगी अयोध्या की

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 मई। तीसरे दौर के मतदान से पहले, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बहुसंख्यक हिन्दू मतदाताओं तक अपनी पहुंच बनाने के प्रयास के तहत वे एक बार पुन: 5 मई को धार्मिक शहर अयोध्या का दौरा करेंगे। प्रधानमंत्री के अयोध्या दौरे को लेकर अभी उनकी यात्रा के विस्तृत कार्यक्रम की प्रतीक्षा है, ऐसी संभावना है कि, मोदी राम मंदिर वाले शहर में एक रोड शो करेंगे, उस समय वे एस.यू.वी. वाहन में शहर भर में घूमेंगे और वे वहां जनसभा नहीं करेंगे। प्रधानमंत्री की इस यात्रा से फैजाबाद के मौजूदा सांसद, लल्लू सिंह सहित आसपास के जिलों से पार्टी के उम्मीदवारों को भी लाभ होने की संभावना है।

- **मोदी रविवार को तीन बजे इटावा पहुंचेंगे और फिर धौरहरा लोकसभा क्षेत्र में जायेंगे तथा शाम सात बजे राम मंदिर दर्शन हेतु अयोध्या पहुंचेंगे।**
- **वे अयोध्या में एक एस.यू.वी. में रोड शो करेंगे पर आम सभा का आयोजन नहीं किया गया है।**
- **भाजपा को आशा है कि, प्र.मंत्री की अयोध्या यात्रा से यू.पी. के शेष बचे चरणों के मतदान पर अच्छा प्रभाव पड़ेगा। ऐसा महसूस किया जा रहा था कि, राम मंदिर के निर्माण से प्रज्ज्वलित उत्साह की शक्ति कुछ कमज़ोर पड़ने लगी और अब प्र.मंत्री की अयोध्या यात्रा इस अग्नि को फिर जोर-शोर से प्रज्ज्वलित करने में घी की आहूति का काम करेगी।**

विशाल "प्राण प्रतिष्ठा" महोत्सव में केन्द्रीय मंत्री व अनेक मुख्यमंत्रियों सहित भारी तादाद में भाजपा नेता मौजूद थे। पर्यवेक्षकों का कहना है कि, इस बार के चुनावों में भाजपा की हिन्दुत्व की अपील उस स्तर पर प्रतिध्वनित नहीं होगी जिस स्तर पर पहले हुई थी। पर भाजपा नेताओं को भरोसा है कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दिल्ली में आप के तीन प्रत्याशियों ने नामांकन भरा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 मई। आम आदमी पार्टी (आप) के तीन प्रत्याशियों ने 25 मई को दिल्ली में होने वाले लोकसभा चुनावों के लिए शनिवार को रोड शो के जरिए नामांकन पत्र दाखिल करने पहुंचे।

- **नामांकन भरते समय आप ने अपनी ताकत दिखाने के लिए रोड शो किया, जिसमें कांग्रेस ने भी शिरकत की।**

इस मौके पर रोड शो किया गया इसमें समर्थन प्रदर्शित करने के लिए कांग्रेस व आप दोनों पार्टियों के कार्यकर्ता शामिल हुए, यह एक तरह से इंडिया अलायंस का विशाल प्रदर्शन था। दिल्ली में सोमवार तक नामांकन पत्र दाखिल किया जा सकेगा।

सोमनाथ भारती (49 वर्ष) ने उनका नामांकन पत्र नई दिल्ली

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कांग्रेस कर्नाटक के सीरियल रेप प्रकरण को पूरी तरह दुह रही है चुनाव में

राहुल गांधी ने कर्नाटक के मु.मंत्री को पत्र लिखा कि, सीरियल रेपिस्ट प्रज्वल रैवन्ना को कठोरतम दण्ड मिलना चाहिए

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 मई। कर्नाटक की शेष 14 लोकसभा सीटों के लिए 7 मई को होने जा रहे मतदान के द्वितीय एवं अंतिम चरण से पूर्व कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रज्वल रेवन्ना रेप काण्ड का मुद्दा प्रमुखता से उठाते हुए मुख्यमंत्री एस. सिद्धारमैया को निर्देश दिए कि पीड़िताओं को आसन्न खतरे की खबरों के मद्देनज़र उनको तुरन्त प्रभाव से हर संभव सहायता दी जाए। मीडिया में पहले ये खबरें आ चुकी हैं कि पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा के पौत्र प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ औपचारिक शिकायत दर्ज कराने वाली महिला गायब है। आशंका है कि उसका अपहरण कर लिया गया है।

राहुल गांधी ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री को एक पत्र लिखकर उनसे अनुरोध किया कि वह इस घृणित अपराध के जिम्मेदार सभी लोगों का न्याय के कटघरे में खड़ा होना सुनिश्चित करे। केन्द्र की भाजपा सरकार के राज में महिलाओं के विरूद्ध हो रहे कथित अत्याचार के मुद्दे पर अपने प्रहार का दायरा विस्तृत करते हुए राहुल ने कहा कि हरियाणा की महिला पहलवानों से लेकर मणिपुर की बहनें तक इसका खामियाजा भुगत रही हैं। राहुल ने इस पर दु:ख प्रकट किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस तरह के अपराधियों का समर्थन किया।

- **राहुल गांधी ने पत्र में यह भी लिखा कि, चाहे भारतीय महिला कुश्ती टीम के सदस्यों के यौन शोषण का मामला हो या मणिपुर में हमारी बहिनों पर हुए बलात्कार व उनके अत्याचारों का प्रकरण हो और अब कर्नाटक में भाजपा के चुनावी गठबंधन के एक साथी व लोकसभा चुनाव के उम्मीदवार प्रज्वल रैवन्ना द्वारा सैकड़ों महिलाओं का कई सालों तक यौन शोषण व बलात्कार का प्रकरण है, प्र.मंत्री मोदी की चुप्पी बहुत शर्मनाक बात है।**

राहुल गांधी ने अपने पत्र में कहा कि "राजनीति के मेरे दो दशकों के करियर में मैंने ऐसा एक भी सीनियर जन प्रतिनिधि नहीं देखा जिसने महिलाओं पर हो रहे अनकहे अत्याचारों पर निरंतर चुप्पी साधे रखना बेहतर समझा हो।

राहुल के पत्र में कहा गया है कि सत्तारूढ़ भाजपा की सहयोगी जे.डी. (एस.) के प्रत्याशी एवं हासन सांसद "प्रज्वल रेवन्ना ने कई सालों तक कई महिलाओं का यौन उत्पीड़न किया और उसकी फिल्म भी बनायी। हमारी मां-बहनों के साथ कुकृत्य करने की कठोरतम सजा मिलनी चाहिए।"

"मुझे यह जानकर बड़ी हैरानी हुई है कि जी. देवराजे गौड़ा ने दिसम्बर 2023 में हमारे गृह मंत्री अमित शाह को प्रज्वल रेवन्ना की हरकतों के बारे में सूचित कर दिया था, खासतौर से यौन हिंसा के उनके इतिहास और उनके द्वारा फिल्माए गए सभी वीडियो के बारे में।"

भाजपा नेता देवराजे गौड़ा ने प्रज्वल के पिता एच.डी. रेवन्ना के खिलाफ वर्ष 2023 में होलीनारासिपुरा विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़कर जीत हासिल की थी।

राहुल ने कहा कि "अधिक हैरानी की बात तो यह है कि इतने वीभत्स आरोप लगने के बावजूद भाजपा के शीर्ष नेतृत्व प्रधानमंत्री ने इस सीरियल रेपिस्ट के लिए चुनाव प्रचार किया। राहुल ने एक और अधिक गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि केन्द्र सरकार ने जानबूझकर प्रज्वल को भारत से भागने दिया ताकि इस मामले की कोई अर्थपूर्ण जाँच ना की जा सके।"

मुख्यमंत्री को राहुल गांधी का पत्र शुक्रवार को मिला। यह वो दिन था जब हासन जिला पंचायत के एक पूर्व सदस्य ने प्रज्वल के खिलाफ दूसरी एफ.आई.आर. दर्ज करवायी थी। इस केस से देश स्तब्ध रह गया है और यह दूरस्थ पश्चिम बंगाल के वोटर्स को भी आंदोलित कर रहा है, जहाँ संदेशखाली में भाजपा ने महिलाओं के खिलाफ अपराधों को एक बड़ा मुद्दा बनाया था। प्रज्वल के पिता एच.डी. रेवन्ना के खिलाफ भी अपहरण का केस दर्ज किया गया है। एफ.आई.आर. के अनुसार प्राइवेट वीडियो में जिस कथित महिला का फिल्मांकन किया गया था, बताया जाता है कि विधायक के साथियों ने उसका अपहरण कर लिया है।

इस केस की गुत्थी सुलझाने के लिए कर्नाटक सरकार द्वारा गठित स्पेशल इन्वैस्टिगेशन टीम (एस.आई.टी.) ने एच.डी. रेवन्ना के घर का मौका-मुआयना किया है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अरविन्दर सिंह लवली की भाजपा में वापसी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 मई। अरविन्दर सिंह लवली (55) दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने के कुछ दिन बाद शनिवार को भाजपा में लौट आए। केन्द्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी की

- **कांग्रेस छोड़ने के कुछ दिन बाद ही अरविन्दर सिंह लवली ने चार अन्य पूर्व कांग्रेसी नेताओं के साथ भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली।**

उपस्थिति में कांग्रेस के चार पूर्व नेता भी उनके साथ भाजपा में शामिल हुए। लवली वर्ष 2017-18 में भाजपा में थे, लेकिन इससे पहले वह वर्ष 1998 से 2017 तक और फिर 2018 से 2024 तक कांग्रेस में रहे।

अरविन्दर लवली ने कांग्रेस और इण्डिया गठबंधन की सहयोगी आम

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सी.आई.डी. स्पेशल ब्रांच टीम को बंधक बनाकर मारपीट की

संदिग्ध आरोपी को पकड़ने सादा कपड़ों में पहुंची टीम को ग्रामीणों ने घेरकर हमला किया

भुसावर, (निसं)। भरतपुर जिले के भुसावर में शनिवार को सी.आई.डी. स्पेशल ब्रांच की टीम के साथ बंधक बनाकर मारपीट की गई। संदिग्ध आरोपी को पकड़ने सादा कपड़ों में पहुंची टीम की गाड़ी को आरोपी के परिजन और ग्रामीणों ने चारों तरफ से घेर लिया फिर लाठी सरियों से हमला कर दिया।

ग्रामीणों ने गाड़ी को आग लगाने का प्रयास किया। हालात देखकर गाड़ी भगाने का प्रयास किया तो लोग सामने खड़े हो गए। टीम पर ताबड़तोड़ वार किया काफी देर तक मिन्नतें करने के बाद मामला शांत हुआ। टीम में शामिल 4 सदस्यों में से एक का सर फूट गया वहीं एक घायल हो गया। घटना की जानकारी मिलने पर भुसावर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और सीआईडी की टीम को ग्रामीणों के चंगुल से छुड़वाया। इस मामले में पुलिस ने आरोपी के घर से एक महिला को हिरासत में लिया है।

थानाधिकारी सुनील कुमार गुप्ता ने बताया कि इस मामले में टीम के पुलिस निरीक्षक रूपनारायण मीणा ने थाना भुसावर पर दर्ज करवायी रिपोर्ट में बताया है कि सीआईडी स्पेशल ब्रांच जॉन भरतपुर टीम उच्च अधिकारियों के निर्देश पर गॉव पथैना में संदिग्ध संजय सिंह उर्फ संजू की तस्दीक करने पहुंची। जहां मुखबिर के जरिये संदिग्ध की पहचान कर संदिग्ध के पास पहुंचकर टीम द्वारा स्वयं की पहचान बतायी गई और जांच में पूर्ण सहयोग किये जाने को लेकर हिदायत दी। जिस पर गांव पथैना के प्रदीप, चन्द्रशेखर, रामश्री व अनीषा, मनीषा पत्नी चन्द्रशेखर, चिकू, सतवीर सहित 8 से 10 लोगों ने आकर लाठी डण्डों के दम पर घेरते हुए मारपीट शुरू कर दी। जहां प्रदीप ने लोहे के सरिये से गाडी के चालक राधे को जान से मारने की नीयत से सिर पर वार कर घायल कर दिया।

भुसावर पुलिस ने सीआईडी टीम को ग्रामीणों के चंगुल से छुड़वाया।

- ग्रामीणों ने गाड़ी को आग लगाने का प्रयास किया
- टीम में शामिल 4 सदस्यों में से एक का सिर फूट गया वहीं एक घायल हो गया

वहीं एक टीम सदस्य कांस्टेबल केहरी सिंह की शर्ट फाड दी। टीम की आबाज सुनकर गॉव के अन्य लोग मौके पर पहुॅचे और बचाया तो आरोपी मौके से फरार हो गये। वहीं सूचना मिलते ही सीओ धर्मेन्द्र शर्मा एवं थानाधिकारी सुनील कुमार गुप्ता मय जाप्ता मौके पर पहुॅचे और घायलों को हॉस्पीटल लाकर मेडीकल करवाया।

जनजाति मंत्री खराड़ी को जान से मारने की धमकी देने पर संगठनों ने जताया आक्रोश

उदयपुर, (कासं)। जनजाति मंत्री बाबूलाल खराड़ी को सोशल मीडिया पर अज्ञात बदमाशों की और जान से मारने की धमकी देने पर विभिन्न संगठनों ने आक्रोश व्यक्त किया है तथा आरोपियों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की मांग की है। घटना के विरोध में शनिवार को कोटड़ा और झाडोल के बाजार भी बंद रहे।

राजस्थान सरकार के जनजाति मंत्री बाबुलाल खराड़ी को सोशल मीडिया पर अज्ञात बदमाशों की और जान से मारने की धमकी दी गई है।यह दूसरी बार हुआ है और यह इसलिये भी अत्यधिक चिंताजनक है क्योंकि यह धमकी इस आदिवासी अंचल में धर्मांतरण से जुडे व आदिवासी संस्कृति को सुनियोजित तरीके से समाप्त करने का प्रयास कर रहे कुछ अराष्ट्रीय व अराजक तत्वों की ओर से दी गई है।

- घटना के विरोध में शनिवार को कोटड़ा और झाडोल के बाजार बंद रहे

ग्रामीण विधायक फूल सिंह मीणा ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को प्रेषित ज्ञापन में लिखा कि झाडोल विधानसभा क्षेत्र से विधायक बाबूलाल खराडी उदयपुर जिले के दुर्गम आदिवासी क्षेत्र कोटड़ा से है। यहां से पहली बार किसी आदिवासी विधायक को राजस्थान सरकार में जनजाति विकास विभाग का मंत्री बनाने का गौरव प्राप्त हुआ है। मंत्री बनने के बाद से खराडी की ओर से आदिवासी समाज को धर्मांतरण कराने में लिप्त असामाजिक तत्वों के खिलाफ मुखर अभियान चलाया जा रहा है। इससे बौखला कर कुछ समाज कंटकों ने मंत्री बाबुलाल खराडी को आदिवासी समाज को हिन्दु समाज से जोड़े रखने सम्बन्धी मुद्दे से हटने की धमकी देने का कुकृत्य किया गया है। और ऐसा न करने पर उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी है।

ग्रामीण विधायक ने मुख्यमंत्री से आठाह किया कि इस तरह के अपराध में लिप्त सभी अपराधियों को तत्काल गिरफ्तार किया जाए।भाजपा मीडिया प्रभारी चंचल कुमार अठावाल ने बताया कि ग्रामीण विधायक की फूल सिंह मीणा ने इसकी प्रति पुलिस महानिरीक्षक को भी प्रेषित की है। भाजपा उदयपुर ने भी खराड़ी को धमकी देने की की निंदा की है।कैबिनेट मंत्री बाबूलाल खराड़ी को अराजक एवं असामाजिक तत्वों द्वारा लगातार धमकियां देने पर भारतीय जनता पार्टी उदयपुर ने भी चिंता व्यक्त की है उन्होंने भी राज्य सरकार से मांग की है कि बाबूलाल खराड़ी की सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता की जाएं।

भाजपा शहर जिलाध्यक्ष रवींद्र श्रीमाली, देहात जिला अध्यक्ष चंद्रगुप्त सिंह चौहान,भाजपा जिला प्रभारी, बंशीलाल खटीक, लोकसभा संयोजक एवम सहकारिता के प्रदेश संयोजक प्रमोद सामर, किरण जैन,गजपाल सिंह राठौड़, मनोज मेघवाल देहात जिला महामंत्री दीपक शर्मा, प्रदेश कार्य समिति सदस्य दिनेश भट्ट, युधिष्ठिर कुमावत, आदि ने कैबिनेट मंत्री बाबूलाल खराड़ी को धमकी देने की निंदा करते हुए अपराधियों को गिरफ्तार कर कठोर दंड देने की मांग की है।

'देश का युवा बुद्धिमत्ता का लोहा मनवा रहा'

जयपुर, (कासं)। विधानसभा में पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने हैदराबाद के मलकजगिरी लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी ईटाला राजेन्दर के समर्थन में मलकजगिरी के उप्पल में युवा सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन में भारत के युवाओं ने अपनी ताकत व सामर्थ्य से देश की तकदीर और तस्वीर दोनों ही बदली हैं। आज देश का युवा विश्व में अपनी बुद्धिमत्ता का लोहा मनवा रहा है। साथ ही आगामी दिनों में विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मलकजगिरी लोकसभा क्षेत्र में होने वाले विशाल रोड शो एवं जनसभा की तैयारियों को लेकर नामपल्ली में स्थित भाजपा तेलंगाना प्रदेश कार्यालय में आयोजित बैठक में हिस्सा लिया।

- राजेन्द्र राठौड़ ने युवा सम्मेलन को सम्बोधित किया

राठौड़ ने कहा कि भारत की 60 प्रतिशत जनसंख्या युवा है, जिनकी उम्र 35 वर्ष से कम है। युवाओं को वोट की ताकत को समझना होगा क्योंकि लोकतंत्र की मजबूती में युवाओं की अहम भूमिका है। युवा राष्ट्र प्रथम के मंत्र के साथ देशसेवा में समर्पित होकर ही विकसित भारत2047 के राष्ट्र कल्याण के लक्ष्य को साकार करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इसी आशा के साथ मोदी निरंतर देश को प्रगति पथ की ओर अग्रसर कर रहे हैं।

कुएं में पैंथर का 7 दिन पुराना शव तैरता मिला

बौंली/बामनवास, (निसं)। क्षेत्र के झनूण ग्राम पंचायत के थडी गांव के मंदिर के पास कुएं में पैंथर का 7 दिन पुराना शव तैरता मिला, जिसकी सूचना ग्रामीणों ने बौंली वन विभाग के रेंज कार्यालय में दी। सूचना पाकर वनपाल भूपेंद्र सिंह जादौन मय वन विभाग की टीम के साथ मौके पर पहुंचे एवं ग्रामीणों की सहायता से पैंथर के शव को कुएं से बाहर निकाल कर सवाई माधोपुर सामान्य पशु चिकित्सालय में ले जाकर मेडिकल बोर्ड की गठित टीम से पोस्टमार्टम करा अंतिम संस्कार कर दिया गया।

बौंली वनपाल उपेंद्र सिंह जादौन ने बताया की थडी गांव के मंदिर के पास एक कुएं में पैंथर के शव मिलने की सूचना पर मौके पर पहुंचे एवं पैंथर के शव को बाहर निकला गया। शव 7 दिन पुराना था जिससे उसके चोट व अन्य निशान नहीं दिखाई दे रहे थे। पैंथर की मौत का वास्तविक कारण जानने के लिए सवाई माधोपुर के सामान्य पशु चिकित्सालय में मेडिकल बोर्ड की गठित टीम में शामिल डॉक्टर सीपी मीना, डॉक्टर अंजली गंगवाल व डॉक्टर राजेश रोशन व सहायक फरहान खान एवं जीतू सिंह द्वारा राजस्व विभाग के गिरदावर मुकेश कुमार मीणा, सहायक उप निरीक्षक रामसहाय, पथिक लोक सेवा समिति के आवेश कुमार, सहायक वनपाल ताराचंद यादव, भरत लाल मीणा, वृक्ष पालक बाबूलाल नाई की उपस्थिति में पोस्टमार्टम के बाद पैंथर के शव का ससम्मान दाह संस्कार कर दिया गया। फॉरेस्टर भूपेंद्र सिंह ने बताया कि संभवतया पैंथर या तो शिकार के लिए छलांग लगाते समय गिर गया जिससे उसके सिर में चोट लगने से मौत हो गई या फिर किसी ने उसे मार कर डाला है। अगर पैंथर कुएं में गिरते वक्त जिंदा होता तो तीन-चार दिन तो वह आराम से तैर सकता था। इतनी क्षमता उसमें रहती है वास्तविक कारणो का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद हो सकेगा।

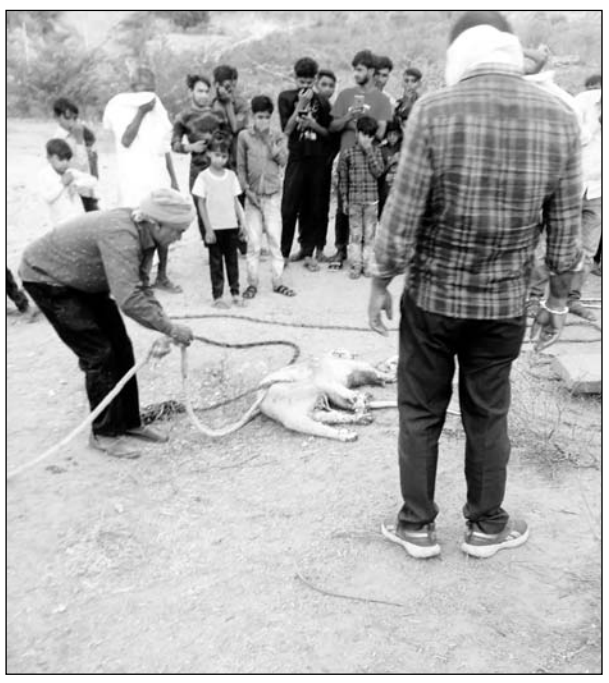

वन विभाग की टीम ने पैंथर के शव को कुएं से बाहर निकाला।

आपसी रंजिश में हिस्ट्रीशीटर की गोली मारकर हत्या

गिरफ्तारी की मांग को लेकर धरने पर बैठे ग्रामीण

हत्या के बाद परिजन शव को लेकर धरने पर बैठ गए।

हिंडौन सिटी, (निसं)। क्षेत्र के गांव रानौली में आपसी रंजिश के चलते रात्रि को दो बदमाशों ने हिस्ट्री सीटर उस्मान उर्फ अंशु फकीर की गोली मारकर हत्या कर दी। गोलीकांड की पूरी वारदात घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। हत्या के बाद परिजन शव को लेकर गांव की अथाई पर धरने पर बैठ गए पुलिस अधिकारियों की 5 घंटे की समझाईश के बाद 2 दिन में आरोपियों की गिरफ्तारी के आश्वासन पर भी मृतक युवक को सुपुर्द-ए-खाक नहीं किया गया।

उस्मान उर्फ अंशु (28) रात्रि को अपने पड़ोसी के घर गेट के पास ही खुले आसमान के नीचे सो रहा था तभी दो बदमाशों ने रात्रि लगभग 2:30 बजे सोते हुए युवक पर देसी कट्टे से फायर कर दिया। गोली सीने में लगी, जिससे वह बुरी तरह घायल हो गया गोली की आवाज सुनकर आसपास के लोग जागकर घटनास्थल पर पहुंचे इससे पहले दोनों बदमाश मौके से फरार हो गए। तत्पश्चात परिजन घायल को करौली जिला चिकित्सालय ले गए जहां चिकित्सकों ने अंशु को मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची बालघाट पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करा कर परिजनों को सुपुर्द कर दिया। उसके पश्चात आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर गांव के पंच पटेल एवं परिजन गांव की अथाई पर धरने पर बैठ गए। तत्पश्चात टोडाभीम डीएसपी मुरारी लाल मीना, बालघाट थानाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने मय जाब्ते के मौके पर पहुंच कर ग्रामीणों से समझाईश कर दो दिन में आरोपियों की गिरफ्तारी का आश्वासन दिया परंतु परिजन अंतिम संस्कार करने को राजी नहीं हुए।

- दो दिन में गिरफ्तारी के आश्वासन पर भी नहीं माने ग्रामीण

वहीं पुलिस ने हत्याकांड से संबंधित सीसीटीवी फुटेज खंगाले, सीसीटीवी फुटेज में दो बदमाश युवक पर देसी कट्टे से फायर करते नजर आ रहे हैं। पुलिस ने इस संबंध में मृतक युवक के पिता मंगती फकीर से आरोपियों की शिनाख्त करवाई। दोनों आरोपियों की पहचान हो गई। मृतक युवक के पिता मंगती फकीर ने हत्याकांड के संदर्भ में गांव के ही मुरारी पुत्र बाबू मीना एवं हरिओम पुत्र नथुआ मीना के खिलाफ नामजद प्राथमिकी देकर आपसी रंजिश के चलते हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। हत्याकांड के आरोपियों की गिरफ्तारी के संबंध में जानकारी पर टोडाभीम डीएसपी मुरारी लाल मीना ने बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की चार टीमों का गठन किया गया है जो विभिन्न संभावित स्थानों पर दबिश दे रही है। आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

इनामी बदमाश गिरफ्तार

धौलपुर, (निसं)। धौलपुर जिले की नादनपुर थाना पुलिस ने डीएसटी टीम, क्यूआरटी टीम एवं साइबर सेल के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए 55 हजार रुपये के इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया है, जो 2 साल से फरार चल रहा था। पुलिस ने जिसे खुरदिया के जंगल से गिरफ्तार किया है। जिस पर पुलिस अधीक्षक धौलपुर की ओर से 25 हजार रुपए और पुलिस महानिरीक्षक चंबल जॉन मध्य प्रदेश की ओर से 30 हजार रुपये का इनाम घोषित है। नादनपुर थाना प्रभारी राजेंद्र गिरी ने बताया कि 55 हजार रुपये के इनामी बदमाश 45 वर्षीय वीरू उर्फ वीरेंद्र उर्फ वीर सिंह पुत्र रामचरण नाई निवासी निजामपुर थाना सदर बाड़ी को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया की हेड कांस्टेबल दीनदयाल और चालक वासुदेव एवं डीएसटी टीम की सूचना पर कार्रवाई करते हुए बदमाश वीरू को खुरदिया के जंगल से गिरफ्तार किया है।

कर्मचारी की पदोन्नति में सरकार जानबूझ कर बाधा उत्पन्न नहीं करें : राजस्थान हाईकोर्ट

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधीश अरुण मोंगा ने अपने निर्णय में यह प्रतिपादित किया है कि सरकार का यह दायित्व है कि वह कर्मचारी की पदोन्नति में जानबूझकर बाधा उत्पन्न नहीं करें। उन्होंने दो रिट याचिका मंजूर करते हुए राज्य सरकार और राजस्थान चिकित्सा शिक्षा समिति को निर्देश दिए कि भूतलक्षी प्रभाव से पद्दोनति रिक्तियां घोषित कर याची डॉक्टरों को पूर्व तिथि से पद्दोन्नित,वरिष्ठता और सैद्धांतिक वेतनमान लाभ प्रदान करें।

डॉ. रीना जैन, डॉ. अभिनव पुरोहित और अन्य तीन डॉक्टर ने डिमॉन्स्ट्रेटर से सहायक प्रोफेसर तथा डॉ.गौरव कटारिया और अन्य छह सहायक प्रोफेसर ने सह प्रोफेसर पद पर पदोन्नति की रिक्तियां घोषित नहीं किए जाने को चुनौती देते हुए रिट याचिका दायर की थी। उनकी ओर से बहस करते हुए अधिवक्ता अनिल भंडारी, समीर श्रीमाली और दिनेश चौधरी ने कहा कि राज्य सरकार ने वर्ष 2017 में चिकित्सा समिति का गठन करते हुए राज्य में आठ जगह जिला अस्पतालों को मेडिकल कॉलेज में परिवर्तित किया और नियमों में 50 फीसदी पद पद्दोनति से भरे जाने का प्रावधान होने के बावजूद लगातार आठ बार विज्ञापन जारी कर सीधी भर्ती से ही पद यह कहते हुए भरे जा रहे है कि इन पदों पर पद्दोन्नित के वास्ते कोई पात्र ही नहीं है।

प्रार्थी की ओर से बहस करते हुए अधिवक्ता भंडारी और श्रीमाली ने कहा कि भर्ती नियम के खंड 24 के तहत एक साल की सेवा के बाद डिमॉन्स्ट्रेटर पद्दोन्नित के वास्ते पात्रता रखते है,लेकिन प्रतिपक्ष यह कहकर पद्दोन्नित की रिक्तियां घोषित नहीं कर रहा है कि खंड 25 के तहत चार साल की सेवा पूर्ण नहीं होने से वे एश्योर्ड करियर प्रमोशन (ए सी पी) के तहत पद्दोनति के पात्र नहीं है। उन्होंने कहा कि अंतरिम प्रार्थना पत्र के आदेश 7 सितम्बर 2021 में एकल पीठ के अन्य न्यायाधीश ने इन्हें पद्दोनत्ति का पात्र नहीं मान कर सही नहीं किया है। उन्होंने कहा कि जब वे ए सी पी की ही पात्रता नहीं रखते है तो उन्हें खंड 24 के तहत पात्र होने से पद्दोनति से वंचित नहीं किया जा सकता है और पदोन्नित रिक्तियां घोषित नहीं कर उनके साथ भेदभाव पूर्ण व्यवहार किया जा रहा है।

न्यायाधीश अरुण मोंगा ने दोनों रिट याचिका मंजूर करते हुए कहा विभाग ने चार साल की सेवा नहीं होने से जब उन्हें ए सी पी के तहत पद्दोन्नत किए जाने का पात्र ही नहीं माना है तो खंड 25 उनके लागू ही नहीं होता है और विभाग ने एक तरफा रास्ता अख्तियार कर उन्हें खंड 24 से भी बाहर कर अनुचित किया है। उन्होंने कहा कि सभी डॉक्टर्स की सेवा तीन साल से अधिक पूर्ण हो चुकी है सो वे खंड 24 के तहत पद्दोनति के पात्र हैं। उन्होंने राज्य चिकित्सा शिक्षा समिति को निर्देश दिए कि रिट याचिका दायर करने के वर्ष 2021 से ही पद्दोनति रिक्तियां घोषित कर भूतलक्षि प्रभाव से जिस दिन से सीधी भर्तियां की गई है,उसी दिन से पद्दोनति के लाभ,सीधी भर्ती से नियुक्त डॉक्टर से ऊपर की वरीयता और वरिष्ठता और सैद्धांतिक वेतनमान लाभ प्रदान करें। उन्होंने कहा कि यह आश्चर्यजनक है कि आठ बार की रिक्तियों में एक भी पद्दोनति की वेकेंसी घोषित नहीं की गई।

विद्यार्थी अर्जित शिक्षा का उपयोग राष्ट्र और समाज के उत्थान में करें : राज्यपाल मिश्र

फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट का तृतीय दीक्षांत समारोह आयोजित

जयपुर/जोधपुर, (कासं)। राज्यपाल और कुलाधिपति कलराज मिश्र ने कहा कि विद्यार्थी अर्जित शिक्षा का उपयोग राष्ट्र और समाज के उत्थान के लिए करे। उन्होंने फुटवियर डिजायन के क्षेत्र में नवाचार अपनाते हुए इस क्षेत्र के उत्पादों के निर्यात से अर्थव्यवस्था के सुदृढीकरण का आव्हान किया। राज्यपाल मिश्र ने शनिवार को जोधपुर में फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट के तृतीय दीक्षांत समारोह में संबोधित करते हुए कहा कि उद्यिमता विकास जरूरी है। नई पीढ़ी नौकरी करने की सोच की बजाय रोजागर प्रदाता बने। उन्होंने नई शिक्षा नीति के आलोक में पाठ्यक्रम अपडेट किए जाने पर भी जोर दिया।

राज्यपाल ने कहा कि एफ.डी.डी.आई जोधपुर फैशन एवं फुटवियर तकनीक से जुड़ा एक महत्वपूर्ण संस्थान है। संस्थान का मुख्य ध्येय शिक्षा के साथ हस्तशिल्प कौशल को बढ़ावा देना है। विश्वभर में आज फुटवियर एवं फैशन उद्योग जिस तेजी से बढ़ रहा है, उसे दृष्टिगत रखते हुए यह संस्थान भविष्य की दिशा तय करेगा। उन्होंने कहा कि इस संस्थान में फुटवियर एवं फैशन उद्योग से जुड़े विश्व के उत्कृष्ट एवं निपुण डिज़ाइनर तैयार हों। तथा प्रयास करे कि डिजाइनिंग के क्षेत्र में यह संस्थान उत्कृष्ट संस्थान बने। राज्यपाल मिश्र ने कहा कि वैश्विक बाजार मांग के अनुरूप भारत इस क्षेत्र में अठाणी बने यह हम सबका प्रयास हो। उन्होंने कहा कि संस्थान एथलेटिक और गैर एथलेटिक फुटवियर की श्रेणीवार बाजार मांग का अध्ययन कर फुटवियर उत्पादों के विकास के लिए नवाचार और नवीन तकनीकी शिक्षा का प्रबंधन करे, जिससे विद्यार्थी वैश्विक बाजार मांग के दृष्टिगत अपने आपको तैयार कर सकें।

इससे पहले राज्यपाल ने संविधान की प्रस्तावना और मूल कर्तव्यों का वाचन करवाया। समारोह के दौरान राज्यपाल एवं कुलाधिपति कलराज मिश्र ने वर्ष 2022 एवं 2023 बैचलर इन डिजाइन, फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन और फैशन डिजाइन में ओवरऑल टॉपर को तीन स्वर्ण पदक एवं कोर्स टॉपर को पांच रजत पदक प्रदान किए गए। समारोह में कुल 153 विद्यार्थियों को डिग्रियां वितरित गई। इनमें बैच 2022 बैचलर इन डिजाइन, फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन के 16 विद्यार्थी एफडीडीआई गुना कैंपस के भी शामिल हैं। समारोह में फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट के मैनेजिंग डायरेक्टर कर्नल पंकज कुमार सिन्हा, कार्यकारी निदेशक अनिल कुमार, इंस्टीट्यूट का स्टाफ, विद्यार्थी, अभिभावक सहित आमजन उपस्थित रहे।

जोधपुर में राज्यपाल और कुलाधिपति कलराज मिश्र ने दीक्षांत समारोह को संबोधित किया।

- समारोह में कुल 153 विद्यार्थियों को डिग्रियां वितरित की

माही नहर में डूबने से दो बालिकाओं की मौत

एक को बचाने के चक्कर में दूसरी भी डूबी

नहर में बालिकाओं की डूबने से मौत के बाद मौके पर एकत्रित भीड़ व पुलिस ने शवों को बाहर निकाला।

डूंगरपुर, (निसं)। साबला थाना क्षेत्र में चल रही माही नहर में डूबने से दो बालिकाओं की मौत हो गई एक का पैर फिसलने से डूबने लगी वही दूसरी बालिका बचाने के चक्कर में दोनों डूब गई। भोडन का वेला निवासी सपना उम्र 24, पुत्री नाथू एवं लक्ष्मी पुत्री मालिया जो बकरिया चराने गई थी वही करीब दोपहर 1 बजे पास में गुजर रही माही केनाल में नहाने उतरी। तब लक्ष्मी का पैर फिसल गया। तब सपना भी उसे बचाने के लिए पानी में कूद गई।

सपना को तैरना आता था पर नहर में काई, झाड़ियां होने से फंस गई। जिससे सपना लक्ष्मी को बचा नही सकी और खुद भी पानी में डूब गई। तब पास ही बकरी चरा रहे बच्चो ने चिल्लाई तब दौड़कर ग्रामीण आए और दोनो को बाहर निकाला और मुंगेड पीएचसी ले गए जहा दोनो को मृत घोषित कर दिया। बाद दोनों को आसपुर सीएचसी मोर्चरी में रखवाया जहा पीएम के बाद शव परिजनों को दे दिया। सपना बीए करने के बाद बीएड भी कर रखी थी।

कला और कलाकारों से जुड़ी चुनौतियों पर सामूहिक रूप से साझा संवाद

नगर स्थापना दिवस पर 'उछब थरपणा' समारोह में परिसंवाद कार्यक्रम को आयोजक संस्था के संस्कृति कला विशेषज्ञ कृष्णचंद्र पुरोहित ने संबोधित किया।

बीकानेर, (कासं)। नगर वैभव एवं नगर की यश गाथा को समर्पित पांच दिवसीय 'उछब थरपणा' समारोह के चौथे दिन आज नालन्दा सृजन सदन में कलापक्ष से जुड़े सार्थक संवाद की नव पहल करते हुए 'हमारी कला और चुनौतियां' विषयक परिसंवाद का आयोजन किया गया।

प्रारंभ में परिसंवाद के विषय का प्रवर्तन आयोजक संस्था के संस्कृति कला विशेषज्ञ कृष्णचंद पुरोहित ने करते हुए कहा कि कला और कलाकारों से जुड़ी चुनौतियों पर सामूहिक रूप से साझा कला संवाद का आयोजन एक नव पहल एवं सुखद अनुभव है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए आयोजक संस्था के राजेश रंगा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि हमारी लोक कला व नगर में अपना वैभवपूर्ण इतिहास रखने वाली विभिन्न शाखाओं से जुड़े कलाकारों की अपनी चुनौतियां है। साथ ही कला के विकास में समकालीन संदर्भों के साथ अपने मूल स्वरूप को कायम रखने के लिए कलाकारों को चुनौती से रूबरू होना पड़ता है। आज का यह सार्थक कला परिसंवाद कला और कलाकारों को समर्पित था।

प्रारंभ में करूणा आंदोलन से जुड़े संस्कृतिकर्मी हरिनारायण आचार्य ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि परिसंवाद के माध्यम से सार्थक सुझाव मिलेंगे। साथ ही नगर के कला जगत से जुड़े लोगों के बीच संवाद स्थापित रहे, इसके लिए एक व्हाट्स एप ग्रुप होना चाहिए। परिसंवाद के मुख्य वक्ता में वरिष्ठ कलाकार एवं कुरेचन कला के विशेषज्ञ मोना सरदार डूडी ने कहा कि कलाकार के सामने वित्तीय संकट रहता है। मैंने इससे निजात पाने के लिए कुरेचन कला का इजाद किया। पेंटर धर्मा ने विज्ञापन के माध्यम से भी कला जगत से जुड़ी चुनौतियों का सामना किया जा सकता है। इसके लिए साझा सहयोग की जरूरत है।

बीकानेर गोल्डन आर्ट के वरिष्ठ कलाकार राम कुमार भादाणी ने कहा कि कला और कलाकारों को मंच न मिलना एक बड़ी चुनौती है। साथ ही हमें कला का मूल्य बाजार की मांग के अनुसार भी रखना होगा। वरिष्ठ कलाकार मुकेश जोशी सांचीहर ने कहा कि पैसा प्राथमिकता न हो, कला सामाजिक सरोकार को समर्पित होनी चाहिए और समाज से भी हमें सहयोग मिलना चाहिए।

वरिष्ठ चित्रकार योगेन्द्र पुरोहित ने कहा कि हमें सभी चुनौतियों का सामना करते हुए हमारी कला और संस्कृति को आगे वाली पीढ़ी तक ले जाना एक चुनौती है। इसके लिए बाहरी सहयोग के लिए ज्यादा आशावान नहीं होना चाहिए। वुडन आर्ट के वरिष्ठ कलाकार कृष्णकांत व्यास ने कहा कि हमें आधुनिक तकनीक का सहारा लेना होगा और इसके लिए आपसी सहयोग के लिए भी तत्पर रहना होगा। पोट्रैट कला के कलाकार कमल जोशी ने कलाकारों के बीच संवादहीनता न हो साथ ही आपसी सकारात्मक सहयोग होना चाहिए।

युवा कलाकार पुलकित हर्ष ने कहा कि नई पीढ़ी को उचित मार्गदर्शन मिले तो प्रिया मारू ने भी इसी अभाव को रेखांकित किया। बालिका चित्रकार फराह ने कहा कि संघर्ष हमें करना होगा तभी सफलता मिलेगी। रवि उपाध्याय ने सीखने की ललक को महत्व दिया। बालिका कलाकार मंशा रावत ने कहा कि कलाकारों के बीच सहयोग का एक सेतु बने तो बालिका कलाकार तनिषा

- **चित्रकार योगेन्द्र पुरोहित ने कहा कि हमें सभी चुनौतियों का सामना करते हुए हमारी कला और संस्कृति को आगे वाली पीढ़ी तक ले जाना एक चुनौती है**

निर्वाण ने कहा कि चुनौतियां बहुत है पर उनसे मुकाबला करना होगा। यही बात संगीता ने दोहराई।

महत्वपूर्ण कला संवाद में निकिता सारण, मोहित पुरोहित, योगेश रंगा, मुस्कान मालू, सैफ अली, केशव जोशी, गणेश रंगा ने परिसंवाद में सहभागिता निभाते हुए कला और कला से जुड़ी हुई कई चुनौतियों को रेखांकित किया। वहीं मयंक रामावत, दिनेश नाथ, आदित्य पुरोहित, मोहित पुरोहित ने युवा पीढी को वरिष्ठजन एक तरफ मार्गदर्शन दें। वहीं सहयोग प्रदान कर नगर की कला वैभव एवं समृद्ध परंपरा को आगे ले जाने का उपक्रम करें।

घनश्याम स्वामी, आशीष रंगा, भवानीसिंह, इस परिसंवाद में युगल नारायण छंगाणी, मदन मोहन ओझा, मनोज देराश्री, महेश पुरोहित, श्यामसुंदर किराडू, उमेश पुरोहित, आशीष ओझा, मरूधर बोहरा, नंद किशोर रंगा, राजकुमार रंगा सहित सभी कलानुरागियों ने खासतौर से साफा एवं चंदा कला के साथ हमारी लोक कलाओं से जुड़ी चुनौतियों को रखा ।

धरणीधर मैदान में उड़ायेंगे चंदा

बीकानेर, (कासं)। बीकानेर (पश्चिम) विधायक सेवा केन्द्र द्वारा आयोजित होने वाले चार दिवसीय नगर स्थापना दिवस कार्यक्रमों को शनिवार को अंतिम रूप दिया गया।

बीकानेर (पश्चिम) विधायक जेठानंद व्यास ने बताया कि कार्यक्रमों की शुरूआत 6 मई को धरणीधर मैदान में चंदा महोत्सव के साथ होगी। इस दिन सायं 6 बजे शहर वासी विभिन्न संदेशपरक चंदे उड़ाकर स्थापना दिवस की खुशियां मनायेंगे। इस कार्यक्रम के प्रभारी संस्कृति कर्मी पवन व्यास होंगे। इस दौरान सभी लोग चाईनीज मांझे का उपयोग नहीं करने की शपथ भी लेंगे।

विधायक व्यास ने बताया कि दूसरे दिन सात मई को बारह गुवाड़ में सायं 7 बजे से कवि सम्मेलन होगा। इसके प्रभारी आशु कवि बाबू लाल छंगाणी होंगे। इसके लिए शहरी क्षेत्र के 15 कवियों को आमंत्रित किया गया है। यह कवि हास्य कविताओं के माध्यम से विभिन्न संदेश देंगे।

विधायक व्यास ने बताया कि तीसरे दिन 8 मई को नगर स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर जस्सूसर गेट के अंदर मुख्य कार्यक्रम होगा। जहां बड़ी संख्या में दीपक जलाए जायेंगे। उन्होंने शहरी क्षेत्र की विभिन्न संस्थाओं और मोहल्ला कमेटियों का आव्हान किया है कि उनके द्वारा प्रत्येक चौक और मोहल्ले में दीप जलाए जाएं, जिससे कि शहरी क्षेत्र में स्थापना दिवस को उत्सव की तरह मनाया जा सके।

उन्होंने कहा कि इस दिन शहर के प्रत्येक घर में भी दीप जलाएं और स्थापना दिवस को विशेष तरीके से मनाएं। विधायक ने बताया कि इस कार्यक्रम के प्रभारी राजकुमार किराडू होंगे। इसके लिए विभिन्न संस्थाओं से भी संपर्क किया जायेगा।

सार-समाचार

पशु गणना की तैयारी बैठक

गंगानगर में पशु गणना की तैयारियों को लेकर जिला कलेक्टर लोकबंधु ने बैठक ली।

श्रीगंगानगर, (कासं)। पशुपालन विभाग राजस्थान जयपुर के निर्देशानुसार जिले में प्रस्तावित 21 वीं पशुओं की गणना की तैयारियों को लेकर शनिवार को जिला कलेक्टर लोकबंधु की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला कलेक्टर ने संयुक्त निदेशक पशुपालन को निर्देशित किया कि गणना व सुपरवाइजर की नियुक्तियां व प्रशिक्षण दिया जाना है। इसकी पूर्ण तैयारी कर ली जाए। प्रस्तावित पशु गणना सितम्बर से दिसम्बर 2024 के मध्य की जानी है। गणना की तैयारियों को लेकर एलजी डायरेक्ट्री में गांव एवं शहरी वार्डों के कोड प्रमाणित कर निदेशालय पशुपालन विभाग जयपुर को निर्धारित अवधि में भिजवाने के निर्देश दिए। बैठक में ग्रामीण क्षेत्र के लिए तहसीलदार भू-अभिलेख एवं शहरी क्षेत्र के लिए संबंधित स्थानीय निकाय को निर्देशित किया गया कि आगाती दो दिवस में मिलान कर रिपोर्ट भिजवाई जाए। बैठक में एडीएम सतर्कता नरेन्द्र पाल सिंह, नगर परिषद आयुक्त यशपाल आहुजा, संयुक्त निदेशक पशुपालन विभाग डॉ. नरेश गुप्ता, पशुगणना के नोडल अधिकारी एसवीओ डॉ. हरविन्द्र, सहायक निदेशक सांख्यिकी मोहनलाल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

16 मई तक स्कूलों में होंगे एडमिशन

श्रीगंगानगर, (कासं)। राजस्थान के श्रीगंगानगर में राजकीय विद्यालयों में नए शिक्षा सत्र 2024-25 के लिए प्रवेश प्रक्रिया 1 मई से शुरू हो चुकी है पर सात मई को स्थानीय कक्षाओं का परीक्षा-परिणाम जारी होने के बाद ही रफ्तार तेज हो पायेगी। इन दिनों विद्यालयों में शिक्षक परीक्षा-परिणाम तैयार करने में लगे हुए हैं। वहीं दूसरी तरफ विद्यालय के कुछ शिक्षक घर-घर जाकर बच्चों का विद्यालय में प्रवेश करने के लिए अभिभावकों से संपर्क करने में जुटे हुए हैं। नए शिक्षा सत्र के लिए अगली कक्षा में प्रवेश की कवायद चल रही है। प्रथम चरण के रूप में अगले पंद्रह दिन तक प्रवेश दिए जायेंगे। फिर ग्रीष्मावकाश के बाद जुलाई माह में प्रवेशोत्सव का द्वितीय चरण शुरू हो जायेगा। ग्रीष्मावकाश के बारे में अपडेट है कि 17 मई से विद्यालयों में ग्रीष्मकालीन अवकाश प्रारंभ हो जायेंगे। उल्लेखनीय है कि 30 अप्रेल से पांच मई तक पांचवी बोर्ड की परीक्षाएं संचालित की जा रही है। इसके बाद परीक्षाओं के परिणाम 7 मई को जारी किए जायेंगे। साथ ही 17 मई से विद्यालयों में ग्रीष्मकालीन अवकाश प्रारंभ हो जायेंगे। एडीइओ (मुख्यालय) माध्यमिक शिक्षा, श्रीगंगानगर वेदप्रकाश जलंधरा ने कहा एक मई से प्रथम चरण में विद्यालयों में प्रवेशोत्सव कार्यक्रम चल रहा है। ज्यादा से ज्यादा नामांकन बढ़ाने के लिए सीबीइओ व संस्था प्रधानों को निर्देशित किया हुआ है। नया नामांकन के साथ-साथ शिक्षक विद्यालयों में परीक्षा-परिणाम तैयार करने में लगे हुए हैं। सरकारी स्कूलों में अधिकाधिक नामांकन बढ़ाने के लिए शिक्षक लगे हुए हैं। शिक्षा विभाग 1 मई से ही नवीन सत्र के लिए बच्चों को प्रवेश देने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। नए एवं आगामी कक्षाओं में प्रवेश देना शुरू कर रखा है। शिक्षा से एक भी बच्चा वंचित नहीं रहना चाहिए। साथ ही नए प्रवेश लेने वाले बालकों को पहले ही चरण में जोड़ने की कोशिश की जा रही है। परिक्षेत्र के कई विद्यालयों में पहले दो दिनों में ही दर्जनों अभिभावकों ने विद्यालय पहुंच कर नौनिहालों को प्रवेश दिलाया है। शिक्षक-शिक्षिकाएं खाली समय में अभिभावकों से सपर्क कर उन्हें सरकारी विद्यालयों में प्रवेश दिलाने के लिए प्रेरित कर रही है।

युवक पर पिस्तौल धारदार हथियारों से हमला करने का मामला दर्ज

बीकानेर, (कासं)। शहर के मुक्ता प्रसाद थाना इलाके में युवक पर पिस्तौल तानकर धारदार हथियारों से हमला करने का मामला दर्ज हुआ है। जिसमें पंवारसर कुंआ निवासी लोकसिंह घायल हुआ है। जिसे पीबीएम अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। बताया जा रहा है कि एकराय होकर आए आधा दर्जन आरोपियों द्वारा लोकसिंह गहलोत पर पिस्तौल तानकर, तलवार से जानलेवा हमला किया गया। पंवारसर कुआ रोशनीघर क्षेत्र निवासी लोकसिंह उर्फ गणेश पुत्र भंवरलाल गहलोत की ओर से पीबीएम अस्पताल के जेड वार्ड में भर्ती के दौरान पुलिस को दिए बयानों में बताया कि बीकाजी फैक्ट्री के सामने कूंकणा होटल के आगे रघुनाथ माली उसके दोनों लड़के व मनोज बहनोई तथा 5-7 अन्य लोग आये तथा आते ही रघुनाथ ने उस पर पिस्तौल तान दी तथा मारपीट कर दोनों लड़कों को बोला कि हमारा टारगेट यही है। उसके बाद सभी ने मिलकर उस पर सरिया व तलवार से वार किया। जिससे उसके हाथों, पैरों व कमर पर चोटें आई। पुलिस ने आरोपियों के विरूद्ध मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हालांकि मारपीट का कारण पुरानी रंजिश बताया जा रहा है। पुलिस इसको लेकर जांच पड़ताल कर आरोपियों की तलाश में दबिश दे रही है।

वनपाल इस्माइल खान का सम्मान

हनुमानगढ़, (कासं)। वन विभाग में कार्यरत वनपाल इस्माइल खान का सम्मान किया गया। टाउन में आयोजित रेंज कार्यालय में खान को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर वन विभाग के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। सभी ने वनपाल इस्माइल खान की ओर से पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में किए जा रहे कार्य की सराहना की। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि पर्यावरण के प्रति इंसान का लगाव जरूरी है। क्योंकि पर्यावरण के बिना मनुष्य का जीवन संभव नहीं है। मौजूद लोगों को अपने आसपास में पौधे लगाकर इनकी संभाल करने का संदेश दिया गया।

पानी के लिए महिलाओं का गुस्सा फूटा, मटके फोड़कर किया घेराव

नोखा, (कासं)। गर्मी बढ़ने के साथ ही कस्बे में पेयजल आपूर्ति व्यवस्था भी गड़बड़ाने लगी है। जिम्मेदारों को बार-बार अवगत कराने के बावजूद सुधार नहीं होने से लोगों में गुस्सा अब फूटने लगा है। पेयजल समस्या से परेशान होकर नोखा के जोरावरपुरा के वांशिदे पीएचईडी कार्यालय में पहुंचे। यहां महिलाओं ने मटके फोड़कर प्रदर्शन किया और सहायक अभियंता का घेराव कर खरी-खरी सुनाई।

गुस्साई महिलाओं ने कहा कि जोरावरपुरा क्षेत्र में करीब एक साल से पेयजल समस्या से परेशान है। दो बार ज्ञापन देने के बावजूद समस्या का निस्तारण नहीं किया जा रहा है। आक्रोशित लोगों ने छह सूत्री मांगपत्र सौंपकर चेताया कि दो दिन में समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो आंदोलन करेंगे। कार्यवाहक एईएन राजेश कुमार ने शीघ्र पेयजल

- **नोखा के जोरावरपुरा के वांशिदे पीएचईडी कार्यालय में पहुंचे**
- **महिलाओं ने मटके फोड़कर सहायक अभियंता का घेराव कर खरी-खोटी सुनाई**

समस्याओं में सुधार कराने का भरोसा दिलाया। प्रदर्शन में नारायण सिंह राजपुरोहित, ओमप्रकाश, अशोक, राजकुमार, नरसीराम, सीताराम जोशी, फुसाराम छींपा, भंवलाल पारीक, संजय छींपा, प्रभुदयाल चौधरी, दुलीचंद मरोठी, विकास पारीक, हुकमचंद सहित महिला-पुरूष शामिल थे।

जोरावरपुरा टंकी से चार-पांच दिन से पानी आपूर्ति की जा रही है। वह भी आधा घंटा मुश्किल से आता है। कुछ घरों में तो पानी आता ही नहीं है। संचेती खेड़ी व हनुमान धोरा की पेयजल आपूर्ति माजिसा मंदिर के उतरी साइड में दोनों आपूर्ति होती है। संचेती खेड़ी के उपभोक्ताओं को पानी नहीं मिल रहा है। नेहरु पार्क की पानी आपूर्ति से लाधुराम सांसी के घर के पूर्व साइड में कुछ उपभोक्ता की ओर से दो इंच की पाइप लाइन डालकर अवैध कनेक्शन किए हैं। यहां पर बूस्टर लगाये हैं, जिससे आसपास की गलियों में पानी आपूर्ति का प्रेशर बहुत कम आता है। यहां अवैध कनेक्शनों को हटाने की कार्रवाई तुरंत की जाए।

नेहरु पार्क की पेयजल आपूर्ति से नामदेव छींपा मंदिर के आसपास की गलियों में पांच-छह महीने से कुछ घरों में पानी आता है।

कल साढ़े तीन घंटे बिजली कटौती

बीकानेर, (कासं)। विद्युत तंत्र के रख-रखाव के लिए सोमवार 06 मई को विभिन्न क्षेत्रों में अलग-अलग समय बिजली कटौती रहेगी।

बीकेईएसएल के अनुसार प्रातः 07:30 बजे से 11:00 बजे तक पाबू चौक, इंदिरा चौक, वार्ड नंबर 2 भीनासर, शारदा चौक, गौरी जी कुआं, रेगरों का मोहल्ला, मुख्य बाजार, चित्रा आइस फैक्ट्री, गंगाशहर 4 पोल, डागा गेस्ट हाउस, खिलाड़ी चौक, हरिजन बस्ती, गौरी का कुआं क्षेत्र में बिजली कटौती रहेगी।

वहीं मेघवालों का एरिया, बाबू चौक, बांठिया गर्ल्स स्कूल, गोलछा मोहल्ला, चांदमल का बास भीनासर 4 पोल, मुरली मनोहर मैदान, राम राज्य चौक, सुथारों का बास, करीजम बस्ती, वार्ड-22, जवाहर स्कूल, भीनासर पेट्रोल पंप, रांका भवन, रामदेव कॉलोनी, विनायक नगर, कस्तूरी नगर, एग्रे. एरिया में बिजली कटौती रहेगी।

थानाप्रभारी व कांस्टेबल लाइन हाजिर

बीकानेर, (कासं)। जिले के महाजन में दो महिलाओं के साथ अभद्रता की शिकायत के बाद पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम ने महाजन थाना प्रभारी और एक कांस्टेबल को जांच होने तक पुलिस लाइन में हाजरी के आदेश दिये गये हैं।

पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम के अनुसार महाजन की एक महिला के खिलाफ सेक्सटॉर्सन की शिकायत आई थी। इस शिकायत की जांच के लिए महिला को थाने बुलाया गया था, जिसके बाद महिला ने शिकायत दी है कि उसके साथ अभद्रता की गई। शिकायत की जांच के चलते थानाप्रभारी कश्यप सिंह व कांस्टेबल सुनील को पुलिस लाइन में लगाया गया है।

बताया जा रहा है कि कुछ दिन पहले एक व्यक्ति ने दो महिलाओं के खिलाफ थाने में ब्लैकमेल करने का परिवाद दिया था। इसके बाद दोनों पक्षों

- **एक व्यक्ति ने दो महिलाओं के खिलाफ थाने में ब्लैकमेल करने का परिवाद दिया था**
- **इसके बाद दोनों पक्षों में समझौता करवा दिया गया**
- **उन्हीं महिलाओं ने थानाप्रभारी और कांस्टेबल के खिलाफ परिवाद दिया**

में समझौता करवा दिया गया। अब उन्हीं महिलाओं ने थानाप्रभारी और कांस्टेबल के खिलाफ परिवाद पेश कर दिया। इसकी जांच के लिए दोनों को लाइन में हाजरी देने के आदेश दिए हैं।

बेटे ने बाप-मां-बहन पर किया चाकू से हमला

बीकानेर, (कासं)। यहां एक शर्मनाक मामला सामने आया है। जेएनवीसी थाना क्षेत्र के सुदर्शना नगर में कलयुगी बेटे ने पिता-मां व बहन पर चाकू से हमला कर दिया जिससे तीनों गंभीर घायल हो गए।

सूचना मिलने पर जेएनवीसी पुलिस मौके पर पहुंची। घायलों को पीबीएम अस्पताल के ट्रोमा सेंटर भिजवाया गया। एसएचओ सुरेन्द्र पचार ने बताया कि घटना सुर्दशना नगर की है जहां एक युवक ने अपने पिता राजेश, मां बसंती एवं छोटी बहन ईशिता पर शनिवार सुबह चाकू से ताबड़तोड़ वार कर घायल कर दिया।

आरोपी वारदात को अंजाम देने के बाद फरार हो गया। एसएचओ पचार ने बताया कि हमला करने वाला युवक

- **हमला करने वाला युवक नशेड़ी और मानसिक रोगी बताया जा रहा है, आरोपी फरार**

नशेड़ी और मानसिक रोगी बताया जा रहा हैं। युवक ने सुबह छह बजे परिवार पर सब्जी काटने वाले चाकू से ताबड़तोड़ हमले किए थे।

पिता के गर्दन और सीने पर, मां के हाथ और सीने पर व बहन के दोनों हाथों और गर्दन पर चाकू से वार किए है। परिवार पर युवक ने क्यों हमला किया। पुलिस इसकी जांच-पड़ताल कर रही है। एएसपी ने घटनास्थल का मुआयना किया और ट्रोमा सेंटर पहुंचे।

आत्महत्या मामले में आया नया मोड़

बीकानेर,(कासं)। शहर के जयनारायण व्यास कॉलोनी थाना इलाके में युवक द्वारा आत्महत्या करने के मामले में नया मोड़ आ गया है। युवक द्वारा आत्महत्या का कारण ससुराल वाले बताएं जा रहे है। इसको लेकर व्यास कॉलोनी थाने में मुकदमा दर्ज हुआ है।

मृतक के ताऊ के लड़के सीताराम ने आरोप लगाया है कि मृतक की पत्नी पूनम व सास-सुसर उसके भाई कालूराम को रूपयों के लिये ब्लैकमेल करते थे तथा आत्महत्या करने के लिये प्रेरित करते रहे। जिससे तंग व परेशान होकर शिवबाड़ी के रेगरों के मोहल्ले में रहने वाले कालूराम ने दो मई को अपने मकान में फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली थी।

पतंग मांझे की सजी दुकानें, तैयार होने लगा खीचड़ा

बीकानेर, (कासं)। नगर स्थापना दिवस की तैयारियां घर-घर और बाजारों में शुरू हो गई। स्थापना दिवस पर होने वाली पतंगबाजी को लेकर शहर में गली-मोहल्लों से मुख्य बाजारों और कॉलोनी क्षेत्रों तक पतंग-मांझे की दुकानें सज गई है व बिक्री शुरू हो गई है। वहीं आखाबीज व आखातीज के दिन परंपरानुसार खीचड़ा-इमलाणी के भोजन के लिए खीचड़े को कूटकर तैयार करने का क्रम प्रारंभ हो गया है।

घरों में महिलाएं गेंहू, बाजरा, मूंग को कूटकर खीचड़ा तैयार कर रही है। वहीं बाजारों में कूटकर तैयार किए खीचड़े की बिक्री भी शुरू हो गई है। आखाबीज 9 मई को और आखातीज पर्व 10 मई को मनाया जायेगा।

- **नगर स्थापना दिवस की तैयारियां घर-घर और बाजारों में शुरू हो गई**

नगर स्थापना दिवस पर दो दिन शहर का आकाश रंग बिरंगी पतंगों से आच्छादित रहेगा। पूरा शहर आखाबीज और आखातीज के दिन बो काट्या है, फेर उड़ा के स्वरों से गुंजायमान रहेगा। हर छत पर पतंगबाजों की मंडलिया रहेगी। गली-गली में कटी पतंगों को लूटने वालों की धूम रहेगी। वहीं परंपरानुसार नगर स्थापना दिवस पर शहर के आकाश में चंदा की भी उड़ान होगी। जूनागढ़ सहित शहर में कई स्थानों पर पारंपरिक रूप से चंदा उड़ाया जायेगा।

आखाबीज के दिन घर-घर में पीने के पानी की नई मटकी के पूजन की परंपरा है। घर परिवार की महिलाएं मध्यान्ह के समय नई मटकी का पूजन करती है। वहीं मिट्टी से बनी लोटड़ी, ढक्कणी, हांडी और कुल्लड का भी पूजन होता है। हांडी में इमलाणी भिगोई जाती है। स्थापना दिवस को लेकर मिट्टी के बर्तनों की दुकानों पर खरीदारी का क्रम प्रारंभ हो गया है। नगर स्थापना दिवस पर घर-घर में आखाबीज व आखाती के दिन खीचड़ा-इमलाणी का भोजन में उपयोग होगा।

ग्राम पंचायत मुख्यालय पर ताला लगा मिला

श्रीकरणपुर, (कासं)। एसडीएम ने ग्राम पंचायत 36 एच नग्गी के सरकारी कार्यालयों का निरीक्षण किया। इस दौरान ग्राम पंचायत मुख्यालय पर ताला मिला। वहीं वीडीओ व एलडीसी भी नदारद थे। एसडीएम ने अनुपस्थित कार्मिकों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

जानकारी के अनुसार एसडीएम श्योराम ने सुबह करीब साढ़े 11 बजे ग्राम पंचायत नग्गी के ग्राम पंचायत मुख्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान वहां ताला लगा हुआ था। वहीं वीडीओ व एलडीसी भी मौके पर मौजूद नहीं थे। एसडीएम ने बताया कि संबंधित कार्मिकों के खिलाफ कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। एसडीएम ने बताया कि नग्गी में पटवार मंडल, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, आंगनबाड़ी केन्द्र, उप स्वास्थ्य केन्द्र, पशु उप चिकित्सा केन्द्र, आयुर्वेद औषधालय व उचित मूल्य की दुकान का निरीक्षण किया।

सफेद मूंगफली पर काली टिक्की रोग का प्रकोप तेजी से बढ़ा

बीकानेर,(कासं)। प्रदेश में मूंगफली उत्पादन में सिरमौर बीकानेर क्षेत्र में कृषि भूमि में पोषक तत्वों की कमी का असर गुणवत्ता पर दिखने लगा है। दो साल के दौरान सफेद मूंगफली पर काली टिक्की रोग का प्रकोप तेजी से बढ़ा है।

इसकी कृषि वैज्ञानिकों ने गहराई से पड़ताल की तो मिट्टी की काया के कमजोर होने का कारण उभरकर सामने आया है। मूंगफली के गोटे के मध्य काली टिक्की बनने से विदेशों में मांग घट गई है। इसके चलते इस बार सीजन में निर्यात बहुत कम हुई है। बीकानेर जिले की अनाज मंडियों में 70 लाख क्विंटल मूंगफली सीजन में आती है। करीब बीस लाख क्विंटल का किसानों से सीधा व्यापार और बाजार में रिटेल में बिक्री में चली जाती है।

दीपावली के बाद सीजन में अनाज मंडियों में मूंगफली की आवक एक लाख बोरी तक पहुंच जाती है। इन दिनों

- **कृषि वैज्ञानिकों ने गहराई से पड़ताल की तो मिट्टी की काया के कमजोर होने का कारण उभरकर सामने आया है**

मूंगफली की बुवाई चल रही है। ऐसे में मूंगफली क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र ने किसानों को मूंगफली की बुवाई सही तरीके से करने की सलाह दी है। बीज बोने से पहले बुवाई मिट्टी पलटने और पोषक तत्वों की पूर्ति करने पर मूंगफली में काले टिक्के से छुटकारा मिल सकता है।

वैसे तो मिट्टी में कई तरह के पोषक तत्व होते हैं। इन सभी तत्वों के सामंजस्य से ही कोई भी फसल गुणवत्ता लिए होती है। वर्तमान में जमीन में बोरॉन पोषक तत्व की कमी से काली टिक्की, होलो हार्ट की समस्या सामने आ रही है। हालांकि इसका असर तेल की मात्रा पर नहीं पड़ता। परन्तु काली टिक्की वाली मूंगफली खाने में खारेपन का अहसास करवाती है। ट्यूबवैल से सिंचाई, फसल चक्र की अनदेखी कर एक ही फसल को बार-बार बोने, पोषक तत्वों को मिट्टी में नहीं डालने से भूमि में बोरॉन तत्व की कमी हो रही है।

फसल उत्पादन के लिए बोरॉन के साथ-साथ नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटाश, कैल्शियम, आयरन, जिंक, मैगनीशियम आदि तत्व सूक्ष्मतम है। इन सभी तत्वों में बोरॉन पोषक तत्व महत्वपूर्ण माना जाता है। प्रदेश में मूंगफली के कुल उत्पादन का चालीस फीसदी अकेले बीकानेर जिले में होता है। यहां से महानगरों में मूंगफली जाती है। गोटा व तेल की इंडस्ट्री भी यहां लगी है। खासकर सिकाई की मूंगफली पंजाब, दिल्ली और हरियाणा में जाती है। काली टिक्की से मूंगफली के निर्यात और मांग पर असर पड़ा है।

मूंगफली उत्पादन और मिट्टी में बोरॉन की कमी के कारण काली टिक्की की समस्या होने लगी है। राजस्थान के शुष्क क्षेत्रों की रेतीली मिट्टी में पोषक पदार्थ की मात्रा कम होने में बोरॉन की कमी व्यापक रूप से सामने आई है। बोरॉन की कमी के लक्षण आमतौर पर नई पत्तियों पर दिखाई पड़ता है। इससे पौधे का विकास अवरूद्ध हो जाता है। बोरॉन की कमी को दूर करने के लिए बोरेक्स और बोरिक एसिड उपयोग किए जाने वाले उर्वरक हैं। बोरेक्स 10 किग्रा प्रति हेक्टेयर बुवाई के समय डालने अथवा बोरिक एसिड का 0.1 प्रतिशत जलीय घोल बनाकर खाड़ी फसल पर 40 और 70 दिन की होने पर छिडकाव करने से फायदा होता है।

गुलाबी सुंडी से बचाव की जानकारी दी

बींझबायला,(निसं)। ग्राम पंचायत जीवनदेसर में कृषि विभाग द्वारा कपास में गुलाबी सुंडी प्रबंधन पर कृषि जागरूकता कार्यक्रम के तहत सरपंच भेराराम की अध्यक्षता में किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया।

सहायक कृषि अधिकारी कृष्णलाल ने कृषकों को कपास में गुलाबी सुंडी प्रबंधन पर जानकारी दी। गुलाबी सुंडी के जीवन चक्र एवं बचाव के तरीके बताए। कृषि पर्यवेक्षक दयाराम द्वारा मृदा स्वास्थ्य कार्ड के महत्व के बारे में जानकारी दी।

गुलाबी सुंडी नियंत्रण के लिए कपास फसल की अवस्था के अनुसार समय-समय पर प्रयोग किए जाने वाले कीटनाशकों के बारे में बताया। इसी तरह ग्राम पंचायत फरसेवाला में गत दिवस गोष्ठी का आयोजन किया गया। सहायक कृषि अधिकारी रामकुमार मेहरडा। द्वारा गुलाबी सुंडी के प्रबंधन के बारे में बताया। कपास फसल की बुवाई में उन्नत कृषि विधियां अपनाने की सलाह दी।

प्रारूप-10 (नियम 6 (7) देखिए)
कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी नगरपालिका सूरतगढ़
क्रमांक : 99 | **लोक सूचना** | दिनांक : 3-05-2024

श्री राजमल ढाका पुत्र श्री मनफुल राम जाति जाट निवासी पीलीबंगा जिला हनुमानगढ कि निचे अङ्खित भूमि का गैर-कृषिक प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात् :-

जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	भूमि स्थान	क्षेत्र- 1.961 हैक्टेयर यानि 19610 वर्गमीटर
तह. सूरतगढ़ जिला श्रीगंगानगर	कस्बा सूरतगढ़	खसरा नं. 231	

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 07 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा । उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा । यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 03.05.24 को जारी की गयी।
- (पूजा शर्मा) प्राधिकारी अधिकारी नगरपालिका सूरतगढ

प्रारूप-10 (नियम 6 (7) देखिए)
कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी नगरपालिका सूरतगढ़
क्रमांक : 95 | **लोक सूचना** | दिनांक : 3-05-2024

श्री रामप्रसाद बंसल पुत्र श्री गौरीशंकर जाति अग्रवाल निवासी वार्ड नंबर 13 सूरतगढ़ जिला श्रीगंगानगर कि निचे अङ्खित भूमि का गैर-कृषिक प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात् :-

जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	भूमि स्थान	क्षेत्र- 1.999 हैक्टेयर यानि 19990 वर्गमीटर
तह. सूरतगढ़ जिला श्रीगंगानगर	कस्बा सूरतगढ़	खसरा नं. 231, 235	

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 07 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा । उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा । यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 03.05.24 को जारी की गयी।
- (पूजा शर्मा) प्राधिकारी अधिकारी नगरपालिका सूरतगढ

प्रारूप-10 (नियम 6 (7) देखिए)
कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी नगरपालिका सूरतगढ़
क्रमांक : 91 | **लोक सूचना** | दिनांक : 3-05-2024

श्री ओमप्रकाश पुत्र श्री मेघाराम जाति नायक निवासी दौलतावली तहसील पीलीबंगा जिला हनुमानगढ़ कि निचे अङ्खित भूमि का गैर-कृषिक प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात् :-

जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	भूमि स्थान	क्षेत्र- 0.802 हैक्टेयर यानि 8020 वर्गमीटर
तह. सूरतगढ़ जिला श्रीगंगानगर	कस्बा सूरतगढ़	खसरा नं. 529/229	

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 07 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा । उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा । यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 03.05.24 को जारी की गयी।
- (पूजा शर्मा) प्राधिकारी अधिकारी नगरपालिका सूरतगढ

बैंक डकैती और मर्डर की फिराक में दो गैंग काबू, नौ अपराधी गिरफ्तार

- गैंग के मुख्य सरगना राणा बाबा समेत नौ अपराधी गिरफ्तार किए गए हैं। इस गिरोह के सदस्यों के पास पांच अवैध पिस्तौल, कारतूस, करीब एक दर्जन से अधिक तलवारें, लोहे के सरिए और डंडे बरामद किए
- जिला विशेष टीम के प्रभारी को गश्त के दौरान सूचना मिली कि कुछ अपराधी गांव ठाकरावाली के आस-पास हथियारों सहित घूम रहे है, जो कोई बड़ी वारदात को अंजाम दे सकते हैं
- इस टीम को ठाकरांवाली से हिरणावाली रोड पर दो गाड़ियों में 10-15 अपराधी हाथों में हथियार लिए नजर आये

श्रीगंगानगर, (कासं)। श्रीगंगानगर इलाके के गांव लाधूवाला में बैंक डकैती की फिराक और अपराध के क्षेत्र में राणा बाबा गैंग सोशल मीडिया पर अपनी वीडियो वायरल कर भयभीत करने व हथियारों से लैस होकर बड़ी वारदात करने की फिराक में थी। लेकिन पुलिस ने इस गैंग को काबू करने में सफलता हासिल की है। इस गैंग के मुख्य सरगना राणा बाबा समेत नौ अपराधी गिरफ्तार किए गए है। इस गिरोह के सदस्यों के पास पांच अवैध पिस्तौल, कारतूस, करीब एक दर्जन से अधिक तलवारें, लोहे के सरिए और डंडे बरामद किए गए हैं।

पुलिस अधीक्षक गौरव यादव ने बताया कि अवैध हथियारों की तस्करी, खरीद फरोख्त करने वालों और गैंगस्टरों के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के तहत कार्यवाही के लिए एडशिनल एसपी रघुवीर प्रसाद शर्मा और सीओ सिटी आईपीएस बी. आदित्य के निर्देशन में अलग-अलग थाना क्षेत्र की टीमें गठित कर गुप्त सूचनाओं और साईबर पैट्रोलिंग टास्क फोर्स (सीपीटीएफ) ने साइबर तकनीक के माध्यम से सूचनाएं एकत्रित कर टीम गठित की। इस टीम को सूचना मिली कि बाबा गैंग इलाके में लोगों को डरा धमकाकर अपराधिक गतिविधियां संचालित कर रही है।

इस गैंग का मुख्य सरगना कुलजीत सिंह उर्फ राणा बाबा अपने साथियों के साथ श्रीगंगानगर में कोई बड़ी वारदात कर सकता है। इस गैंग की गतिविधियों पर निगरानी रखनी शुरू की गई। इस दौरान जिला विशेष टीम के प्रभारी एसआई रामविलास बिश्नोई को गश्त के दौरान सूचना मिली कि कुछ अपराधी गांव ठाकरावाली के आस-पास हथियारों सहित घूम रहे है, जो कोई बड़ी वारदात को अंजाम दे सकते हैं।

इस टीम को ठाकरांवाली से हिरणावाली रोड पर दो गाड़ियों में 10-15 अपराधी हाथों में हथियार लिए नजर आये। एक वाहन में अपराधी गुरूजीत सिंह व हमजीत सिंह हाथों में हथियार लहराते हुए भाग गए जो मौका पर लाधूवाला गांव के बैंक में डकैती डालने की योजना बना रहे थे। वहीं दूसरे वाहन के पीछा करने पर इसमें सवार पांच अपराधी शामिल थे। इसमें सूरतगढ़ क्षेत्र गांव गुरुसर मोडिया वार्ड 9 निवासी 27 वर्षीय रमनदीप सिंह उर्फ रमना पुत्र हाकम सिंह पुरानी आबादी रवि चौक गली नम्बर दो निवासी 34 वर्षीय संदीप कुमार पुत्र रणवीर पुरानी आबादी कोढियों वाली पुलिया के पास मनोहर प्रसाद पुत्र मेहर प्रसाद, लालगढ़ जाटान क्षेत्र गांव अबोहरिया वार्ड एक निवासी 22 वर्षीय अजय कुमार पुत्र फूसाराम, गांव बनवाली वार्ड 13 निवासी 25 वर्षीय प्रेम कुमार पुत्र रामचंद्र को गिरफ्तार किया। इनके कब्जे से एक कार, एक लोडेड पिस्तौल व करीब एक दर्जन तलवार, सरिया व लाठियां बरामद की गई। इस संबंध में चूनावढ़ थाने में मामला दर्ज कराया गया।

दूसरी गैंग के सदस्य गिरफ्तार आरोपी संदीप कुमार हुड्डा पहले से हत्या के प्रयास के मामले में वांछित है। जबकि हत्या के मुकदमा में जमानत पर चल रहा था। इसके साथ अन्य आरोपियों से पूछताछ की गई तो उन्होंने बताया कि आरोपी गुरजीत सिंह आदि रीको में रेता यूनियन चलाते है जिनकी बाबा राणा गैंग के सरगना कुलजीत सिंह उर्फ राणा बाबा से बबलू भाट के साथ हुई मारपीट व पेशाब पिलाने की बात को लेकर आपसी रंजिश चल रही है।

डकैती व बाबा राणा का मर्डर करने की योजना के अनुसार सभी अपराधी हथियार लेकर एकत्रित हुए थे। गुप्त सूचना जब पुलिस तक पहुंची तो पुलिस की अलग अलग टीमों ने धरपकड़ करने की मुहिम चलाई।

मटीलीराठान में एसआई सुभाष की अगुवाई में टीम ने आरोपी वार्ड दस मटीलीराठान निवासी 33 वर्षीय गुरप्रीत सिंह पुत्र गुरदेव सिंह के कब्जा से 12 बोर देशी पिस्तौल बरामद कर गिरफ्तार किया। सदर सीआई रमेश कुमार न्यौल की अगुवाई में टीम ने आरोपी 23 वर्षीय अमरवीर सिंह उर्फ अमर पुत्र रघुवीर सिंह को काबू किया। यह आरोपी केसरीसिंहपुर क्षेत्र के गांव जगतेवाला वार्ड दो का रहने वाला है। इसके कब्जे से बारह बोर देसी पिस्तौल बरामद किया। उधर चूनावढ़ थाना प्रभारी राजीव की टीम ने आरोपी लाधूवाला गांव निवासी 23 वर्षीय संदीप कुमार पुत्र पोलाराम को काबू कर उसके कब्जे से एक बारह बोर देसी पिस्तौल बरामद कर गिरफ्तार किया।

जवाहर नगर सीआई देवेन्द्र सिंह की अगुवाई में टीम ने राणा बाबा गैंग के मुख्य सरगना गांव ढींगावाली जाटान निवासी 25 वर्षीय कुलजीत सिंह राणा उर्फ राणा पुत्र गुलाब सिंह के कब्जा से एक 32 बोर पिस्टल व 2 मैगजीन बरामद कर गिरफ्तार किया।

इस मुख्य सरगना के खिलाफ अलग- अलग थानों में हत्या के प्रयास, लूट, आर्म्स एक्ट, मारपीट, एनडीपीएस एक्ट समेत 13 मामले दर्ज है। पुलिस के अनुसार अब तक की पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी की गुरजीत सिंह व जंटा के साथ रंजिश चल रही है। इस वजह से उसने करीब दर्जन भर हथियार खरीद कर हथियार चलाने के वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डाले हैं।

पालनहार में वंचित बच्चों का सत्यापन के निर्देश

बीकानेर, (कासं)। जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि ने पालनहार योजना के तहत शैक्षणिक सत्र 2023-24 के दौरान लाभान्वित हो रहे वार्षिक सत्यापन से वंचित बच्चों का सत्यापन जल्द से जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए।

स्कूलों में अध्ययनरत पात्र बच्चों के वार्षिक सत्यापन के लिए मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी को तथा आंगनबाड़ी में पंजीकृत 0-6 वर्ष के बच्चों के वार्षिक सत्यापन करवाने के लिए उपनिदेशक महिला बाल विकास को निर्देशित किया गया है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक एल. डी. पंवार ने बताया कि जिले में पालनहार योजना के अन्तर्गत शैक्षणिक सत्र-2023-24के लिए लाभांवित हो रहे कुल 13 हजार 912 बच्चों में से अब तक 12 हजार 715 का वार्षिक सत्यापन हुआ है। 1 हजार 197 बच्चे वार्षिक सत्यापन से वंचित है।

पंवार ने बताया कि भौतिक सत्यापन या नवीनीकरण के लिए शाला दर्पण पोर्टल पर आधार नम्बर, अपडेट किये गये बच्चों का शाला दर्पण से स्वत: वार्षिक सत्यापन हो जायेगा। उन्हें अलग से सत्यापन करवाने की आवश्यकता नहीं है। जिन बच्चों के आधार नम्बर शाला दर्पण पर अपडेट नहीं है, उनके आधार नम्बर शाला दर्पण पर अपडेट करवाये।

सार-समाचार

नरेगा कार्यों का निरीक्षण किया

गंगानगर कलेक्टर लोकबंधु ने चक 3 वाई, 5 वाई व 4 जैड में नरेगा कार्यों का निरीक्षण किया।

श्रीगंगानगर, (कासं)। जिला कलेक्टर लोकबंधु ने शनिवार को चक 3 वाई, 5 वाई व 4 जैड में चल रहे नरेगा कार्यों व श्रमिकों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मेट द्वारा मैजरमेंट की सही जानकारी नहीं होने पर मेट को हटाने के निर्देश दिए। उन्होंने उपस्थित श्रमिकों की संख्या तथा भुगतान को लेकर अधिकारियों से जानकारी ली तथा आवश्यक निर्देश दिए। जिला कलेक्टर ने रेलवे लाइन के ट्रेक सुदृढीकरण के कार्य में लगे श्रमिकों की संख्या व कार्य का निरीक्षण किया। यह कार्य रेल अधिकारियों की देखरेख में करवाया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान पक्का खाला, पट्टडा सुदृढीकरण कार्य को देखा तथा मौके पर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कनिष्ठ तकनिकी सहायक ने टॉस्क को लेकर संतोषजनक जवाब नहीं देने पर असंतोष व्यक्त करते हुए भविष्य में टॉस्क की पूरी जानकारी रखने की हिदायत दी गई। निरीक्षण के दौरान अधिशाषी अभियन्ता रमेश मदान, विकास अधिकारी भंवर लाल स्वामी मौजूद थे।

बच्चों की बौद्धिक क्षमता जांची

ब्लू मून चैरिटेबल प्ले स्कूल में बच्चों की नि:शुल्क डीएमआईटी जांच करते चिकित्सक।

बीकानेर, (कासं)। जे. एस. पी. माइंड मेंटर संस्थान द्वारा पवनपुरी साउथ स्थित ब्लू मून चैरिटेबल प्ले स्कूल मे बच्चों का नि:शुल्क डीएमआईटी जांच शिविर आयोजित किया गया। स्कूल प्रिंसिपल डॉ. अर्पिता गुप्ता ने बताया कि जापान में स्कूल में बच्चों के संपूर्ण विकास के लिए यह टेस्ट किया जाता है। इसे ब्रेन बुक भी कहते हैं और बीकानेर में पहली बार जे. एस. पी. माइंड मेंटर संस्थान द्वारा हमारे चैरिटेबल विद्यालय में यह टेस्ट किया गया है। संस्थान निदेशक गुलाब सोनी ने बताया कि यह मल्टीपल इंटेलिजेंस टेस्ट है, जो फिंगर प्रिंट पैटर्न को ब्रेन लोब के साथ सह संबंधित करने वाली एक वैज्ञानिक परीक्षा है। यह किसी व्यक्ति की अद्वितीय जन्मजात क्षमता और व्यक्तित्व लक्षणों को समझने में सहायता करता है। संस्थान निदेशक गिरिराज ने कहा फिंगर प्रिंट से बच्चे के व्यवहार, व्यक्तित्व, कार्यकुशलता के साथ बौद्धिक क्षमता का विश्लेषण होगा। रिपोर्ट बतायेगी कि बच्चे का आईक्यू, सी क्यूं, ए क्यू और ई क्यू लेवल कैसा है। डॉ. अर्पिता गुप्ता ने जे. एस. पी. माइंड मेंटर संस्थान की टीम का आभार व्यक्त किया। शिविर में 30 बच्चों की जांच की गई। रिपोर्ट के आधार पर बच्चों के अभिभावकों से भी बातचीत की गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में मोहिनी शर्मा, संजय बोहरा, नीति शर्मा, स्नेहा शर्मा आदि की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

मच्छरों से बचाव की जानकारी दी

हनुमानगढ़, (कासं)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने आमजन से रविवार 5 मई को अपने-अपने घरों में रूके हुए पानी को नष्ट कर सूखा दिवस (ड्राइंग-डे) मनाने की अपील की है। डेंगू-मलेरिया-जीका-चिकनगुनिया के प्रभाव को रोकने के लिए चिकित्सा विभाग के कार्मिक घर-घर जाकर आमजन से साफ-सफाई की अपील कर रहे हैं। सीएमएचओ डॉ. नवनीत शर्मा ने कहा कि हमें प्रत्येक रविवार को अपने-अपने घरों में रूका हुआ पानी नष्ट कर सूखा दिवस मनाना चाहिए। हमारे घरों में रुके हुए साफ पानी में मच्छरों का लार्वा पनपता है। यह लार्वा मच्छर बनकर डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया, जीका सहित अनेक बीमारियां फैलाता है। हमें अपने घर से ही इस लार्वा को खत्म करना होगा। यह मच्छर जनित बीमारियों सबसे पहले हमारे घरों से ही पैदा होती है। उन्होंने कहा कि हमें हर रविवार को आधे घंटे के लिए अपने घरों में जमा पानी को नष्ट करना है ताकि हमारा परिवार डेंगू-मलेरिया से सुरक्षित रह सके। उन्होंने कहा कि सफाई करते समय महिलाएं यह ध्यान रखें कि घर के अंदर व आंगन में जहां भी पानी एकत्रित हो रहा है, उसे साफ करें। घर में कोई भी बेकार बर्तन, खुली बोतल, डिब्बे, पुराने टायर, कबाड़ एवं प्लास्टिक का सामान एकत्रित ना होने दें। इसमें पानी के ठहरने से डेंगू मच्छर के पनपने का खतरा सबसे अधिक होता है। बर्तनों को खाली कर उल्टा रख दें।

परिंडें अभियान शुरू

चिड़ावा,(निसं)। एमडी ग्रुप ऑफ एजुकेशन के तत्वावधान में एमडी लिटिल फ्लावर की ओर से तपती गर्मी में पक्षियों को बचाने लिए परिंडा अभियान का शुभारंभ हुआ। पक्षियों के लिए परिंडा कार्यक्रम का शुभारंभ चेयरमैन सुनिल डांगी ने विद्यार्थियों द्वारा तैयार परिंडों में दाना- पानी डालकर किया। इसके तहत पर्यावरण परिवर्तन के कारण गर्मी बढ़ने से बेजुबान पक्षियों की प्यास बुझाने और भूख मिटाने के लिए स्कूल परिसर और आस-पास के क्षेत्र में 200 से अधिक परिंडे लगाए गए।

लू-तापघात से ऐहतियात बरतने की जानकारी दी

- विभाग के कार्मिकों द्वारा ग्राम पंचायत स्तर तक भी कार्यशाला का आयोजन कर आमजन को गर्मी के मौसम में विशेष ऐहतियात बरतने की सलाह दी

हनुमानगढ़, (कासं)। जिले में अत्यधिक गर्मी के चलते चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने आज सातों ब्लॉक में कार्यशालाओं का आयोजन कर आमजन को लू-तापघात से ऐहतियात बरतने की जानकारी दी गई।

वहीं गर्मी के मौसम में स्वास्थ्य केन्द्रों पर समस्त दवाईयां, चिकित्सा संबंधी व्यवस्थाएं एवं विशेष सावधानी बरतने की निर्देश भी दिए गए हैं। ब्लॉक कार्यालय सहित समस्त चिकित्सा संस्थानों, नगर पालिका, विद्यालयों, सार्वजनिक स्थानों एवं ग्राम पंचायत पर आयोजित इस कार्यशाला में चिकित्सा विभाग के समस्त डॉक्टर्स, स्वास्थ्यकर्मी, जनप्रतिनिधि एवं आमजन उपस्थित थे।

वहीं आशा, एएनएम, महिला आरोग्य समिति की सदस्यों एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों पर छोटे बच्चों एवं उनके परिजनों को भी लू-तापघात से बचाव एवं उपचार की जानकारी दी गई। उन्हें निर्देश दिए गए हैं कि शहर एवं गांव में घर-घर जाकर लू-तापघात से बचाव की जानकारी को साझा करें।

सीएमएचओ डॉ. नवनीत शर्मा ने बताया कि दिन-प्रतिदिन बढ़ रही गर्मी के चलते आज समस्त ब्लॉक कार्यालय एवं चिकित्सा संस्थानों पर कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें समस्त चिकित्साकर्मियों एवं आमजन को लू एवं तापघात से बचाव संबंधी जानकारी दी गई। विभाग के कार्मिकों द्वारा ग्राम पंचायत स्तर तक भी कार्यशाला का आयोजन कर आमजन को गर्मी के मौसम में विशेष ऐहतियात बरतने की सलाह दी।

समस्त चिकित्साकर्मियों को अस्पतालों में रोगियों के लिए शुद्ध पेयजल की व्यवस्था रखने, संस्थान में रोगी के उपचार के लिए आपातकालीन किट में ओआरएस, ड्रिपसेट सहित अन्य आवश्यक दवाईयां रखने के निर्देश दिए हैं।

चिकित्सा संस्थानों पर उपस्थित मरीजों एवं उनके साथ आये परिजनों को जानकारी दी कि गई कि अगर हमें शरीर में भारीपन के साथ थकावट, जी मिचलाना, अधिक प्यास लगना, सिर चकराना व शरीर का तापमान बढना, पसीना आना बंद होना, मुंह का लाल हो जाना, त्वचा का सूखा होना, अत्यधिक प्यास का लगना व बेहोशी जैसी स्थिति का होना आदि लक्षण आने लगे तो ऐसे में रोगी को तुरंत छायादार जगह पर कपड़े ढीले कर लेटा दिया जाना चाहिए। रोगी को होश मे आने की दशा मे उसे ठंडा पेय पदार्थ, जीवन रक्षक घोल दें। स्वास्थ्य संबंधी जरूरत होने पर तत्काल 108 को कॉल करें या मरीज को नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र पर लेकर जाएं। एडवाइजरी में आमजन को बताया गया कि जहां तक संभव हो धूप में न निकलें।

श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का वृतांत सुनाया

हनुमानगढ़, (कासं)। जिला मुख्यालय पर जंक्शन के नई खुंजा में वार्ड नम्बर तीन स्थित श्री जीण माता मंदिर प्रागंण में भागवत कथा के दौरान कथा वाचक गोपाल शास्त्री ने श्रीकृष्ण भगवान की बाल लीलाओं का वर्णन किया।

कथा वाचक ने कहा कि भगवान कृष्ण के पैदा होने के बाद कंस उसको मौत के घाट उतारने के लिए अपनी राज्य की सर्वाधिक बलवान राक्षसी पूतना को भेजता है। वह वेश बदलकर भगवान श्रीकृष्ण को जहरीला दूध पिलाने का प्रयास करती है। लेकिन भगवान श्रीकृष्ण उसको मौत के घाट उतार देते हैं। इतना ही नहीं भारी वर्षा को देख भगवान श्रीकृष्ण गोवर्धन पर्वत को अपनी अंगुली पर उठाकर पूरे नगरवासियों को पर्वत के नीचे बुला लेते हैं। जिससे हार कर इंद्र एक सप्ताह के बाद वर्षा को बंद कर देते हैं।

भगवान श्रीकृष्ण की विभिन्न बाल लीलाओं का वर्णन कर कथा वाचक ने मौजूद लोगों को ईश्वर भक्ति का संदेश दिया। साथ ही जीवन का कुछ हिस्सा धर्म-कर्म तथा समाजसेवा में लगाने की सीख दी।

तीन वाहन चोरों से दस बाइक बरामद

- बाइक चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले गिरोह के तीन सदस्य गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, (कासं)। श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ और अनूपगढ़ जिले में पिछले तीन महीने में बाइक चोरी करने की वारदातों को अंजाम देने वाले गिरोह के तीन सदस्यों को घमूड़वाली पुलिस ने गिरफ्तार किया। इनके कब्जे से चोरी किए गए दस बाइक रिड़मलसर पुलिस चौकी ने बरामद की है।

श्रीकरणपुर सीओ संजीव चौहान और घमूड़वाली थाना प्रभारी पृथ्वीराज की अगुवाई में पुलिस की विशेष टीम ने जिले में लगातार हो रही बाइक चोरी की वारदातों के संबंध में अपराधियों की धरपकड़ की मुहिम शुरू की। सीओ चौहान ने बताया कि शुक्रवार को रिड़मलसर पुलिस चौकी ने तीन संदिग्धों से पूछताछ की तो उन्होंने पिछले तीन महीनों में श्रीगगानगर, हनुमानगढ व अनूपगढ से दस मोटरसाइकिल चोरी करना स्वीकार किया। चोरी की बाइक बरामद की गई।

इस संबंध में आरोपी गांव 21 आरबी हाल रिड़मलसर निवासी 18 वर्षीय जुगप्रीत सिंह उर्फ जग्गा पुत्र जगसीर सिंह, गांव 2 सीसी निवासी 20 वर्षीय मनप्रीत सिंह उर्फ शेडी पुत्र पालाराम, राजियासर क्षेत्र गांव भोजेवाला हाल गांव साजनवाला निवासी 20 वर्षीय अनिल कुमार पुत्र कालूराम को गिरफ्तार किया।

पुलिस के अनुसार इस गिरोह ने तीन माह पहले पुरानी आबादी दरगाह के पास, दस दिन पहले रायसिंहनगर के मेन बाजार में, दो माह पहले जिला मुख्यालय पर जस्सासिंह मार्ग के पास, रायसिंहनगर में अनूपगढ़ रोड पर फर्नीचर की दुकान के आगे से, एक माह पहले पदमपुर क्षेत्र सीसी हैड से, दो दिन पहले गजसिंहपुर रेलवे स्टेशन के पास, एक माह पहले गोलूवाला नहर के पास घर के आगे से, पदमपुर कोर्ट के पास, दो माह पहले श्रीगंगानगर पीएमजी हॉस्पिटल के पास, श्रीगंगानगर में पदमपुर रोड पर कोढियों वाली पुलिया के पास से बाइक चोरी की वारदात को अंजाम दिया था।

नानी से लूटे जेवरात

सुजानगढ़,(निसं)। नानी के साथ मारपीट कर जेवरात लूटने के आरोप में गिरफ्तार दोहिते को न्यायालय ने जेल भेजने के आदेश दिये हैं। थाना प्रभारी धर्मेन्द्र मीणा ने बताया कि नानी के साथ मारपीट कर जेवरात लूटने के आरोपी मोहम्मद जावेद अली पुत्र मोहम्मद अली निवासी सुजानगढ़ को रिमाण्ड अवधि पूरी होने पर न्यायालय में पेश किया गया। जहां से आरोपी को जेल भेज दिया गया। थाना प्रभारी ने बताया कि रिमाण्ड अवधि के दौरान आरोपी की निशानदेही पर वारदात में काम ली गई स्कूटी को जयपुर के कूकस स्थित एक होटल से बरामद कर जब्त किया गया है। आरोपी होटल में 25 सौ रूपये प्रति माह किराये पर रह रहा था। थाना प्रभारी ने बताया कि नानी से लूटे गए जेवरात आरोपी ने बजाज फाइनेंस में गिरवी रख कर 1 लाख 72 हजार रूपये का लोन लिया। फाइनेंस कम्पनी ने लोन की राशि में से 8 हजार रूपये आरोपी को नगद दिये तथा शेष राशि उसके खाते में भेज दी। पुलिस ने बजाज फाइनेंस कम्पनी से लोन सम्बंधी रिकॉर्ड जब्त किया है तथा फाइनेंस कम्पनी को नोटिस देकर गिरवी रखे हुए जेवरात को खुर्द बुर्द नहीं करने तथा आवश्यकता होने पर न्यायालय में पेश करने के लिए पाबंद किया है। ज्ञात रहे कि गत 04 अप्रेल को सिंघी कुआ के पास रहने वाली जेबुनिशा पत्नी मो. हुसैन भाटी के साथ मारपीट कर उसके दोहिते मोहम्मद जावेद अली पुत्र मोहम्मद अली निवासी सुजानगढ़ ने जेवरात लूट लिये थे।

कार की टक्कर से मौत

बीकानेर, (कासं)। जिले के नोखा थानान्तर्गत शनिवार सुबह पीपल पूजा कर घर लौट रही महिला को कार ने टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार हादसा हादसा शनिवार सुबह पूर्व नेता प्रतिपक्ष रामेश्वर डूडी के आवास के पास हुई।

कर्मचारी कॉलोनी की रहने वाली ललिता पत्नी विजय कुमार शनिवार सुबह पीपल पूजा कर वापस घर जा रही थी। तभी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर घायल हो गई। महिला को राहगीर व पुलिस नोखा अस्पताल लेकर गए जहां से उसे पीबीएम अस्पताल रैफर कर दिया। पीबीएम अस्पताल में इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई।

छत गिरने पर एस.एस.बी. ऑपरेशन थियेटर बंद

- अस्थाई तौर पर ऑपरेशन पीबीएम अस्पताल के पुराने भवन के ए ब्लॉक और ट्रोमा सेंटर के ओ.टी. का उपयोग किया जायेगा

बीकानेर, (कासं)। डेढ़ सौ करोड़ रुपए से निर्मित पीबीएम के सुपर स्पेशियलिटी (एसएसबी) में शिशु शल्य चिकित्सा वार्ड की सिलिंग गिरने के बाद ऑपरेशन थियेटर को बंद कर दिया गया है। भवन की गुणवत्ता की जांच चल रही है। अस्थाई तौर पर ऑपरेशन पीबीएम अस्पताल के पुराने भवन के ए ब्लॉक और ट्रोमा सेंटर के ऑपरेशन थियेटर (ओटी) का उपयोग किया जायेगा।

पीबीएम अस्पताल का पुराना भवन छोटा पड़ने और आधुनिक उपचार की सुविधाओं के लिए सरकार ने 150 करोड़ रूपए की लागत से 2019 में एसएसबी ब्लॉक का निर्माण कराया। यह देखने में महानगरों के निजी अस्पताल की तरह नजर आता है। इसमें सुपर स्पेशलिस्ट चिकित्सकों की यहां ओपीडी और भर्ती वार्ड, ऑपरेशन थियेटर और जांचों की व्यवस्था की गई। इसका परिणाम मरीजों को राहत के रूप में देखने को भी मिला है। परन्तु भवन निर्माण की गुणवत्ता में रही कमी ने सब पर पानी फेर दिया है।

एसएसबी ब्लॉक तैयार होने के बाद लबे समय तक पर्याप्त स्टाफ नहीं मिलने से उपयोग नहीं किया जा सका। कोविड आने पर अप्रेल 2020 में इस भवन का उपयोग कोविड मरीजों के लिए किया गया।

शहीद भगत सिंह विधि महाविद्यालय में वार्षिक उत्सव आयोजित

महाविद्यालय में वार्षिक उत्सव का आयोजन किया ।

सीकर,(निसं)। शहीद भगत सिंह विधि महाविद्यालय में शनिवार को वार्षिक उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती प्रतिमा एवं महाविद्यालय संस्थापक स्वर्गीय डॉक्टर गंगासहाय शर्मा की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्प अर्पित किये गये।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधीपति अनूप कुमार ढंड रहे। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि विधि शिक्षा प्राप्त व्यक्ति समाज को विकसित व जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह कर सकता है, विद्यार्थियों को विधि के अध्ययन को गंभीरता से करना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता गवर्नमेंट विधि पीजी महाविद्यालय सीकर के प्राचार्य प्रोफेसर डी एस थालोड़ ने कहा कि एक अधिवक्ता समाज में न्याय से वंचित व्यक्ति के अधिकारों की रक्षा करता है और उसे सामर्थ्यवान बनता है अथवा विधि के विद्यार्थियों को संवेदनशील होकर करना चाहिए। इस अवसर पर सीकर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष जगदीश गिठाला एडवोकेट सहित अनेक सीनियर अधिवक्ताओं सत्यनारायण शर्मा, सत्यनारायण सिकरिया, राजेंद्र शर्मा, अरुण गुप्ता, पुरुषोत्तम शर्मा, जगदीश चंद्र घोटाला, महावीर जांगू, सांवरमल बिजारणिया, जय सिंह मील, हरीश शर्मा, महेश मिश्रा, राहुल पारीक आदि थे।

इस अवसर पर संस्था सचिव कमल शर्मा, योगेश शर्मा एडवोकेट व प्राचार्य डॉक्टर दिनेश शुक्ला ने आभार व्यक्त किया। विद्यार्थियों ने अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम किये जिसमें बाल विवाह है एक अभिशाप विषय पर नाटक का प्रस्तुतिकरण किया गया ।

इस अवसर पर विधि प्रथम वर्ष, द्वितीय वर्ष, तृतीय वर्ष के टॉपर्स को न्यायाधीश अनूप कुमार दंड के द्वारा सम्मानित किया गया। इन टॉपर्स में राज कंवर, प्रदीप, चंदन, राजवीर सोडा, ज्योति कंवर, सादिया खान, खुशबू सोनी, लक्ष्य पारीक आदि थे। कार्यक्रम में प्रथम वर्ष के छात्रों का स्वागत व तृतीय वर्ष के उर्तीण को विदाई दी गई। इसके साथ मिस्टर फ्रेशर उमेश कुमार सैनी व मिस फ्रेशर रेनू शर्मा चुने गए।

कार्यक्रम का संचालन जिला साक्षरता अधिकारी राकेश लाटा एवं एडवोकेट मधुसूदन शर्मा ने किया। इस अवसर पर स्टाफगण राजेश कुमार सेन, चांदनी जैन, दीपाली शेट्टी, रामावतार बडजाती , एडवोकेट संजय कुमार तालनिया , मुकेश कुमार आदि उपस्थित रहें। कार्यक्रम में सैंकड़ों विद्यार्थी उपस्थिति थे ।

प्रतियोगिता का आयोजन हुआ

झुंझुनूं,(निसं)। स्थानीय गणपति नगर स्थित न्यू राजस्थान पब्लिक स्कूल में बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट का सीधा सा मतलब है, उस सामग्री से नवीन और आकर्षक चीजें बनाना या तैयार करना, जिनका हम अब उपयोग नहीं करते हैं। छात्र-छात्राओं द्वारा रचनात्मक कला और शिल्प विचारों का प्रदर्शन किया गया। कागज का फूलदान, दीवार पर लटकने वाले सामान, ग्रीटिंग कार्ड, उपयोगिता बॉक्स, खिलौने और कागज के गहने और भी कई प्रकार के उपयोगी और सौंदर्यजनक आइटम बनाए गए। छात्र-छात्राओं ने सुंदर शिल्प बनाने के लिए पुरानी चीजों का उपयोग करने की आदत पैदा करने की पहल की।

जिसमें ग्रुप एक में कक्षा एक व दो से मुस्कान कक्षा एक प्रथम स्थान व शांभवी द्वितीय स्थान, ग्रुप 2 में कक्षा 3 व 5, रिदविका कक्षा 3 प्रथम स्थान स्नेहा कक्षा 5 द्वितीय स्थान, गु प 3 कक्षा 6 से 8 तनिष्का प्रथम स्थान, आलिया द्वितीय स्थान, ग्रुप 4 कक्षा 9 से 12 निधि कक्षा 12 से प्रथम स्थान, सुप्रिया कक्षा 9 द्वितिय स्थान पर रही।

शिक्षा विभाग का सस्पेंड एल.डी.सी. चोरी के मामले में गिरफ्तार

- पकड़ा गया आरोपी शुभम पिछले लम्बे अर्से से गबन के प्रकरण में सस्पेंड चल रहा है

श्रीकरणपुर, (कासं)। गबन के मामले में सस्पेंड चल रहा शिक्षा विभाग का एलडीसी चोरी के आरोप में पकड़ा गया। चोरी का घटनाक्रम एक दिन पहले वार्ड 25 में सामने आया था और वहां एक शिक्षिका के घर में चोरी हुई थी। पुलिस के मुताबिक आरोपी को अदालत में पेश कर रिमांड पर लिया जायेगा।

सीआई सुरेन्द्र प्रजापत ने बताया कि एक दिन पहले हुई चोरी के प्रकरण में शुभम बड़भुंजा उर्फ डिप्टी (27) पुत्र महेंद्र निवासी वार्ड 08 को गिरफ्तार किया गया है। सीआई ने बताया कि घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के आधार पर पुलिस आरोपी तक पहुंची और उसे गिरफ्तार कर लिया गया। हालांकि प्रकरण में परिवादिया ने भी इस युवक पर चोरी का संदेह जताया था। सीआई ने बताया कि आरोपी को अदालत में पेश कर रिमांड पर लिया जायेगा।

इसके बाद चोरी के सामान की बरामदगी के प्रयास किए जायेंगे। उन्होंने आशंका जताई कि आरोपी अन्य चोरियों में भी संलिप्त हो सकता है।

उधर जांच अधिकारी एसआई बेगराज मीणा ने बताया पुष्पा लुगारिया पुत्री बलराज लुगारिया निवासी वार्ड 25 ने दो मई गुरुवार को रिपोर्ट दी कि एक मई को सुबह 11.40 बजे वह अपने पुत्र मनीष कुमार के साथ गांव मल्लेकां (सिरसा) गई थी।

अगले दिन सुबह करीब छह बजे वापस लौटी तो घर के ताले टूटे पड़े थे। कमरे के भीतर सारा सामान बिखरा पड़ा था। वहीं, अलमारी में से कीमती गहने व 20 हजार रूपए की नकदी के अलावा एक लाख रूपए की एफडी की कॉपी आदि गायब मिले।

रिपोर्ट में परिवादिया ने पड़ोसियों से मिली जानकारी के आधार पर बताया था कि एक मई की शाम को शुभम बड़भुंजा उसके घर के आसपास घूम रहा था। वहीं उसने शुभम पर ही चोरी का संदेह जताया था।

जानकारी अनुसार चोरी के प्रकरण में पकड़ा गया आरोपी शुभम शिक्षा विभाग में अनुकंपा नौकरी के तहत एलडीसी पद पर कार्यरत है और पिछले लम्बे अर्से से गबन के प्रकरण में सस्पेंड चल रहा है।

इस बारे में सीबीईओ सुरेन्द्र अरोड़ा ने बताया कि चैक पर फर्जी हस्ताक्षर कर छह वी धनूर के सरकारी स्कूल के खाते से 70 हजार रूपए निकालने के प्रकरण में एलडीसी शुभम की संलिप्तता सामने आने पर उसे निलंबित कर दिया गया था।

निलंबन काल में एलडीसी का मुख्यालय स्थानीय सीबीईओ कार्यालय किया गया। लेकिन करीब आठ माह से उसने यहां भी उपस्थिति नहीं दी। सीबीईओ ने बताया कि इस संबंध में एलडीसी को कई नोटिस भी जारी किए गए।

मुझे पूरी उम्मीद है कि मेरा छोटा सा मजाक भारतीय राजनीति में किसी की पैरवी या विशेषज्ञता के तौर पर नहीं देखा जाएगा। एक नेता मेरे प्रिय खेल के बारे में टिप्पणी कर रहा है, मुझे यह दिख रहा है। **- गैरी कास्परोव**

रूस के महान शतरंज खिलाड़ी, सोशल मीडिया पर उनका पोस्ट वायरल होने पर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

मनीषा चौहान

उत्तराखंड के हरिद्वार से वंदना कटारिया के बाद श्यामपुर की मनीषा चौहान ने भारतीय महिला हॉकी टीम में जगह बनाई है। टीम में घोषणा के बाद मनीषा चौहान के परिवार को बधाई देने वालों का तांता लग गया है। मनीषा चौहान के पिता सेना से रिटायर हैं और मनीषा चौहान ने हाल ही में राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन किया था जिसके बाद मनीषा चौहान को राष्ट्रीय टीम में जगह दी गई। जल्द ही भारतीय महिला हॉकी टीम एफ आई एच प्रो लीग खेलने बेल्जियम और इंग्लैंड जाएगी। मनीषा का जन्म सन 1999 में हरिद्वार के श्यामपुर में हुआ।

क्या आप जानते हैं ?... टेस्ट क्रिकेट इतिहास का पहला टेस्ट इंग्लैंड व ऑस्ट्रेलिया के मध्य 1877 में मेलबोर्न में खेला गया था। इसे ऑस्ट्रेलिया ने 45 रन से जीता।

गांगुली ने की भविष्यवाणी, इन दो टीमों को बताया बेस्ट

नई दिल्ली, 4 मई। टी20 वर्ल्ड कप 2024 से पहले पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने दो टीमों को बेस्ट बताया है। दरअसल, गांगुली ने अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले आगामी टी20 वर्ल्ड कप के लिए भारत और ऑस्ट्रेलिया

को दो सर्वश्रेष्ठ टीमों के रूप में चुना है। टूर्नामेंट की शुरुआत 2 जून से हो रही है। गांगुली ने कहा है कि भारत और ऑस्ट्रेलिया वनडे वर्ल्ड कप 2023 की फाइनलिस्ट हैं। उम्मीद है कि भारत और ऑस्ट्रेलिया टी20 वर्ल्ड कप 2024 में अपना दबदबा बनाए रखेगा।सौरव गांगुली ने कहा कि, भारत और ऑस्ट्रेलिया टूर्नामेंट की दो सर्वश्रेष्ठ टीमें हैं मुझे यकीन है कि वे अमेरिका और वेस्टइंडीज में भी ऐसा ही करेंगे। टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए 20 टीमों को 5-5 के 4 ग्रुप में बांटा गया है। हर ग्रुप की टॉप-2 टीमें सुपर-8 में जगह बनाएंगी। टीम इंडिया ग्रुप ए में है। इस ग्रुप में भारतीय टीम के अलावा पाकिस्तान, आयरलैंड, कनाडा और अमेरिका की टीम भी शामिल हैं। दूसरी ओर ऑस्ट्रेलिया ग्रुप बी में है। इस ग्रुप में उनके अलावा इंग्लैंड, नामीबिया, स्कॉटलैंड और ओमान की टीमें शामिल हैं।

बेंगलुरु की लगातार तीसरी जीत

// प्लेऑफ की उम्मीदें बरकरार //

नई दिल्ली, 4 मई। एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में शनिवार को बेंगलुरु ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। गुजरात 19.3 ओवर में 147 रन पर ऑलआउट हो गई। जवाब में बेंगलुरु ने 13.4 ओवर में 6 विकेट पर टारगेट हासिल कर लिया। स्वप्निल सिंह ने राशिद खान के खिलाफ विनिंग सिक्स लगाया।

कप्तान फाफ डु प्लेसिस ने 23 बॉल पर 64 रन की अर्धशतकीय पारी खेली, जबकि विराट कोहली ने 27 बॉल पर 42 रन बनाए। दोनों ने 92 रनों की ओपनिंग साझेदारी की। गुजरात से जोशुआ लिटिल ने 4 विकेट झटके, जबकि नूर अहमद को 2 सफलताएं मिलीं।

राहुल तेवतिया 35, डेविड मिलर 30 और शाहरुख खान 37 रन बनाकर आउट हुए। राशिद खान ने 18 रन बनाए। बेंगलुरु से मोहम्मद सिराज, विजयकुमार वैशाख और यश दयाल ने 2-2 विकेट लिए।

11वें ओवर में बेंगलुरु ने छठा विकेट भी गंवा दिया है। यहां विराट कोहली 42 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें नूर अहमद ने विकेटकीपर ऋद्धिमान साहा के हाथों कैच कराया। उन्होंने विल जैक्स (एक रन) को भी आउट किया। 11 ओवर के बाद बेंगलुरु का स्कोर 117/6 रहा। 10वें ओवर में बेंगलुरु ने 5वां विकेट भी गंवा दिया है। यहां कैमरन ठाीन एक रन बनाकर आउट

हुए। उन्हें जोशुआ लिटिल ने शाहरुख खान के हाथों कैच कराया। उन्होंने ग्लेन मैक्सवेल (4 रन), इम्पैक्ट प्लेयर रजत पाटीदार (2 रन) और फाफ डु प्लेसिस (64 रन) को भी आउट किया। बेंगलुरु ने 8वें ओवर में चौथा विकेट गंवा दिया है। ग्लेन मैक्सवेल 4 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें जोशुआ लिटिल ने डेविड मिलर के हाथों कैच कराया। उन्होंने ओवर की तीसरी बॉल पर इम्पैक्ट प्लेयर रजत पाटीदार (2 रन) को भी आउट किया। लिटिल मैच में तीन विकेट ले चुके हैं।

चेन्नई के खिलाफ टीम में परिवर्तन की जरूरत नहीं पड़ेगी : जोशी

धर्मशाला, 4 मई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मौजूदा सत्र में लगातार दो जीत से उत्साहित पंजाब किंग्स के गेंदबाजी कोच सुनील जोशी ने कहा कि रविवार को यहां चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ मैच में टीम में संभवत: बदलाव की जरुरत नहीं होगी।

हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) से पंजाब किंग्स का मुकाबला होगा। पंजाब किंग्स के स्पिन बॉलिंग कोच सुनील जोशी ने शनिवार को प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, धर्मशाला का मैदान क्रिकेट खेलने वाले देशों में सबसे अच्छे मैदानों में से एक है, हमें यहां खेलने का स्थान और सतह मिलती है। यह एक शानदार मैदान है। पंजाब ने पिछले सप्ताह विश्व टी20 में रिकॉर्ड 262 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को हराया था। इस सप्ताह की शुरुआत में, किंग्स ने 163 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 7 विकेट और 13 गेंद शेष रहते हुए सीएसके पर बड़ी जीत हासिल की थी। जोशी ने कहा, नहीं, हमें नहीं लगता कि हम कोई बदलाव करेंगे। क्योंकि हम विजेता टीम को बरकरार रखना चाहते हैं।

टीम के नियमित कप्तान शिखर धवन की चोट को लेकर पूछे गये सवाल पर उन्होने कहा धवन का पुनर्वास सही रास्ते पर है। वह अच्छा कर रहे हैं। वह अगले गेम के लिए उपलब्ध नहीं हैं। उम्मीद है कि वह अंतिम दो मैचों के लिए वापस आ जाएंगे। शिखर पिछले साल भी घायल हो गए थे। वह अच्छा खेल रहे थे लेकिन उनकी चोट के कारण सैम करन को कप्तान बनना पड़ा। सैम एक बार फिर एक लीडर के रूप में सामने आए हैं और उन्होंने टीम के साथ कदम बढ़ाया है।

टूर्नामेंट उस स्तर पर पहुंच गया है जहां सभी टीमें शीर्ष चार स्थानों पर कब्जा करने और प्लेऑफ में जगह पक्की करने के लिए संघर्ष कर रही हैं। स्पिन कोच ने जोर देकर कहा कि उनकी टीम का ध्यान सही नतीजे हासिल करने पर है और अंक तालिका की गणना पर उसका ज्यादा ध्यान नहीं है। उन्होने कहा हमने जो टीम बातचीत की है, उसमें हमारा दृष्टिकोण सर्वश्रेष्ठ प्रयास करना और गेम जीतने के लिए खेलना है। तालिका की गणना अपने आप हो जाएगी।

हम उस हिस्से को बहुत करीब से नहीं देखते हैं। हम जो देखते हैं वही होता है वे क्षेत्र हैं जिनमें हम बेहतर कर सकते हैं, हमने पिछले कुछ मैचों में क्या नहीं किया है, हम क्या सर्वश्रेष्ठ कर सकते हैं और एक टीम के रूप में हम कैसे सुधार कर सकते हैं, यही हमारी खिलाड़ियों के साथ बातचीत है। उन्होंने कहा, हमारी कार्ययोजना जीतते रहने की है। चुनौती हमेशा बल्ले और गेंद से होती है। यह एक अच्छी सतह है। मैं खिलाड़ियों से कहता रहता हूं कि वे अपने कौशल का प्रदर्शन करें।

बरसों बाद 2011 वर्ल्डकप ट्रॉफी देख क्या सोच रहे थे धोनी

नई दिल्ली, 4 मई। टी-2 2024 की विश्वकप ट्रॉफी को देखकर क्या सोच रहे थे इस राज से परदा उठा चुका है। खुद धोनी ने इसके बारे में बताया है। हाल ही में एक कार्यक्रम के दौरान एमएस धोनी से इस बारे में सवाल पूछा गया था। इसके जवाब में धोनी ने वह राज खोला। बता दें कि कुछ दिन पहले चेन्नई सुपर किंग्स की टीम मुंबई में अपना आईपीएल मैच खेलने पहुंची थी। इसी दौरान धोनी बीसीसीआई मुख्यालय पहुंचे थे। तभी धोनी की 2011 की विश्वकप ट्रॉफी के साथ फोटो सामने आई थी। ट्रॉफी को टच करते हुए धोनी पुरानी यादों में खोए नजर आ रहे थे। जो वीडियो सामने आया है, उसमें धोनी किसी कार्यक्रम में स्टेज पर बैठे हुए हैं। उनके साथ ड्वेन ब्रावो भी नजर आ रहे हैं। इसी दौरान एंकर धोनी से सवाल पूछती है। वह कहती है कि हाल ही में आपने 2011 के विश्वकप ट्रॉफी को रिविजिट किया था। इसको टच करते हुए आपकी तस्वीर आई थी। इस दौरान सबसे पहला सवाल आपके मन में क्या आया था? जवाब देने से पहले धोनी कार्यक्रम में मौजूद लोगों से पूछते हैं कि यह सवाल किसका है?

टी-20 : 2024 से पहले भारत को लग सकता है बड़ा झटका

रोहित शर्मा हैं चोटिल

नई दिल्ली, 4 मई। टी20 वर्ल्ड कप 2024 से पहले भारतीय क्रिकेट टीम के फैंस के लिए एक बुरी खबर आ रही है। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा की पीठ में जकड़न की खबरें आ रही हैं, जिससे आगामी टी20 वर्ल्ड कप में उनकी भागीदारी पर संकट मंडरा रहा है। ईपीएल में केकेआर के खिलाफ मुकाबले में रोहित शर्मा प्लेइंग इलेवन का हिस्सा नहीं थे। स्टार ओपनर, जो वर्तमान में आईपीएल 2024 में एमआई के लिए दूसरा सबसे ज्यादा रन बनाने वाला खिलाड़ी है को केवल एक इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में शामिल किया गया। मुंबई इंडियंस के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने दूसरी पारी में 12 गेंदों पर 11 रन बनाए। कोलकाता नाइट राइडर्स ने मुंबई इंडियंस पर 24 रन से जीत हासिल की है। मैच के बाद एक इंटरव्यू में, एमआई में रोहित शर्मा के साथी अनुभवी स्पिनर पीयूष चावला ने पूर्व कप्तान की अनुपस्थिति के कारण का खुलासा किया। चावला ने बताया कि, उन्हें बस पीठ में हल्की सी अकड़न थी। इसलिए एहतियात बरतने के कारण उन्हें इम्पैक्ट प्लेयर बनाया गया।

इवेंट में आने से इंकार करना भारत को पड़ेगा भारी : लतीफ

नई दिल्ली, 4 मई। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर राशिद लतीफ अक्सर भारत को लेक कुछ ना कुछ उलजलूल बोलते रहते हैं। अब एक बार फिर उन्होंने कहा है कि, भारत अगले साल चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान का दौरा करने से मना करता है तो उसे भारी पड़ेगा। सूत्रों ने आईएएनएस को पहले बताया था कि भारतीय टीम पाकिस्तान में चैंपियंस ट्रॉफी खेलने ते लिए नहीं जा सकता है। इसमें कहा गया है कि आयोजन स्थान को संभावित रूप से बदले या हाइब्रिड मॉडल पर विचार करने के बारे में चर्चा हो रही है। वहीं इस पर प्रतिक्रिया देते हुए राशिद लतीफ ने से कहा कि, आप द्विपक्षीय सीरीज से इनकार कर सकते हैं। लेकिन आईसीसी आयोजनों से इनकार करना कठिन होगा। जब आईसीसी अपनी योजना बनाती है, तो टीमों को पता होता है कि उन्हें कहां खेलना है। जैसे पाकिस्तान को पता था कि उन्हें वर्ल्ड कप खेलने के लिए भारत जाना है, और क्रिकेट बोर्डों के लिए अनुबंध पर हस्ताक्षर किए जाते हैं।

प्लेऑफ में उम्मीदों को पुख्ता करने की कोशिश में लगे एलएसजी के सामने केकेआर की मजबूत चुनौती

नई दिल्ली, 4 मई। इंडियन प्रीमियर लीग में प्लेऑफ की ओर बढ़ रही लखनऊ सुपरजायंट्स (एलएसजी) और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीमें रविवार को जब एक-दूसरे के सामने मैदान में होंगी तो उनका इरादा जीत के साथ अंतिम चार में अपनी जगह का दावा मजबूत करने पर होगा। मुंबई इंडियंस को उसके घरेलू मैदान पर कम स्कोर वाले मैच में 24 रन से मात देने के बाद केकेआर को नाम 14 अंक हो गये है और टीम प्लेऑफ क्वालीफिकेशन के बेहद करीब है। ऐसे में लोकेश राहुल की अगुवाई में एलएसजी पर दबाव होगा कि वह श्रेयस अय्यर की टीम के खतरे से बचने का रास्ता खोजे। एलएसजी के 10 मैचों में छह जीत और चार हार के साथ 12 अंक है और यह टीम केकेआर से सिर्फ एक पायदान नीचे तीसरे नंबर पर है। चौथे स्थान पर सनराइजर्स हैदराबाद (12 अंक) जबकि चेन्नई सुपरकिंग्स (10 अंक) और दिल्ली कैपिटल (10 अंक) भी मजबूती के साथ शीर्ष चार में जगह बनाने की दौड़ में बनी हुई है। एलएसजी को यहां एकाना स्टेडियम में अपने पिछले मुकाबले में मुंबई इंडियंस के खिलाफ 145 रन के मामूली लक्ष्य का पीछा करने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी। टीम आखिरी ओवर में सिर्फ चार विकेट से जीत हासिल कर सकी।

राजधानी

पेपर लीक मामले में सरकारी कर्मचारियों समेत 12 आरोपियों पर इनाम घोषित

- **जेईएन पेपर लीक के मास्टरमाइंड यूनिक उर्फ पंकज भांबू पर एसओजी ने 1 लाख रुपए का इनाम की घोषणा की है।**
- **इसके साथ ओमप्रकाश ढाका पर 75 हजार का इनाम घोषित किया गया है।**

जयपुर। प्रदेश में पेपर लीक गैंग की जांच कर रही एसओजी ने शनिवार को फरार चल रहे सरकारी कर्मचारी सहित 12 आरोपियों पर इनाम घोषित किया है। वहीं, जेईएन पेपर लीक के मास्टरमाइंड यूनिक उर्फ पंकज भांबू पर एसओजी ने 1 लाख रुपए का इनाम की घोषणा की है। इसके साथ ओमप्रकाश ढाका पर 75 हजार का इनाम घोषित किया गया है।

वहीं, पेपर लीक और डमी बनकर पेपर देने वाले पोरव कालेर, हनुमान मीणा, शैतानराम विश्वोई, सम्मी उर्फ छम्मी पत्नी गणपत राम विश्वोई, रिंकू और विनोद कुमार रेवाड पर 50-50 हजार रुपए का इनाम रखा गया है। इनके अलावा भंवर लाल, दीपक राहड, वर्षा विश्नोई और सुनील बेनीवाल पर 25-25 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया है। शैतानराम जोधपुर कमिश्नरेट में कांस्टेबल के पद पर तैनात था। सम्मी उर्फ छम्मी बाडमेर में सरकारी अध्यापिका है। वर्षा विश्नोई जोधपुर में सरकारी स्कूल में अध्यापिका है।

एसओजी के एडीजी वीके सिंह ने बताया कि पेपर लीक मामले में एसओजी ने एफआईआर दर्ज की है। एफआईआर में जो लोग फरार चल रहे हैं, उनके खिलाफ इनाम घोषित किया गया है। एक दो दिन में और लोगों के खिलाफ भी इनाम की घोषणा की जाएगी।

वीके सिंह ने बताया कि यूनिक उर्फ पंकज भांबू की लंबे समय से एसओजी को तलाश है, इसलिए पर उस सबसे अधिक इनाम की घोषणा की गई है। इनमें कुछ आरोपी वो भी हैं, जिन्होंने कैंडिडेट की जगह डमी बैठकर परीक्षा दी थी। एसओजी की कार्रवाई के बाद ये लोग फरार हो गए। इसमें कुछ सरकारी कर्मचारी भी हैं।

यूनिक चूरू की पूनिया कॉलोनी का रहने वाला है। उसका परिवार मूलत: झुंझुनूं के मंडावा में धीरासर गांव का है। यूनिक के पिता जगदीशचंद भांबू भी शिक्षा विभाग से रिटायर्ड हैं। उनकी पोस्टिंग चूरू में ही थी। इसीलिए परिवार चूरू आकर रहने लग गया था। यूनिक को वनपाल परीक्षा पास करने के बाद 21 अगस्त 2023 में पोस्टिंग मिली। इसके बाद वह चूरू से अलवर चला गया था। अलवर में ही उसने जॉइन की थी। अलवर में उसकी ट्रेनिंग भी चल रही थी। यूनिक की पत्नी और भाई भी सरकारी नौकरी में हैं।

राजस्थान उच्च न्यायालय परिसर में शनिवार को बेजुबान पक्षियों के लिए गर्मी के मौसम में अधिवक्ताओं द्वारा परिंडे लगाए गए। इस नेक कार्य में राजस्थान सरकार के अतिरिक्त महाधिवक्ता बसंत सिंह छाबा की उपस्थिति रही।

रिटायर्ड आई.ए.एस. यदुवेन्द्र माथुर का चैन्नई में निधन

जयपुर (कासं)। राजस्थान कैडर के 1986 बैच के रिटायर्ड आई.ए.एस. ऑफिसर यदुवेन्द्र माथुर का शनिवार को चैन्नई में निधन हो गया। वे करीब 65 वर्ष के थे। चैन्नई स्थित एक अस्पताल में हार्ट सर्जरी के दौरान शनिवार शाम करीब सवा 5 बजे यदुवेन्द्र माथुर ने अंतिम सांस ली। वे अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़कर गए हैं। जानकारी के मुताबिक स्व. माथुर की पार्थिव देह चैन्नई से जयपुर लाई जा रही है। जयपुर में जवाहर लाल नेहरू मार्ग स्थित ज्वैल्स ऑफ इंडिया अपार्टमेंट में उनका आवास है। यहीं से स्व. यदुवेन्द्र माथुर की अंतिम यात्रा स्थानीय मोक्षधाम तक निकाली जायेगी।

ज्ञात रहे कि स्व. यदुवेन्द्र माथुर वर्ष 2017 में केन्द्रीय नीति आयोग के सचिव पद से सेवानिवृत हुए थे। वे करीब 3 वर्ष तक केन्द्रीय वित्त मंत्रालय में एक्सपोर्ट-इम्पोर्ट बैंक ऑफ इंडिया के चेयरमैन व प्रबंध निदेशक भी रहे। इससे पूर्व में माथुर ने राजस्थान वित्त

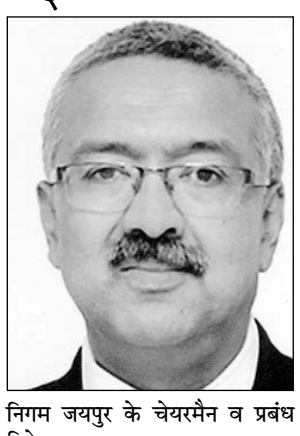

निगम जयपुर के चेयरमैन व प्रबंध निदेशक तथा राजस्थान राजस्व आसूचना विभाग के डायरेक्टर जनरल के पद पर भी सेवाएं दी। राजस्थान वित्त विभाग के सचिव और प्रमुख सचिव के पद पर भी उनकी सेवाएं सराहनीय रहीं। वे भारतीय प्रशासनिक सेवा में राजस्थान कैडर के 1986 बैच के टॉपर थे। उनके निधन पर भारतीय प्रशासनिक सेवा के वर्तमान और पूर्व अधिकारियों ने गहरा शोक जताया है।

'रेलवे आठ लाख रुपए अदा करे'

जयपुर। रेलवे दावा न्यायाधिकरण ने ट्रेन से गिरकर यात्री की मौत के मामले में पश्चिम -मध्य रेलवे को आदेश दिए हैं कि वह मृतक के परिजनों को आठ लाख रुपए की राशि बतौर क्षतिपूर्ति अदा करे। न्यायाधिकरण ने इस राशि पर 9 फीसदी ब्याज भी अदा करने को कहा है। न्यायाधिकरण ने यह आदेश अल्लाबंदा व जरीना के क्षितपूर्ति दावे पर सुनवाई करते हुए दिए।

दावे में अधिवक्ता हरिशंकर गौड़ ने न्यायाधिकरण को बताया कि दावाकर्ता का बेटा शाहरुख अपने चाचा के साथ 14 मार्च, 2020 को नागपुर से बनस्थली, निवाई के लिए बिलासपुर-भगत की कोठी ट्रेन में टिकट लेकर बैठा था। ट्रेन के 15 मार्च की शाम सवाई माधोपुर पहुंचने पर शाहरुख बाथरूम की ओर गया। यहां ट्रेन की गैलेरी में हाथ धोने के दौरान झटका लगने और यात्रियों के दबाव के चलते वह चलती गाडी से नीचे गिर गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। दावे में कहा गया कि गाडी चलने के दौरान झटके लगने के कारण वह नीचे गिरा था।

वेटिंग लिस्ट से नियुक्ति नहीं देने पर जवाब मांगा

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने स्कूल व्याख्याता भर्ती-2022 में निकाले गए पदों को नहीं भरने और खाली चल रहे पदों पर वेटिंग लिस्ट से नियुक्तियां नहीं देने पर शिक्षा विभाग और आरपीएससी से जवाब तलब किया है। जस्टिस गणेश राम मीणा की एकलपीठ ने यह आदेश धर्मेश काछवाल की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने अदालत को बताया कि आरपीएससी ने 28 अप्रैल, 2022 को भौतिक विज्ञान सहित 26 विषयों के स्कूल व्याख्याता पदों की भर्ती के लिए आवेदन मांगे। भर्ती में भौतिक विज्ञान के 82 पद थे। आयोग ने भर्ती परीक्षा का परिणाम 10 अगस्त 2023 को आया और उसमें याचिकाकर्ता वेटिंग लिस्ट में आया था। याचिका में बताया गया कि मूल सूची में से कई अभ्यर्थियों ने पद पर ज्वाइन ही नहीं किया। ऐसे में वेटिंग लिस्ट के उम्मीदवारों को नियुक्तियां दी जानी चाहिए।

याचिकाकर्ता वेटिंग लिस्ट में पहला स्थान है। भर्ती के कई पद अभी भी खाली हैं।

पिछली कांग्रेस सरकार ने विकास कार्यों पर नहीं दिया ध्यान, भ्रष्टाचार में ही डूबी रही : भजनलाल

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सांगानेर विधानसभा कार्यकर्ताओं की बैठक ली**

जयपुर, (का.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि पिछली कांग्रेस सरकार ने विकास कार्यों में बिलकुल भी ध्यान नहीं दिया, केवल भ्रष्टाचार में ही डूबी रही। इसलिए आज हर विधानसभा में विकास कार्यों की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को अपने आवास पर विधानसभा क्षेत्र सांगानेर के प्रमुख कार्यकर्ताओं की आयोजित बैठक में यह बात कही। बैठक में 39 वार्डों के पार्षद एवं पार्षद प्रत्याशी 5 मंडल अध्यक्ष एवं पूर्व मंडल अध्यक्ष उपस्थित रहे।

बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जिस प्रकार से एक विधानसभा में मूलभूत सुविधाओं की आवश्यकता रहती है, राजस्थान की भाजपा सरकार उस दिशा में काम कर रही है, निश्चित रूप से किसी भी विधानसभा में मूलभूत सुविधाओं का अभाव नहीं रहेगा। भजनलाल शर्मा ने कहा कि आज प्रदेश की सरकार ने विकास की गति पकड़ ली है। शुरुआती दिनों में ही विकास कार्य को ध्येय मानते हुए कार्य किए। उसकी चर्चा सभी ओर है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता सांगानेर विधानसभा में सभी विकास कार्यों को लेकर सुझाव दें और जहाँ भी विकास की ज़रूरत है चाहे पानी, बिजली, सीवरेज, सेक्टर रोड, सड़कें, अस्पताल, हर घर नल या बारिश के पानी का जमाव की बात हो, उसमें निश्चित रूप से सुधार किया जाएगा और सांगानेर के साथ साथ प्रदेश में विकास के नये आयाम स्थापित होंगे।

बैठक में प्रमुख रूप से महापौर सौम्या गुर्जर, श्रीप्रकाश तिवाड़ी अभय पुरोहित, नवरत्न नरानियाँ, अशोक रावतानी, राजेन्द्र खरबास, जगदीश चंद्रावत, ओमप्रकाश शर्मा, अशोक यादव, निर्मल शर्मा भंवर लील आदि प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित थे।

अग्निपथ योजना से प्रभावित युवाओं से मिले राहुल गांधी

दिल्ली के जवाहर भवन में राहुल गांधी ने युवाओं से कहा, मेरा युवाओं से यह वादा है कि, अगर इंडिया गठबंधन सत्ता में आया तो तुरंत अग्निपथ योजना को बंद कर देंगे

- इस संबोधन के दौरान राहुल ने कुछ युवाओं को मंच से सवाल पूछने का भी मौका दिया जिसका उन्होंने जवाब भी दिया और अपने घोषणा पत्र को लेकर भी जानकारी साझा की।
- राहुल ने केंद्र सरकार की फ्लैगशिप स्कीम पर बड़ा हमला करते हुए कहा कि, अग्निपथ योजना से सेना में भेदभाव पैदा हुआ है और यह योजना भारतीय सेना के किसी दफ्तर में नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री मोदी के दफ्तर में तैयार की गई है।

नई दिल्ली, 4 मई। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने दिल्ली के जवाहर भवन में अग्निपथ योजना से प्रभावित युवाओं से मुलाकात की। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा, यह स्कीम भारतीय सेना के लोगों ने नहीं बनाई बल्कि, प्रधानमंत्री मोदी के दफ्तर में बनी है। राहुल गांधी के इस कार्यक्रम को न्याय मंच नाम दिया गया।

राहुल गांधी ने भवन में बैठे युवाओं से वादा किया कि, अगर "इंडिया" गठबंधन चुनाव जीत जाता है तो वे इस योजना को समाप्त कर देंगे और सेना में भर्ती वाली पुरानी प्रक्रिया को दोबारा शुरू कर देंगे। इस संबोधन के दौरान राहुल गांधी ने कुछ युवाओ को मंच से सवाल पूछने का भी मौका दिया जिसका उन्होंने जवाब भी दिया और अपने घोषणा पत्र को लेकर भी जानकारी साझा की। राहुल ने कार्यक्रम में बैठे युवाओं से अपील की कि, वह पोलिटिकल सोचें और अपनी ताकत को पहचानें।

सांसद राहुल गांधी ने अग्निपथ योजना से प्रभावित युवाओं से कहा कि "हमने अपने मैनिफेस्टो में लिख दिया है कि, हम अग्निवीर स्कीम को खत्म कर देंगे। अब आप लोगो का नुक्सान तो हो चूका है और आपको चोट लग चुकी है। आपने आर्मी में जाने का सपना देखा था जो पूरा नहीं हुआ। इसी तर्ज पर जो 1 लाख 50 हजार युवाओं ने आर्मी में जाने का एक सपना देखा था, उनके लिए मेरी सोच है कि जिन 1 लाख 50 हजार युवाओं ने सेना की भर्ती प्रक्रिया पूरी की थी, उन्हें मुआवजा तो मिलना ही चाहिए।"

राहुल ने केंद्र सरकार की फ्लैगशिप स्कीम पर बड़ा हमला करते हुए कहा कि, अग्निपथ योजना से सेना में भेदभाव पैदा हुआ है और यह योजना भारतीय सेना के किसी दफ्तर में नहीं बल्कि प्रधानमंत्री मोदी के दफ्तर में बनी है। उन्होंने कहा कि, अग्निवीर स्कीम भारतीय सेना के लोगों ने नहीं बनाई। इस स्कीम पर फैसला प्रधानमंत्री के दफ्तर में लिया गया। राहुल ने आगे केंद्र सरकार पर आरोप लगाते हुआ कहा कि अग्निवीर स्कीम बनाने के दौरान न ही सेना, न पॉलिसी मेकर्स और न ही डिफेंस एस्टेब्लिशमैंट पूछा गया था। कुल मिलाकर मोदी सरकार ने अग्निवीर स्कीम बनाने के लिए पूरा सिस्टम बाईपास कर दिया।

पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने आगे इस योजना की आलोचना करते हुए कहा, अग्निवीर का क्या मतलब है? अग्निवीर का मतलब है कि, जो गरीब लोग है उन्हें पेंशन नहीं देना चाहते, उन्हें हम शहीद का दर्जा नहीं दें चाहते लेकिन अमीर लोगों को यह सब मिलेगा। जो जवान है और शहीद होने के लिए तैयार है उन्हें शहीद होने का दर्जा नहीं मिलेगा। देश में दो तरह के शहीद होंगे एक अग्निवीर जिसको कुछ नहीं मिलेगा और दूसरे नॉर्मल जिसे सब मिलेगा। राहुल ने अंत में कहा कि, अग्निवीर स्कीम के कारण आज सेना में भेदभाव पैदा हो गया है। इस स्कीम ने आर्मी का मनोबल गिरा दिया है। इसीलिए हम अग्निवीर स्कीम को ख़त्म करेंगे और पूरी कोशिश करके युवाओं के लिए रास्ता बनाएंगे।

कांग्रेस प्रत्याशी ने प्रचार के दौरान बुजुर्ग महिला को थप्पड़ जड़ा

हैदराबाद, 4 मई। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और निजामाबाद लोकसभा क्षेत्र से पार्टी के उम्मीदवार तातिपर्थी जीवन रेड्डी विवादों में घिर गए हैं। उनका एक महिला को थप्पड़ मारते हुए वीडियो वायरल हो रहा है। बताया जा रहा है कि महिला ने कथित तौर पर कहा था कि वह लोकसभा चुनाव में कमल के फूल को वोट देगी। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो चुनाव प्रचार के दौरान का है।

- अपने इलाके में प्रचार करने गये निज़ामाबाद लोकसभा क्षेत्र के कांग्रेसी प्रत्याशी तातिपर्थी जीवन रेड्डी को बुजुर्ग महिला ने वोट देने से मना कर दिया तथा फूल को वोट देने बात कही, जिससे कांग्रेस प्रत्याशी बहुत नाराज़ हो गये।

महिला की पहचान ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत एक श्रमिक के रूप में हुई है। यह घटना आर्मूर विधानसभा क्षेत्र के एक गांव में सामने आई, जहां कांग्रेस उम्मीदवार अन्य नेताओं के साथ प्रचार कर रहे थे।

कश्मीर: पुंछ में सुरक्षाबलों के वाहन पर आतंकी हमला, 5 जवान घायल

पुलवामा (2019) की तरह ही आतंकियों ने घात लगाकर सुक्षाबलों के वाहनों को निशाना बनाया

- बंदूकधारी आतंकियों ने सड़क से गुजर रहे वायुसेना के काफिले पर अंधाधुध गोलीबारी की।
- हमले के बाद सेना और पुलिस के अतिरिक्त जवानों को इलाके में भेजा गया है और आतंकवादियों का पता लगाने तथा उन्हें मार गिराने के लिए बड़े पैमाने पर तलाशी और घेराबंदी अभियान शुरू किया गया है।

श्रीनगर, 4 मई। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में शनिवार को आतंकवादियों ने इंडियर एयर फोर्स (आई.ए.एफ.) के एक वाहन सहित सुरक्षाबलों के काफिले पर गोलीबारी की। इस हमले में पांच सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। वायुसेना और सुरक्षाबलों के अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों के मुताबिक यह हमला शाम को शशिधर इलाके के पास हुआ जब सुरक्षाबलों के वाहन जिले के सुरनकोट इलाके में सनाई टॉप की ओर बढ़ रहे थे। इस हमले में पांच जवान घायल हो गए, जिनमें से दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। घायल जवानों को अस्पताल भर्ती करवाया गया है। उन्होंने बताया कि, सेना और पुलिस के अतिरिक्त जवानों को इलाके में भेजा गया है और आतंकवादियों का पता लगाने तथा उन्हें मार गिराने के लिए बड़े पैमाने पर तलाशी और घेराबंदी अभियान शुरू किया गया है।

सूत्रों ने कहा कि, बंदूकधारी आतंकवादियों ने सरकारी स्कूल के पास एम.ई.एस. और वायु सेना के वाहन पर गोलीबारी की, जिसके बाद सुरक्षा बलों को जवाबी कार्रवाई करनी पड़ी। यह आतंकी घटना अनंतनाग-राजौरी-पुंछ लोकसभा क्षेत्र में गोलीबारी हुई है, जहां चुनाव आयोग द्वारा मतदान पुनर्निर्धारित किया गया है। अब इस सीट पर 25 मई को मतदान होगा।

कश्मीर में शनिवार को सुरक्षाबलों के साथ एक सड़क हादसा भी हुआ। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग में एक सैन्य वाहन के सड़क से फिसलकर खाई में गिर जाने से उसमें सवार सेना के एक जवान की मौत हो गई जबकि आठ अन्य जवान घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक यह हादसा दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले के वेरिनाग इलाके में हुआ। इस हादसे में सेना के नौ जवान घायल हो गए जिन्हें अस्पताल ले जाया गया। उन्होंने बताया कि नौ घायलों में से एक जवान की मौत हो गई। अधिकारियों के मुताबिक, चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया जिसके कारण वाहन सड़क से फिसलकर गहरी खाई में गिर गया।

वहीं दूसरी ओर, जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले में सुरक्षाबलों ने एक आतंकी ठिकाने का भंडाफोड़ कर वहां से हथियार और गोला-बारूद बरामद किए हैं। बांदीपोरा पुलिस ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर की गई एक पोस्ट में बताया, भारतीय सेना-13 आर.आर., बांदीपोरा पुलिस और केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल की तीसरी बटालियन द्वारा चलाए गए एक संयुक्त अभियान के दौरान उत्तरी कश्मीर जिले के चंगाली जंगल अरगाम में एक आतंकवादी ठिकाने का भंडाफोड़ हुआ है। पुलिस ने बताया कि, आतंकी ठिकाने से ए.के. सीरीज की एक राइफल, चार मैगजीन सहित हथियार और गोला-बारूद बरामद किए गए हैं।

मारवाड़ियों और प्रवासी राजस्थानियों में भजनलाल का क्रेज़ रहा

मुख्यमंत्री झारखंड, पश्चिम बंगाल, गुजरात और दिल्ली में संभाएं कर चुके हैं तथा आगे भी कई राज्यों में सभाएं सम्मेलन और रोड शो कार्यक्रम प्रस्तावित हैं

- मुख्यमंत्री भजनलाल के अब तेलंगाना, गुजरात, हरियाणा, दिल्ली और महाराष्ट्र में भी कई कार्यक्रम प्रस्तावित हैं।

जयपुर, 4 मई (का.सं.)। राजस्थान में लोकसभा चुनाव की वोटिंग के बाद अब मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भाजपा केंद्रीय नेतृत्व के निर्देशानुसार अलग-अलग राज्यों में दौरे कर लगातार चुनाव प्रचार की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। जिन राज्यों में बड़ी संख्या में प्रवासी राजस्थानी/मारवाड़ी रहते हैं, वहां खास तौर पर स्थानीय प्रत्याशियों द्वारा राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को भेजने की मांग आ रही है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा 26 अप्रैल को दूसरे चरण के मतदान के बाद झारखंड के धनबाद, हजारीबाग, राँची एंव पश्चिम बंगाल के श्रीरामपुर, कोलकाता उत्तर और दिल्ली जाकर वहां सभाओं, सम्मेलनों और रोड शो को सम्बोधित कर चुके हैं। इससे पहले वे गुजरात के बनासकांठा लोकसभा क्षेत्र में आने वाले पालनपुर में भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में सभा कर चुके हैं। मुख्यमंत्री शर्मा आगे तेलंगाना, गुजरात, हरियाणा, दिल्ली और महाराष्ट्र में चुनाव प्रचार के लिए जा सकते हैं।

उल्लेखनीय है कि, प्रवासी राजस्थानी कई पीढ़ियों से पूर्वी एवं दक्षिणी राज्यों के कई लोकसभा क्षेत्रों में बड़ी संख्या में रहते आ रहे हैं और वहां स्थानीय समुदाय में भी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की खासी पैठ है।

स्पैशल...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सहयोगी जद (एस) द्वारा प्रज्वल को उम्मीदवार बनाने की अनुमति भी दी, यही नहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ना केवल उसके लिए प्रचार किया बल्कि वोट भी मांगे। उन्होंने कहा था "प्रज्वल रैवन्ना को वोट दो, इससे मुझे ताकत मिलेगी।" कर्नाटक के एक भाजपा नेता ने भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व को कुछ महीनों पहले एक पत्र लिखा था और पार्टी के केन्द्रीय नेताओं को कई वीडिया के अस्तित्व के बारे में बताया था और चेताया था कि, अगर पार्टी जद (एस) से गठबंधन करती है तो पार्टी मुश्किल में आ जायेगी।

अपना मुस्लिम...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

होने के कारण ममता राजनीति की नब्ज पहचानने और स्थिति को भांपने की अपनी कला खोती जा रही हैं। ऐसे में पार्टी टूटती हुयी नज़र आ रही है।

पार्टी के स्तंभों में से एक, कुणाल घोष, जिन्होंने विपक्षी राजनीतिज्ञों, सिविल सोसायटी सदस्यों के तीखे हमलों से तृणमूल कांग्रेस का हमेशा सक्षमता से बचाव किया है, ने अब पाला बदल लिया है। घोष अब सन् 2013 से तृणमूल नेताओं द्वारा बड़े पैमाने पर की जा रही चोरी का पूर्ण ब्योरा दे रहे हैं।

घोष ने उत्तर कोलकाता में तृणमूल के विश्वासघाती नेताओं के साथ, ब्लड डोनेशन कैंप के लिए आयोजित एक सभा में मंच साझा करके, पार्टी की मुश्किलें बढ़ा दी थीं। घोष ने तापस रॉय, जिन्होंने हाल ही में तृणमूल कांग्रेस छोड़ी है, की भी खूब तारीफ की।

घोष खुले आम पार्टी के शीर्ष नेताओं की, जो साफ तौर पर ममता बनर्जी और उनके भतीजे की तरफ इशारा करता है, खूब आलोचना कर रहे हैं, यह कहते हुए कि, सब कुछ जानते हुए भी इन लोगों ने आँखें मूँद रखी थीं। घोष के अनुसार, अनियमितताओं की हदें और संबंधित धनराशि दिमाग चकरा देने वाली है।

'मोदी जी आप दक्षिण भारत से चुनाव लड़कर तो दिखाइये'

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने प्रधानमंत्री मोदी को चैलेंज दिया

- गौरतलब है कि, प्रधानमंत्री मोदी ने राहुल गांधी के रायबरेली सीट से चुनाव लड़ने पर तंज कसा था। इसके जवाब में कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने प्रधानमंत्री को चुनौती दी है कि, क्या प्रधानमंत्री मोदी में दक्षिण भारत की किसी सीट से चुनाव लड़ने का साहस है।
- पवन खेड़ा ने कहा कि, महंगाई और बेरोजगारी का मुद्दा देश में इतना ज्वलंत है कि, इस बार लोकसभा चुनाव काफी रोचक स्थिति में पहुँच चुका है, इस बार मुकाबला काफी कड़ा होने वाला है।

नई दिल्ली, 4 मई। कांग्रेस के मीडिया व प्रचार विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा ने भाजपा पर शनिवार को जमकर निशाना साधा। साथ ही, उन्होंने राहुल गांधी के रायबरेली से चुनाव लड़ने को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मजाक उड़ाने पर पलटवार किया।

खेड़ा ने पूछा कि, जैसे राहुल में दक्षिण और उत्तर से लड़ने का साहस है, तो क्या प्रधानमंत्री मोदी दक्षिण से चुनाव क्यों नहीं लड़ते? उन्होंने कहा कि वह तो देश के प्रधानमंत्री हैं फिर दक्षिण से चुनाव लड़ने का साहस क्यों नहीं दिखाते? कांग्रेस नेता ने कहा, हम प्रधानमंत्री मोदी से कह रहे हैं कि डरिए मत, दक्षिण से लड़िए। जैसे राहुल गांधी में दक्षिण और उत्तर से लड़ने की हिम्मत है।

पवन खेड़ा ने देश के लोकसभा चुनाव के रोचक दौर में पहुंचने का दावा किया। उन्होंने कहा कि, कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी नेता महंगाई, बेरोजगारी, महिला अत्याचार और किसानों की दुर्दशा संबंधी विषयों पर बात नहीं कर रहे हैं।

खेड़ा ने कहा, भाजपा नेता चुनाव के दौरान असल मुद्दों पर बोलने की बजाए नए विवाद पैदा कर रहे हैं। हिंदू-मुसलमान की बात की जा रही है। मंगलसूत्र पर भी चर्चा कर रहे हैं। जबकि कांग्रेस के न्याय पत्र में इस तरह के शब्दों का ही उपयोग नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि दरअसल 10 सालों में भाजपा ने झूठ की गारंटी दी है और अब उसके नेता लोगों का ध्यान भटकाने की कोशिश कर रहे हैं।

कांग्रेस नेता ने कहा कि, देश में महंगाई और बेरोजगारी से सब परेशान हैं। उन्होंने कहा, इन दोनों क्षेत्रों में 10 सालों में क्या किया गया, इस पर क्यों बात नहीं हो रही है। क्या मंगलसूत्र, मटन, मछली, मुसलमान और पाकिस्तान मुद्दे हैं।

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि देश में अब तक जो रुझान सामने आ रहे हैं, उसके अनुसार भाजपा की स्थिति ठीक नहीं है। इसलिए वह विरासत कर और इस तरह की बातें करने लगे हैं। उनका दावा है कि लोगों में भाजपा के प्रति गुस्सा है।

तीसरे चरण की वोटिंग...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रधानमंत्री की अयोध्या यात्रा से चुनाव के शेष रहे चरणों में भाजपा के पक्ष में एक मजबूत लहर बनाने में मदद मिलेगी। भाजपा सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी रविवार को दोपहर 3 बजे के लगभग इटावा पहुंचेंगे और उसके बाद सायं 5 बजे के लगभग वे धौरहरा लोकसभा सीट निर्वाचन क्षेत्र में पहुंचेंगे। शाम 7 बजे के करीब प्रधानमंत्री के राम मंदिर पहुंचने की संभावना है।

2019 की चुनाव प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद रविवार को छठी बार मोदी अयोध्या का दौरा करेंगे। वर्ष 2019 में उन्होंने अयोध्या में एक जनसभा को संबोधित किया था उसके बाद वे सितम्बर 2020 में मंदिर के शिलान्यास समारोह में शिरकत करने गये थे। उसके बाद अक्टूबर 2022 में वे अभिषेक महोत्सव के दीपोत्सव में शामिल हुए थे। पिछले साल दिसंबर में उन्होंने अयोध्या में महर्षि वाल्मिकी अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन किया था और शहर के धर्म पथ व राम पथ पर रोड शो किया था। उसके बाद वे इस वर्ष 22 जनवरी को भगवान राम की राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा आयोजन समारोह में शामिल होने अयोध्या गए थे। उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनावों के सभी सातों चरणों में वोटिंग होगी, अब तक लोकसभा के दो चरणों में प्रदेश की 80 निर्वाचन क्षेत्रों में से 16 पर वोटिंग हो चुकी है। वर्ष 2019 के चुनावों में भाजपा ने उत्तर प्रदेश की 80 सीटों में से 62 पर विजय प्राप्त की थी और उसकी एन.डी.ए. गठबंधन की साझीदार पार्टी अपना दल (एस) ने केवल 2 सीटों पर जीत दर्ज की थी।

दिल्ली में आप के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लोकसभा सीट से, कांग्रेस के पूर्व सांसद महाबल मिश्रा ने पश्चिम दिल्ली से और कुलदीप कुमार की दिल्ली पूर्व सीट से अपना नामांकन पत्र दाखिल किया है।

मिश्रा ने भगवान राम का दर्शन आशीर्वाद प्राप्त करने के बाद रैली की शुरुआत की और उन्होंने देश में से भाजपा की तानाशाही सरकार को हटाने की प्रतिज्ञा ली। राज्यसभा सांसद संजय सिंह व दिल्ली सरकार में मंत्री कैलाश गहलोत व पश्चिमी दिल्ली के अनेक विधायक भी उस वाहन में बैठे हुए थे जिसमें मिश्रा सवार थे। इन नेताओं के वाहन के पीछे कांग्रेस व आप पार्टी के कार्यकर्ता अपनी-अपनी पार्टी का झंडा लेकर चल रहे थे। पश्चिम दिल्ली में खास मुकाबला मिश्रा व भाजपा की कमलजीत सेहरावत के बीच है। दिल्ली के पूर्व मंत्री सोमनाथ भारती ने भी अपने परिवार सहित एक मंदिर में दर्शन किए और उन्होंने अपने बेटे के साथ एक रोड शो किया जिसमें बेटा पिता के लिए वोट का आग्रह कर रहा था। पूर्वी दिल्ली में कुलदीप कुमार ने अपना नामांकन पत्र रोड शो में संजय सिंह व दिल्ली सरकार की मंत्री आतिशी के शामिल होने के बाद दाखिल किया।

कांग्रेस के पूर्व मंत्री जय प्रकाश अग्रवाल (70 वर्ष) ने बगैर कोई रोड शो आयोजित किए चांदनी चौक सीट से अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। अग्रवाल भाजपा के प्रवीण खण्डेलवाल के खिलाफ चुनाव मैदान में है, अग्रवाल ने अपने 10 वें चुनाव में रैली निकालने को जरुरी नहीं समझा।

मु.मंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य सेवा के अधिकारियों के विरूद्ध लंबित 11 मामलों का त्वरित निस्तारण किया

- इनमें 5 अधिकारियों के खिलाफ आरोप प्रमाणित होने पर सी.सी.ए. नियम 16 के तहत दंडित करने का निर्णय लिया।

जयपुर, 4 मई (का.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य की प्रशासनिक सेवा के 11 अधिकारियों के विरुद्ध लंबित मामलों का शनिवार को निस्तारण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि, नेतृत्व में राज्य सरकार आमजन को संवेदनशील, पारदर्शी और भ्रष्टाचार मुक्त सुशासन देने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में सुशासन में राज्यकर्मियों की अहम भूमिका को देखते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य सेवा के अधिकारियों के विरुद्ध लंबित अनुशासनात्मक कार्यवाही के 11 प्रकरणों का निस्तारण किया। उल्लेखनीय है कि, इन निस्तारित प्रकरणों में से 2 प्रकरणों में चार विकास अधिकारियों के खिलाफ शिकायत के आधार पर सी.सी.ए. नियमों की धारा 17 ए के तहत जांच का पूर्वानुमोदन किया गया है।

वहीं मुख्यमंत्री ने जीरो टॉलरेंस की नीति का परिचय देते हुए पांच अधिकारियों के विरूद्ध आरोप प्रमाणित होने पर सी.सी.ए. नियम 16 के अंतर्गत दण्डित करने का निर्णय किया है, जिसमें एक सेवानिवृत्त अधिकारी का प्रकरण भी शामिल है। साथ ही, अन्य दो प्रकरणों में संतोषजनक तथ्यों के अभाव में पुनरावलोकन याचिका को खारिज कर दिया है।

मेघालय में भी पानी की जबरदस्त किल्लत

शिलाँग, 4 मई। पूर्वोत्तर भारत के पर्वतीय राज्य मेघालय के लू की चपेट में आने के कारण राज्य में पीने के पानी की भारी किल्लत हो गई है। यह हाल तब है जब दुनिया में सबसे ज्यादा बारिश वाली जगह सोहरा इसी राज्य में है।

पर्यावरण विशेषज्ञों का कहना है कि जंगल की अंधाधुंध कटाई और बारिश के पानी के संरक्षण की नीति सही ढंग से लागू नहीं होने के कारण ही राज्य को इस संकट का सामना करना पड़ रहा है। ग्लोबल वार्मिंग के प्रतिकूल असर ने इस संकट को और गंभीर बना दिया है। मेघालय बीते कई दिनों से लू की चपेट में हैं। राज्य के कई इलाकों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है।

- पर्यावरणीय नीतियों की अनदेखी ने इस सदाबहार रहने वाले राज्य को 40 डिग्री सैल्सियस के तापमान वाली गर्मी में झुलझने को मजबूर कर दिया है।

कांग्रेस कर्नाटक के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बताया जाता है कि एच.डी. रेवन्ना को उपस्थित होने के लिए समन जारी किया गया, जिस पर उन्होंने यह कहते हुए समय मांगा है कि वह लोकसभा चुनावों के प्रचार में व्यस्त हैं। दो हजार नौ सौ फाइल्स वाली पैन ड्राइव्स के हासन में वायरल हो जाने के बाद होलीनारासिपुरा टाउन पुलिस ने अप्रेल माह के अंतिम सप्ताह में एक केस दर्ज किया था। उससे पहले एक 47 वर्षीया महिला ने पुलिस में शिकायत दर्ज कर आरोप लगाया था कि प्रज्वल और उसके पिता ने उसका यौन उत्पीड़न किया है।

- राहुल के पत्र के अनुसार वे इस बात से अचंभित हैं कि, भाजपा के कर्नाटक के एक वरिष्ठ नेता ने गृह मंत्री अमित शाह को प्रज्वल के सैक्स टेप की जानकारी पत्र द्वारा दी थी, फिर, भी कोई कार्यवाही नहीं हुई, बल्कि प्र.मंत्री मोदी इस उम्मीदवार, प्रज्वल के पक्ष में चुनाव प्रचार अभियान में जोर-शोर से सम्मिलित हुए।

अरविन्दर सिंह लवली...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आदमी पार्टी (आप) का चुनावी गठबंधन होने और पार्टी के उम्मीदवारों के चयन के विरोध में दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष का पद छोड़ दिया था। उनके साथ जो चार अन्य नेता भाजपा में शामिल हुए हैं, वे हैं- कांग्रेस के पूर्व विधायक, राजकुमार चौहान, नीरज बसोया, नसीब सिंह और दिल्ली के यूथ कांग्रेस अध्यक्ष अमित मलिक।

लवली ने इससे पहले यह कहा था कि, उन्होंने सिर्फ पार्टी का पद छोड़ा है, पार्टी नहीं, यद्यपि कांग्रेस नेतृत्व के एक वर्ग के साथ ही आप नेताओं को विश्वास था कि, वे एक बार फिर से भाजपा में शामिल होंगे। पार्टी की धारणा और दृष्टिकोण के नज़रिए से देखा जाए तो 28 अप्रैल को दिया गया लवली का त्यागपत्र कांग्रेस के लिए एक झटका था। उनके इस्तीफे के चार दिन बाद दिल्ली के पूर्व मंत्री राजकुमार चौहान ने पार्टी छोड़ दी थी। लवली ने इस्तीफे की घोषणा के बाद "आप" सरकार के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने "एक्स" पर डाली गई एक पोस्ट में लवली और भाजपा के कथित सम्पर्कों का उल्लेख किया था।

हेमंत सोरेन को जमानत के लिए अभी और इंतजार करना होगा

रांची, 4 मई। रांची की विशेष प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉण्डरिंग एक्ट (पी.एम.एल.ए.) कोर्ट ने जमीन घोटाला मामले में झारखण्ड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की जमानत याचिका पर शनिवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। वे फिलहाल रांची जेल में बंद हैं। कोर्ट अब अपना फैसला 10 मई को सुनाएगा। शनिवार को सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों ने लिखित में अपने जवाब दाखिल किए।

- कोर्ट ने सोरेन की जमानत याचिका पर फैसला 10 मई तक के लिए रिज़र्व रख लिया।

ई.डी (प्रवर्तन निदेशालय) द्वारा अपनी गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली हेमंत सोरेन की आपराधिक रिट याचिका उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को खारिज कर दी थी। इससे पहले, सुप्रीम कोर्ट ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अंतरिम राहत की मांग करने वाली सोरेन की याचिका पर ईडी को नोटिस जारी किया था।

'राहुल गांधी और प्रियंका गांधी: कांग्रेस इन दो धड़ों में बंटने वाली है'

पूर्व कांग्रेस नेता प्रमोद कृष्णम ने दावा किया कि, प्रियंका गांधी चुनाव नहीं लड़ रही हैं, यह अब उनके समर्थकों के दिलों में ज्वालामुखी का रूप ले रहा है जो 4 जून के बाद फूटेगा

- गौरतलब है कि, बहुत पहले ही कृष्णम ने दावा किया था कि, प्रियंका गांधी पार्टी में चल रही साजिश का शिकार हुई हैं। उन्होंने कहा था, मैंने पहले ही कहा था कि, राहुल गांधी प्रियंका गांधी वाड्रा को चुनाव नहीं लड़ने देंगे।

नई दिल्ली, 4 मई। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी वायनाड के अलावा यूपी की रायबरेली सीट से भी लोकसभा चुनाव लड़ रहे हैं। प्रियंका गांधी वाड्रा के भी चुनाव लड़ने की अटकलें लगाई जा रही थीं, लेकिन इस बार उन्होंने चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया है। इसके बीच, पूर्व कांग्रेस नेता प्रमोद कृष्णम ने शनिवार को बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा है कि लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद कांग्रेस दो गुटों में टूट सकती है। एक गुट राहुल गांधी का होगा, जबकि दूसरा प्रियंका गांधी का। प्रमोद कृष्णम ने यह भी कहा कि, राहुल गांधी को पाकिस्तान से चुनाव लड़ना चाहिए।

पूर्व कांग्रेस नेता प्रमोद कृष्णम ने कहा, जिस तरह से राहुल गांधी ने अमेठी छोड़ा है, उससे कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं का मनोबल गिरा है। प्रियंका गांधी चुनाव नहीं लड़ रही हैं, यह अब उनके समर्थकों के दिलों में ज्वालामुखी का रूप ले रहा है जो 4 जून के बाद फूटेगा। कांग्रेस फिर से दो धड़ों में टूटेगी। एक राहुल गांधी का होगा, जबकि दूसरा प्रियंका गांधी का। मुझे लगता है कि राहुल गांधी को रायबरेली के बजाय रावलपिंडी से चुनाव लड़ना चाहिए, क्योंकि उनकी लोकप्रियता और मांग पाकिस्तान में बढ़ रही है।

इससे पहले कृष्णम ने आरोप लगाया था कि प्रियंका गांधी पार्टी में चल रही साजिश का शिकार हुई हैं। उन्होंने कहा था, मैंने पहले ही कहा था कि राहुल गांधी प्रियंका गांधी वाड्रा को चुनाव नहीं लड़ने देंगे...प्रियंका गांधी के खिलाफ परिवार और पार्टी में एक बड़ी साजिश है। वह परिवार और पार्टी में एक साजिश का शिकार हैं। कृष्णम ने कहा कि राहुल अगर अमेठी से चुनाव नहीं लड़ना चाहते तो वाराणसी से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ चुनाव लड़ सकते थे। राहुल गांधी का मुकाबला रायबरेली में बीजेपी के दिनेश प्रताप सिंह से है, जबकि कांग्रेस पार्टी के केएल शर्मा का मुकाबला अमेठी लोकसभा सीट से सांसद और केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी से है।

बता दें कि, यूपी की अमेठी और रायबरेली सीट दशकों से कांग्रेस का गढ़ रही है। हालांकि, पिछले लोकसभा चुनाव में अमेठी सीट से राहुल गांधी को हार मिली थी, लेकिन दूसरी वायनाड सीट पर जीत गए थे। इस बार भी अमेठी और रायबरेली, दोनों सीटों से गांधी परिवार के लड़ने की ही अटकलें थीं, लेकिन वायनाड के अलावा राहुल गांधी को पार्टी ने रायबरेली से उतारा, जबकि अमेठी सीट से किशोरी लाल शर्मा को टिकट दिया गया है। प्रियंका गांधी चुनाव नहीं लड़ेंगी।

रायबरेली में राहुल...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गांधी का 55.80 प्रतिशत। कांग्रेस द्वारा राहुल को रायबरेली से चुनाव मैदान में उतारे जाने से पहले ही भाजपा ने इस सप्ताह की शुरुआत में ही यहाँ से उनकी उम्मीदवारी की घोषणा कर दी थी।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय:-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908